RNI No. DELHIN/2010/35423, Postal: DL(E)-20/5435/2016-18 राष्ट्रीय संस्करण www.swarajkhabar.com, Email :- editorswarajkhabar@gmail.com

खबरों का स्वराज

स्वराज ख़बर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

● दिल्ली ● नोएडा ● देहरादून ● पटना से एक साथ प्रकाशित

पहली बार नौकरी करने वाले युवाओं को मिलेंगे 15 हजार

● मोदी कैबिनेट का तोहफा, इस बड़ी योजना को दे दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने युवाओं को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उस योजना को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत पहली बार नौकरी करने वाले युवाओं को सरकार की ओर से 15,000 रुपये मिलेंगे। रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने हरी झंडी दिखा दी है। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को नौकरी के लिए तैयार करना है। साथ ही उन्हें एक सुरक्षित वातावरण मुहैया कराना है। इस योजना का मुख्य फोकस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर होगा। योजना के अंतर्गत पहली बार नौकरी करने वालों को 15,000 रुपये तक की एक महीने की सैलरी मिलेगी। यह पैसा दो किस्तों में मिलेगा। यही नहीं जो कंपनियां युवाओं को नौकरी देंगी, उन्हें भी सरकार की ओर से दो साल तक प्रोत्साहन मिलेगा। सरकार के मुताबिक इस योजना के माध्यम से 3.5 करोड़ से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा करना है। केंद्र सरकार की ओर से इस पर 99,446 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस योजना को लेकर सरकार ने पिछले बजट

में ऐलान किया था। यह प्रधानमंत्री के 2 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का हिस्सा है। इस पैकेज का मकसद 4.1 करोड़ युवाओं को नौकरी और ट्रेनिंग देना है।

बिहार के युवाओं को मालामाल करेगी नीतिश सरकार

हर महीने मिलेंगे 4000 से 6000 रुपए, बड़ा ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनावों की तारीख की घोषणा कभी भी हो सकती है। इससे पहले जहां विपक्ष की ओर से लोक लुभावन वादों की झड़ी लगी हुई है, वहीं राज्य सरकार की ओर से लगातार नई योजनाओं की घोषणा हो रही है। हाल ही में बिहार में सरकारी पेंशन योजना के तहत पैसा बढ़ाकर 1100 रुपये करने का फैसला लिया गया। मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में भी नीतिश सरकार की ओर से कई घोषणाएं की गईं। इनमें बिहार के कलाकारों को हर महीने 3000 रुपये पेंशन देने के लिए मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना की घोषणा की गई। इसके अलावा लुप्त होती जा रही लोक कलाओं को जीवित रखने के लिए गुरु शिष्य परंपरा योजना का ऐलान किया गया। इसके अलावा युवाओं के लिए भी एक खास इंटर्नशिप योजना का ऐलान किया गया है। इस इंटर्नशिप योजना का नाम मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना है।

हेमंत खंडेलवाल एमपी भाजपा के नए अध्यक्ष

● औपचारिक ऐलान आज होगा

भोपाल। बैतूल विधायक हेमंत विजय खंडेलवाल मध्यप्रदेश भाजपा के निर्विरोध नए अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। हालांकि ऐलान बाकी है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा ने सीएम डॉ. मोहन यादव को इशारा किया और सीएम खंडेलवाल को मंच पर ले गए। सीएम डॉ. मोहन उनके प्रस्तावक बने। खंडेलवाल पहली पंक्ति में मंत्री वीरेंद्र खटीक और गोपाल भार्गव के बीच में बैठे थे। सीएम मोहन यादव इशारा मिलते ही उनको पीठ पर हाथ रखकर मंच की ओर बढ़े। चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, निर्वाचन अधिकारी विवेक शेजवलकर और पर्यवेक्षक सरोज पांडे के सामने उन्होंने नामांकन दाखिल कराया।

ब्रोकर शिलोम ने सोनम-राज के कहने पर हटाए थे सबूत

● एमपी से राजा मर्डर केस से जुड़े सबूत लेकर मेघालय पुलिस दूसरी बार रवाना

इंदौर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी मर्डर केस में इंदौर के आरोपी कॉन्ट्रैक्टर-ब्रोकर शिलोम जेम्स को लेकर शिलॉन्ग पुलिस दूसरी बार सबूतों के साथ रवाना हो गई। इस बार पुलिस के हाथ सोनम के जेवर, लैपटॉप और एक पेन ड्राइव लगी है, जिसमें सोनम के बिजनेस के डिजिटल एविडेंस हैं।

शिलॉन्ग पुलिस को शंका है कि शिलोम ने लालच में आकर राज और सोनम के कहने पर पूरे सबूत मिटाए थे। ऐसे में पुलिस उसकी रिमांड बढ़ाने की अपील कर सकती है। वहीं, शिलॉन्ग पुलिस ने केस में अभी और आरोपी बढ़ने की बात से इनकार भी नहीं किया है। राजा रघुवंशी हत्याकांड में कई तरह के मोड़ आए, जिसमें सोनम, राज, विशाल और अन्य आरोपियों के पकड़ाने के बाद मददगारों के नाम खुलते गए।

कर्नाटक में नहीं गल पाई डीके शिवकुमार की दाल

● फेल हो गया प्लान, बगल में बैठे सुरजेवाला का ऐलान

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन नहीं करेगी। राज्य में सीएम पद को लेकर मचे घमासान के बीच बेंगलुरु में पार्टी के एआईसीसी प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। कर्नाटक में

मंत्रियों और विधायकों की बयानबाजी के बाद सुरजेवाला सोमवार को बेंगलुरु पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने वहां पर पार्टी के विधायकों से वन टू वन मीटिंग की थी। विधायकों से मिलने के बाद सुरजेवाला ने उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को बगल में बैठाकर प्रेस कांफ्रेंस की।

राजस्थान से यूपी-उत्तराखंड तक बारिश-बाढ़ का तांडव

● हर ओर बारिश-बाढ़ से हाहाकार, चहुंओर संकट अपार ● राजस्थान के अलवर में सड़कें डूबीं, घरों में भरा पानी
● हिमाचल में 4 जगह बादल फटा, उत्तराखंड में तबाही ● प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़, बिहार में 5 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसूनी बारिश जारी है। राजस्थान के अलवर में सोमवार को भारी बारिश के चलते सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़ जैसे हालात हैं। घाट की तरफ 500 मीटर आगे तक पानी भर गया है। हिमाचल प्रदेश के मंडी में सोमवार रात 4 जगह बादल फटने से भारी नुकसान हुआ। बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है, 10 लोग लापता हैं। 20 घरों को नुकसान पहुंचा है। उत्तराखंड में सोमवार को कोटद्वार-बद्रीनाथ मार्ग पर सतपुली के पास लैंडस्लाइड की वजह से पौड़ी-मेरठ नेशनल हाईवे बंद हो गया। उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड के कारण यमुनोत्री हाईवे बंद हो गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। नदी सामान्य से चार लेवल ऊपर बह रही है। पानी घाट की ऊपरी सीढ़ियों के नजदीक आ गया है। गंगा स्नान करने आए श्रद्धालुओं को लगातार

अनाउंसमेंट करके चेतावनी दी जा रही है। जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है। राजस्थान के धौलपुल जिले में सोमवार देर रात हुई तेज बारिश से नेशनल हाईवे-123 की ओर जाने वाली सड़क पूरी तरह से कट गई। हाईवे से बाड़ी की ओर जाने वाला रास्ता दो हिस्सों में कट गया। हिमाचल प्रदेश के मंडी के अलग-अलग इलाकों में 10 से ज्यादा घरों को बारिश बाढ़ में बहने और लैंडस्लाइड से क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। जिला प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा हुआ है। कुकलाह में कई घर और माता कश्मीरी मंदिर बह गया। बारिश को देखते हुए मंडी, हमीरपुर और कांगड़ा में प्रशासन ने स्कूल और कॉलेजों की छुट्टी कर दी है। हरियाणा के करनाल में सोमवार देर रात अचानक यमुना में बाढ़ आ गई। इससे रेत खनन करने के लिए खड़े तीन डंपर और एक जेसीबी मशीन डूब गई। पानी का स्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि ड्राइवरों को भागने मौका नहीं मिला।

तमिलनाडु के शिवाकाशी की पटाखा फैक्ट्री में धमाका

● अब तक 5 लोगों की हो गई मौत, 4 की हालत गंभीर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ, न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोग और फंसे हो सकते हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। घायलों को इलाज के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विरुधुनगर जिले के एसपी कन्नन ने बताया कि शिवकाशी के पास चिन्नाकामनपट्टी गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका हुआ। हादसे के बाद फैक्ट्री से लगातार धुएं का गुबार उठता दिखा और अंदर पटाखों के

फटने की आवाजें आती रहीं। घटना की जांच की जा रही है। धमाके की वजह साफ नहीं। विरुधुनगर के पुलिस अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि धमाके क्यों और कैसे हुआ। इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। घायलों को जिले के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस धमाके का कारण पता लगाने की कोशिश कर रही है।

संगारेड्डी ब्लास्ट में अब तक 36 लोगों की मौत

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले की एक कैमिकल फैक्ट्री हुए धमाके में मौत का आंकड़ा 35 से ज्यादा हो गया है। हादसे के बाद 31 लोगों के शव निकाले गए थे जबकि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान मरने वाले लोगों के चलते मृतकों की संख्या बढ़ गई है। 30 लोग घायल हैं जिनका अभी भी अस्पताल में इलाज जारी है। हादसे के चश्मदीदों ने बताया है कि कैसे धमाके की तीव्रता के चलते मजदूर 100 मीटर दूर जाकर घायल अवस्था में गिर गए थे। इस हादसे को लेकर संगारेड्डी के एसपी परितोष पंकज ने इस हादसे को लेकर विस्तृत जानकारी दी और बताया है कि 30 जून को फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हुआ था। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था।

पहलगाम आतंकी हमला एक आर्थिक युद्ध था

● एस जयशंकर बोले- न्यूक्लियर ब्लैकमेल का दौर अब खत्म

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमला एक सोचा समझा आर्थिक युद्ध था। इसका मकसद कश्मीर में पर्यटन उद्योग को बर्बाद करना था। जयशंकर ने कहा, यह हमला पर्यटन पर हमला था, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आतंकी चाहते थे कि लोग डरें, पर्यटक न आएं और घाटी का आर्थिक ढांचा टूट जाए। अमेरिका के न्यूयॉर्क में न्यूजवीक मेगजीन के सीईओ देव प्रगाड़ से बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि हमलावरों ने धार्मिक पहचान के आधार पर लोगों को अलग किया और फिर हत्या की, ताकि सांप्रदायिक तनाव फैल सके। कार्यक्रम में बात करते हुए

जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान से आने वाले आतंकवाद का भारत करारा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि भारत अब न्यूक्लियर हथियारों की धमकी से डरने वाला नहीं हैं। जयशंकर ने कहा, अब यह डर दिखाने का वक्त चला गया है कि दोनों देश परमाणु ताकतें हैं इसलिए भारत को संयम बरतना चाहिए। अगर पाकिस्तान हमला करेगा तो हम भी जवाब देंगे और सीधा उनपर जो हमला करते हैं। न आतंकियों को छूट मिलेगी, न उनके आका सुरक्षित रहेंगे। जयशंकर ने साफ किया कि हमने तय किया कि अब आतंकवादियों को बिना सजा के छोड़ना संभव नहीं। उन्होंने कहा कि भारत अब आतंकियों को प्रॉक्सी मानकर पाकिस्तान सरकार को बख्शेगा नहीं, जो इन्हें समर्थन, फंडिंग और प्रोत्साहन देती है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हमला हुआ था।

कोलकाता गैंगरेप के तीनों आरोपियों के लिए गए डीएनए सैंपल

● पुलिस को शक-पहले से प्लानिंग करके वारदात को दिया गया अंजाम

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के लॉ कॉलेज में छात्रा से गैंगरेप के मामले में सोमवार को तीनों आरोपियों के डीएनए सैंपल लिए गए। कॉलेज के पूर्व छात्र मनोजीत मिश्रा, छात्र प्रतीम मुखर्जी और जैद अहमद को कलकत्ता मेडिकल कॉलेज व अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी बॉडी के फ्लूइड, पेशाब और बालों के नमूने लिए गए। यह प्रक्रिया करीब आठ घंटे तक चली। वहीं, पुलिस को संदेह है कि पहले से योजना बनाकर विक्टिम के साथ इस वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, यह पूरी घटना पहले से तय थी। तीनों आरोपियों ने कई दिन पहले से पीड़िता को टारगेट किया था। मिश्रा ने पीड़िता को कॉलेज में दाखिला लेने के पहले दिन से ही निशाने पर लिया

था। साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज में 25 जून को गैंगरेप एक छात्रा से गैंगरेप हुआ था। मुख्य आरोपी यहीं का पूर्व छात्र मनोजीत मिश्रा (31) है। इसमें दो वर्तमान छात्र जैब वे प्रमित मुखर्जी हैं।

ठाकरे आ रहे हैं...

5 जुलाई के प्रोग्राम पर शिवसेना यूबीटी का पोस्टर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति सरकार के तीन भाषा पॉलिस के शासनादेश को रद्द करने के बाद उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी फॉर्म में आ गई है। शिवसेना ने 5 जुलाई के कार्यक्रम को मराठी विजय दिवस के तौर पर मनाने का ऐलान कर दिया है। इस बीच पार्टी के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक

पोस्टर सामने आया है। इसमें लिखा है कि ठाकरे आ रहे हैं....। यह लाइन 5 जुलाई के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए लिखी गई है। पार्टी के नेता संजय राउत के अनुसार महाराष्ट्र सरकार के स्कूलों में त्रि-भाषा नीति संबंधी आदेश वापस लेने के बाद हम पांच जुलाई को मराठी विजय दिवस के रूप में मनाने के लिए रैली करेंगे।

पाताल में भी लक्ष्य को भेदेगा अग्नि-5 मिसाइल पर लगा वारहेड

● सटीक हमलों के मामले में अमेरिका का बी-2 बॉम्बर भी रह जाएगा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के वैश्विक संघर्षों से सबक लेते हुए भारत ने भविष्य के युद्धों के लिए बंकर बस्टर बम बनाने की दिशा में प्रयास तेज कर दिया है। भारत ऐसी शक्तिशाली मिसाइल प्रणाली पर काम कर रहा है, जिसमें अग्नि-5 पर लगा मुखास्त्र (वारहेड) पाताल में भी लक्ष्य को भेदने में सक्षम होगा। हालिया दिनों में जब अमेरिका ने ईरान के फोर्डो परमाणु संयंत्र पर हमला किया, तो बंकर बस्टर बम दुनियाभर में सुर्खियों में आ गया। हालांकि, भारतीय मिसाइल प्रणाली अमेरिका के बी-2 बमवर्षक से ज्यादा सटीक हमले करेगी, क्योंकि अग्नि-5 मिसाइल बेहतर ढंग से लक्ष्य पर निशाना साधेगी। भारत का बंकर बस्टर बम न सिर्फ जमीन के नीचे 80 से 100 मीटर तक दुश्मन के लक्ष्यों को भेद देगा, बल्कि इसे पारंपरिक हथियारों से नष्ट भी नहीं किया जा सकेगा।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत द्वारा बंकर बस्टर बम का निर्माण पहले से प्रस्तावित था। लेकिन, ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमले के बाद भारत सतर्क हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

सिगरेट पीने से मना किया तो घर में घुसकर चेन लूट ली, गाजियाबाद में तो गजब कांड हुआ

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद के गुलधर में घर के सामने बाइक खड़ी कर सिगरेट पीने से मना करने पर आरोपी ने युवक से पहले गाली गलौज की, फिर दोस्तों को बुलाकर उनके घर में घुसकर मारपीट की। इस दौरान उनकी सोने की चेन और नकदी भी लूटकर ले गए। पीड़ित ने मधुबन बापूधाम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार,गुलधर के रहने वाले मनीष त्यागी ने शिकायत में बताया कि एक मई की रात उनके घर के बाहर संजयनगर निवासी दिलीप बाइक लगाकर शराब के नशे में सिगरेट पी रहा था। उन्होंने उससे वहां से बाइक हटाने के लिए कहा,तो उसने गाली गलौज की। विरोध करने पर आरोपी ने फोन कर अपने दोस्तों को बुला लिया। आरोप है कि दस मिनट में उसके सात से आठ दोस्त स्कूटी और बाइक से आ गए और उनके साथ गाली गलौज करने लगे।पीड़ित अपने घर चला गया तो सभी आरोपी उनके घर पहुंच गए और हमला कर दिया। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने पीड़ित की सोने की चेन और 1500 रुपये भी लूट लिए। इसकी शिकायत थाने देने पर आरोपी फिर उनक घर के सामने पहुंचकर जान से मारने की धमकी दी। एसीपी का कहना है कि शिकायत के बाद मामले की जांच की जा रही है।

न वैक्सीन लगवाई, न इलाज; मां-बाप के अंधविश्वास में एक साल के मासूम की पीलिया से मौत

मलप्पुरम, एजेंसी। केरल के मलप्पुरम जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक साल के मासूम बच्चे की पीलिया से मौत हो गई और अब पुलिस इस पूरे मामले की जांच मां-बाप के अंधविश्वास के तौर पर कर रही है। संदेह जताया जा रहा है कि बच्चे को समय पर दवाई नहीं दी गई, क्योंकि उसके माता-पिता एलोपैथिक इलाज के खिलाफ थे। मृतक बच्चे का नाम एसन एरहान था, जो कोट्टक्कल के रहने वाले हिरा हरीरा और नवाज का बेटा था। बच्चे की 27 जून को मृत्यु हो गई थी और प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि उसका न तो टीकाकरण हुआ था और न ही पीलिया के इलाज के लिए कोई इलाज हुआ। हैरानी की बात यह है कि बच्चे की मां एक्यूपंक्चर की चिकित्सक हैं और उन्होंने पहले भी सोशल मीडिया पर मॉडर्न मेडिसिन के खिलाफ पोस्ट की थीं, जो अब वायरल हो रही हैं और चर्चा का विषय बन गई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम जब घर पहुंची, तो परिवार ने बताया कि बच्चा स्तनपान के तुरंत बाद बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई। हालांकि, टीकाकरण न कराना और अस्पताल न ले जाना अधिकारियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। बच्चे का पोस्टमार्टम के लिए शव बाहर निकाला गया है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत सरकार लिखी गाड़ी, जमकर रौब, मुंबई से फर्जी आईएएस अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी के फर्जी दस्तावेज लेकर घूमने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी खुद को आईएएस अधिकारी बताकर कस्टम गेस्ट हाउस में रुका था। इतना ही नहीं वह भारत सरकार की नेम प्लेट वाली गाड़ी का भी इस्तेमाल करता था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को जब इस घटनाक्रम का पता चला तो शनिवार को उसे मलाड इलाके में एक होटल के बाहर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान बिहार निवासी 32 वर्षीय चंद्रमोहन सिंह के रूप में हुई है। गिरफ्तार करने के दौरान उसने अपने आप को गृह मंत्रालय से संबंधित बताते हुए उसने एक फर्जी पहचान पत्र भी दिखाया। बाद में जब सख्ती से पूछताछ की गई तो वह टूट गया और उसने दस्तावेजों के जाली होने की बात को कबूल कर लिया।

पुलिस को उसके पास से रक्षा मंत्रालय से जुड़े फर्जी दस्तावेज भी मिले हैं पुलिस ने बताया पकड़े जाने से पहले यह आरोपी दादर में नाके से भागने में भी सफल रहा था। यहां पर उसने पुलिस कांस्टेबल ने जब उसे ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करने के लिए रोका तो उसने अपने आप को आईएएस अधिकारी बताया और वहां से निकल गया। अधिकारी के अनुसार, पुलिस फिलहाल उसे गिरफ्तार करके उसके खिलाफ संबंधित मामलों में केस दर्ज कर रही है।

नियुक्ति राजस्थान सरकार के लिए बनीं अग्निपरीक्षा 10 हजार से ज्यादा पद न्यायिक प्रक्रिया में फंसे

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। सरकार जल्द ही प्रदेश भर में मेगा रोजगार मेलों का आयोजन करने जा रही है। दावा है कि इन मेलों के जरिए 20 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी का तोहफा दिया जाएगा। अगर कोर्ट में अटकी भर्तियों के मामले सुलझ जाते हैं, तो यह संख्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद भी हाल ही में एक कार्यक्रम में इस योजना का संकेत दे चुके हैं।

फिलहाल 8 अहम भर्तियां ऐसी हैं जो या तो कोर्ट में अटकी हुई हैं या फिर विभागीय लापरवाही की शिकार हैं। इनमें से 4 भर्तियों पर कानूनी पेच फंसा हुआ है, जबकि 4 भर्तियों की प्रक्रिया अधिकारी स्तर की अनदेखी के कारण धीमी पड़ी हुई है। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष हनुमान किसान का कहना है कि सरकार को कोर्ट में ठोस पैरवी करनी चाहिए, ताकि चयनित अभ्यर्थियों को जुलाई में नियुक्ति पत्र सौंपे जा सकें। पशु परिचर भर्ती 2023 (6433 पद) इस भर्ती में नॉर्मलाइजेशन को लेकर विवाद है, जो कोर्ट में लंबित है। इसी कारण चयन प्रक्रिया रुकी हुई है।

इस भर्ती में कुछ सवालों को लेकर विवाद है, जिस पर कोर्ट का फैसला आना बाकी है। ऐसे में नियुक्ति प्रक्रिया लंबित है।

इस भर्ती में पहले से कार्यरत डिप्टीशनी कार्मिकों ने कोर्ट में चुनौती दे रखी है, जिससे चयनित अभ्यर्थियों की राह अटक गई है। विवादित प्रश्नों के चलते कोर्ट में मामला चल रहा है। करीब 713 पदों पर अभी भी नियुक्तियां नहीं हो सकी हैं। लेवल-2 में दो गुणा परिणाम जारी हो चुका है, लेकिन उर्दू को छोड़कर अन्य विषयों का एक गुणा परिणाम अब तक लंबित है। इससे करीब 1260 नए अभ्यर्थियों को मौका मिल सकता है।600 पदों में से 120 पदों का परिणाम अब तक जारी नहीं किया गया है। चयनित अभ्यर्थी लगातार परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं। 13 मई को चयन बोर्ड ने परिणाम तो जारी किया, लेकिन शिक्षा विभाग ने अब तक दस्तावेज सत्यापन का कार्यक्रम घोषित नहीं किया।

राजा रघुवंशी की हत्या के बाद बदला नियम, मेघालय सरकार ने कड़े किए नियम

शिलांग, एजेंसी।
मेघालय के अधिकारियों ने पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर पूर्वी खासी पवर्तीय जिले में बाहरी इलाकों के लिए गाइड रखना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह आदेश इंदौर के व्यापारी राजा रघुवंशी की हत्या के एक महीने बाद आया है, जिसकी योजना उनकी पत्नी ने राज्य के सोहरा क्षेत्र में अपने हनीमून के दौरान बनाई थी। पूर्वी खासी पवर्तीय जिले की उपायुक्त रोसेटा एम कुरबाह ने आदेश में कहा, 'सुरक्षा कारणों को देखते हुए, अब सभी पर्यटकों के लिए क्षेत्र में पर्वतारोहण के दौरान रजिस्टर्ड गाइड की सेवाएं लेना जरूरी है।' इससे अलग-थलग क्षेत्रों में खो जाने, चोट लगने या आपराधिक गतिविधियों का शिकार होने जैसी घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी। कुरबाह जिला पर्यटन संवर्धन सोसाइटी की अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने राजा रघुवंशी हत्याकांड के बाद सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला दिया। उक्त घटना की पूरे

देश में चर्चा हो रही है और मामले में मध्यप्रदेश के इंदौर से आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पर्यटन अधिकारियों ने कहा कि आदेश का सख्ती से पालन किया जाएगा। उल्लंघन करने वालों को जुर्माना भरना पड़ सकता है या उन्हें विभिन्न मार्गों पर जाने से रोका जा सकता है। प्रशासन ने निर्देश को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अधिक ट्रेंड गाइड तैनात करने और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करने की भी योजना बनाई है। इससे पहले, मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीमने रविवार को अहम सफलता हासिल करते हुए राजा रघुवंशी की गुम हुई सोने की चेन समेत कई अहम सबूत बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार प्रॉपर्टी डीलर सिलोम जेम्स के मध्यप्र देश के रतलाम जिले में स्थित आवास पर छापेमारी के दौरान यह बरामदगी की गई। इस अभियान में राजा और उसकी पत्नी सोनम के सोने के आभूषण, लैपटॉप और अन्य सामग्री जब्त की गई।

यूपी में जहां-तहां कचरा फेंकने वाले रहें सावधान, अब कई विभागों की आप पर नजर, लगाएंगे तगड़ा जुर्माना

कानपुर, एजेंसी।
यूपी में गंगा ही नहीं अब गलियों तक में कूड़ा फेंकना दंडनीय अपराध होगा। ऐसा करने पर आपको 50,000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। यह निर्देश नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने ओरीजिनल अप्लीकेशन (ओए) पर सुनवाई के दौरान दिया है। एनजीटी के आदेश के अनुपालन में उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने सख्ती का फरमान जारी किया है। यूपीपीसीबी के अलावा नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत के अधिकारी जुर्माना लगाने की कार्रवाई कर सकेंगे।

एनजीटी ने राम मिलन साहनी बनाम स्टेट ऑफ यूपी व अन्य के प्रकरण की बीते दिनों सुनवाई की। एनजीटी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यूपी की किसी भी नदी, झील, तालाब, वेटलैंड के अलावा पीडब्ल्यूडी और राजस्व भूमि पर कचरा फेंकना दंडनीय अपराध होगा। कचरा

फेंकने वाले व्यक्ति पर पर्यावरणीय क्षति के तहत जुर्माना लगाया जाएगा। एनजीटी ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 30 जुलाई मुकर्रर की है। 9 जुलाई तक आदेश के अनुपालन में यूपीपीसीबी को आख्या दाखिल करनी है। क्षेत्रीय अधिकारी यूपीपीसीबी 7 जुलाई तक मुख्य पर्यावरण अधिकारी को अपनी आख्या भेजेंगे।

गलियों या जलाशय में कचरा फेंकने पर पहली बार 5000 रुपये जुर्माना लगेगा। दूसरी बार कूड़ा फेंकते पकड़े जाने पर 10-10 हजार रुपये जुर्माना लगेगा। जुर्माने की इस कार्रवाई के दायरे में खासकर वह लोग आएंगे, जो घर के बाहर सड़क या पार्कों में कूड़ा फेंकने के आदी हैं। घर का कचरा या मलबा बड़ी मात्रा में फेंकने वालों पर पर्यावरणीय क्षति की दर अलग तय की गई है। ऐसे लोगों पर पहली बार कचरा फेंकने पर 25000 रुपये की वसूली होगी। दूसरी या इससे अधिक बार कचरा फेंकते पाए जाने पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगेगा। जुर्माने की राशि जमा न करने पर राजस्व विभाग आरसी का नोटिस जारी करेगा। आरसी जारी होने पर भी जुर्माना न भरने पर विधिक कार्रवाई होगी। एनजीटी ने कहा है कि वसूली गई राशि का प्रयोग सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट में किया जाएगा। ताकि, पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सके। गंगा में कूड़ा फेंकने पर अभी नगर निगम 2500 रुपये तक जुर्माना लगाता है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के नेशनल एक्ट में 5000 रुपये जुर्माना का प्रावधान है। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अफसर व नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित सिंह गौर ने बताया कि नगर निगम सदन ने कूड़ा फेंकने पर 2500 की दर तय की थी। कूड़ा फेंकने पर कई लोगों से वसूली भी की जा चुकी है।

यूपीपीसीबी के आरओ अजीत कुमार सुमन ने कहा बताया कि सदस्य सचिव यूपीपीसीबी ने एनजीटी के आदेश के अनुपालन के निर्देश दिए हैं। अब गंगा ही नहीं गलियों में भी कूड़ा फेंकने पर 50 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जाएगा। पीसीबी के अलावा स्थानीय निकाय को भी कार्रवाई का अधिकार है।

कर्नाटक में सीएम बदलने पर रार तेज, शिवकुमार गुट बोला- 100 एमएलए साथ, हाईकमान ने भेजा दूत

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक में सीएम बदलने की मांग फिर से जोर पकड़ रही है और इस बार तो मामला दिल्ली दरबार तक जा पहुंचा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को ही इसका संकेत दिया था। इस बीच दिल्ली से आए प्रतिनिधि के तौर पर रणदीप सुरजेवाला ने कर्नाटक के कई विधायकों से मुलाकात की है। फिलहाल सोनिया और राहुल गांधी चाहते हैं कि विधायक शांत हो जाएं और खींचतान सार्वजनिक तौर पर न दिखे। वहीं डीके शिवकुमार के समर्थक अब आर-पार के मूड में दिख रहे हैं। कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत हुई थी। इस इलेक्शन के बाद चर्चा थी कि डीके शिवकुमार सीएम होंगे, लेकिन सिद्धारमैया को मौका मिला।

किसी ने खुलकर कुछ नहीं कहा था, लेकिन तब से ही डीके शिवकुमार के समर्थक दोहरा रहे हैं कि सिद्धारमैया को ढाई साल के लिए ही सीएम बनाया गया है। इसी के चलते अब वे बदलाव की मांग कर रहे हैं। इस बीच डीके शिवकुमार के करीबी विधायक इकबाल हुसैन ने बड़ा दावा किया है। हुसैन का कहना है कि करीब 100 कांग्रेस विधायक डीके शिवकुमार के साथ हैं और ये सभी लोग अब मुख्यमंत्री के तौर पर उन्हें देखना चाहते हैं। हम सभी की मांग है कि अब बदलाव हो जाए। यही नहीं उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शिवकुमार को सत्ता नहीं सौंपी गई तो फिर कांग्रेस 2028 में वापसी नहीं कर पाएगी।

शिवकुमार के करीबी ने कहा कि मैं इस बारे में दिल्ली से आए रणदीप सुरजेवाला से भी बात करूंगा। उन्होंने कहा कि यदि अभी बदलाव नहीं हुआ तो फिर देर हो जाएगी। पार्टी के हित में है कि शिवकुमार को अब सत्ता दी जाए। दरअसल मल्लिकार्जुन खरगे ने बढ़ते विवाद को लेकर सोमवार को कहा था कि इस बारे में कोई फैसला पार्टी हाईकमान ही ले सकता है। इस पर हुसैन ने कहा कि हमने तो हमेशया ही हाईकमान का सम्मान किया है। पार्टी में अनुशासन भी है। लेकिन हम हर बात हाईकमान को बताएंगे। कर्नाटक के बारे में सारे तथ्य उनके आगे रखेंगे। कर्नाटक में डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक ऐक्टिव हैं, लेकिन सीएम सिद्धारमैया सब नॉर्मल दिखाने की कोशिश में हैं। उन्होंने मीडिया के सवालों पर कहा कि सिद्धारमैया के साथ कोई मतभेद नहीं हैं।

नए नोएडा का जमीन अधिग्रहण सर्किल रेट लागू न होने से अटका

नोएडा एजेंसी।
गौतमबुद्ध नगर के नए सर्किल रेट दो महीने पहले तय हो चुके हैं, लेकिन उन्हें लागू करने का फैसला अब तक नहीं हो सका है। इसके चलते मुआवजे की दर तय नहीं पा रही है। इस कारण नए नोएडा के लिए जमीन अधिग्रहण की मुआवजा राशि भी प्रस्तावित नहीं हो सकी है। शासन ने औद्योगिक विकास को गति देने के लिए जनवरी 2021 में दादरी-नोएडा गाजियाबाद विशेष निवेश क्षेत्र (डीएनजीआईआर) यानी नए नोएडा की घोषणा की थी। शासन ने नए शहर के लिए अक्टूबर 2024 में अधिसूचना जारी की थी और इसके विकास का जिम्मा नोएडा प्राधिकरण को सौंपा था। नोएडा प्राधिकरण इसके लिए होने वाले जमीन अधिग्रहण के लिए एक हजार करोड़ का बजट भी स्वीकृत कर चुका है, लेकिन अब तक अधिग्रहण तो दूर मुआवजा की दर भी प्रस्तावित नहीं हैं। नए नोएडा में गौतमबुद्ध नगर के अलावा बुलंदशहर के भी गांव शामिल हैं। जमीन के मुआवजे की दर दोनों ही जिलों के प्राधिकरण और प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में तय होनी है। इसके लिए पिछले लंबे समय से किसानों से वार्ता भी चल रही है, लेकिन मुआवजा दर घोषित नहीं हो सकी है। मुआवजे की दरें क्या रखी जाएं, इसके लिए प्राधिकरण की समिति अध्ययन कर प्रस्ताव तैयार कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड से जो दरें तय होंगी, उन पर किसानों से जमीन ली जाएगी। इसके लिए नए सर्किल रेट लागू होने का भी इंतजार है। नया नोएडा 20 हजार 911.29 हेक्टेयर में बसाया जाएगा। नोएडा की घोषणा होने के बाद से ही बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण शुरू हो गया है। पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दादरी बाईपास के आसपास अवैध कॉलोनियों बसने के साथ वेयर हाउस भी बन गए हैं।

गुरुग्राम-सोहना हाईवे दो साल में पांचवीं बार धंसा

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम-सोहना हाईवे एक बार फिस से धंस गया। पिछले दो साल में यह पांचवीं बार धंसा है। इस बार सड़क में करीब चार मीटर चौड़ा गड्ढा होने की सूचना है। गनीमत रही कि धंसे हिस्से के ऊपर अभी सड़क का निर्माण नहीं हुआ था। गत 18 जून को भी गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर रहेजा मॉल के पास एक गड्ढा हो गया था।

इसकी सूचना मिलने पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा इस हाईवे की बैरिकेडिंग कर दी गई। जीएमडीए ने 19 जून से इस हाईवे के नीचे से निकल रही सीवर लाइन को दुरुस्त करने का काम शुरू किया। 27 जून को सीवर लाइन दुरुस्त किया गया। 28 जून को जीएमडीए ने एनएचएआई को सूचित किया कि सीवर लाइन की मरम्मत कर दी गई है। अभी हाईवे निर्माता कंपनी की तरफ से हाईवे के इस क्षतिग्रस्त हिस्से को दुरुस्त करने की योजना बनाई जा रही थी कि सोमवार शाम को इस हिस्से के दोबारा धंसने की सूचना सामने आ गई। इस बार सड़क के इस हिस्से में करीब चार मीटर चौड़ा गड्ढा हो गया। एनएचएआई ने जीएमडीए को इसकी जानकारी दे दी है। जीएमडीए ने सीआईपीपी (क्यूरड इन प्लेस पाइप) पद्धति से इस सीवर लाइन की मरम्मत करने की योजना बनाई थी। इसके तहत पिछले साल नवंबर माह में 19.31 करोड़ रुपये का टेंडर लगाया था। सीआईपीपी करने वाली कंपनियों के कम होने के कारण इस टेंडर के तहत दो कंपनियों ने आवेदन किया था। राकेश भारद्वाज, पदाधिकारी, हाईवे निर्माता कंपनी, जीएमडीए की क्षतिग्रस्त सीवर लाइन की वजह से कभी भी हादसा हो सकता है। दो दिन पहले जीएमडीए अधिकारियों ने सूचना दी थी कि क्षतिग्रस्त सीवर लाइन को दुरुस्त कर दिया है। अभी तो सड़क का निर्माण करना शुरू नहीं किया था तो हाईवे का बहुत बड़ा हिस्सा धंस गया। इसकी वजह से बड़ा हादसा हो सकता है। योगेश तिलक, परियोजना अधिकारी, एनएचएआई, पांचवीं बार गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर रहेजा मॉल के पास सीवर की लाइन क्षतिग्रस्त हुई है। जीएमडीए को सूचना दे दी है। उनसे आग्रह किया है कि सीवर लाइन को दुरुस्त करवाया जाए।

ओडिशा में नगर निगम के अधिकारी संग मारपीट मामले में ऐक्शन, तीन हमलावर गिरफ्तार

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा प्रशासनिक सेवा के सीनियर अधिकारी और भुवनेश्वर नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त रत्नाकर साहू के साथ सोमवार को कुछ बदमाशों ने मारपीट की। पुलिस ने यह जानकारी दी। साहू ने खारवेलनगर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। भुवनेश्वर के डीसीपी जगमोहन मीना ने बताया, अधिकारी ने खारवेल नगर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। हमने अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी ने कहा कि पुलिस ने अब तक जीवन राउत, रश्मि महापात्रा और देबाशीष प्रधान को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है। अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता का पता लगाया जा रहा है। ओएएस अधिकारी पर हमले के विरोध में बीजद समर्थकों ने मुख्य सड़क जनपथ को जाम कर दिया।

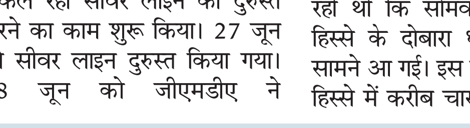

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर संकट!

पिछले कुछ समय से हमारे देश में ऐसी वारदातों को अंजाम देने का सिलसिला शुरू हुआ है जिसने लोकतंत्र की सार्थकता पर ही प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। अभिव्यक्ति की आजादी हर देशवासी का मौलिक अधिकार है, जिससे सामान्य तौर पर किसी भी देशवासी को वंचित नहीं किया जा सकता। संविधान के अनुच्छेद-19 के तहत यह अधिकार मिला हुआ है। यह अधिकार व्यापक राष्ट हित में कुछ उचित प्रतिबंधों के तहत है। हमारा संविधान इस अधिकार की रक्षा के लिए वचनबद्ध है। जब इसी अभिव्यक्ति की आजादी की कीमत व्यक्ति को विभिन्न तरीकों से प्रताड़ित होकर और कभी -कभी अपनी जान देकर चुकानी पड़े तो पूरी व्यवस्था कठघरे में आ जाती है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर वर्गीय दृष्टिकोण से विचार करना इसलिए आवश्यक हो जाता है कि हमारा पूरा समाज वर्ग विभाजित है। इसमें एक तरफ मुठ्ठी भर कुछ शोषक वर्ग हैं तो दूसरी तरफ बहुसंख्यक शोषित वर्ग। शिक्षा, संस्कृति, ज्ञान- विज्ञान, दर्शन, कला, साहित्य आदि क्षेत्रों में यह वर्ग विभाजन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पत्रकारिता भी साहित्य की एक विधा है। यह भी वर्ग विभाजन से कैसे मुक्त रह सकती है? आज का मीडिया जगत भी दो खेमों में बंटा हुआ है। एक खेमा वर्तमान सड़ी- गली, मृतप्राय पूंजीवादी व्यवस्था के संचालकों के पक्ष में और दूसरा इसके विरोध में खड़ा दिखाई दे रहा है। यह दूसरा खेमा, जो विरोध में खड़ा है, आज सर्वाधिक संकट उसी पर है। यह संकट उसके कलम की धार कुंद करने का संकट है। मतलब साफ है कि भूखे को भोजन, बेरोजगार को रोजगार, बच्चों के लिए निशुल्क धर्म निरपेक्ष और वैज्ञानिक शिक्षा, हर बीमार को बेहतर इलाज की गारंटी, महिलाओं की सुरक्षा, हत्या, लूट, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने जैसी कोई भी आवाज जनता या इस दूसरे खेमे वाली मीडिया (क्योंकि पहले खेमे की मीडिया इसे उठा ही नहीं सकती) उठाती है तो उसे बेरहमी से कुचल दिया जाता है। खोजने पर ऐसे काफी उदाहरण मिल जाएंगे। यदि हम पिछले कुछ सालों में देश के विभिन्न हिस्सों में पत्रकारों की हुई हत्या की घटनाओं पर सरसरी निगाह डालें तो स्थिति बड़ी भयावह लगती है। लगता है, जैसे व्यवस्था की विसंगतियों के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को कुचलने का एक मुहिम चल पड़ा हो। ताज़ा उदाहरण लोक गायिका नेहा सिंह राठौर का है। यह लोक गायिका स्वरचित लोक गीतों के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक विसंगतियों के खिलाफ लगातार अपनी आवाज बुलंद करती रही है। खबर है कि विभिन्न धाराओं के तहत उन पर अब तक 400 से ज्यादा मामले दर्ज कराए जा चुके हैं। इसका खुलासा करते हुए सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर नेहा सिंह राठौर ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा है --- कबीर मेरे गुरु हैं, मैं किसी सिकंदर लोदी से नहीं डरती और यह भी कि ये चार सौ एफआईआर मेरे लिए चार सौ मेडल हैं। नेहा भी तो बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बलात्कार, नैतिक और सांस्कृतिक पतन, लूट, हत्या, बढ़ती साम्प्रदायिक कटुता आदि के विरुद्ध अपने लोकगीतों के जरिए आवाज उठाती रही है। सवाल यह है कि आज नंगे को नंगा कहना गलत है क्या? क्या व्यवस्था से सताए हुए लोगों को अपनी व्यथा भी व्यक्त करने का अधिकार नहीं है? यह भी उस महान लोकतांत्रिक व्यवस्था में, जिसका डंका विदेशों में पीटा जा रहा हो !

संक्षिप्त समाचार

बोकारो में अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

भंडारीदह, एजेंसी। बोकारो में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। घटना जिले के भंडारीदह के चंद्रपुरा – फुसरो मुख्य मार्ग पर गणेश पेट्रोल पंप के पास की है। हादसे में तुरियो गांव के रहने वाले 42 वर्षीय महेंद्र महतो की दर्दनाक मौत हो गयी। हादसा इतना भयावह था कि महेंद्र ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, महेंद्र महतो अपने गांव से पैदल ही भंडारीदह की ओर मुख्य मार्ग जा रहा था। इस बीच एक अज्ञात वाहन ने पीछे से आकर उसे धक्का मार दिया, जिससे वह सड़क किनारे जा गिरा। धक्का इतना जोरदार था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। इधर, मामले की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गये। ग्रामीणों ने महेंद्र महतो की मौत के विरोध में चंद्रपुरा–फुसरो मुख्य मार्ग को जाम कर दिया है। ग्रामीण पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग पर अड़े हैं। हालांकि, चंद्रपुरा पुलिस घटनास्थल पहुंच कर ग्रामीणों से बात कर जाम हटाने का प्रयास कर रही है।

सरायकेला के गुंडिचा मंदिर में धूमधाम से मनायी गयी विपदतारिणी पूजा

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला में स्थित महाप्रभु जगन्नाथ के मौसीबाड़ी गुंडिचा मंदिर में मंगलवार को धूमधाम से विपदतारिणी पूजा की गयी। इस दिन हजारों की संख्या में सुहागिन महिलाएं स्नान कर नये कपड़े पहनकर मंदिर पहुंचीं। सुहागिनों में मां विपदतारिणी की पूजा–अर्चना की। महिलाओं ने माता को 13 प्रकार के फल–फूल और मिठाई अर्पित किए। इस दौरान विधि–व्यवस्था को नियंत्रित रखने के लिए प्रशासन और मेला कमेटी मुस्तैद रही। मालूम हो कि मां विपदतारणी को मां दुर्गा का ही एक रूप माना जाता है। माता की आराधना संकटों और विपदाओं से मुक्ति पाने के लिए की जाती है। इस व्रत को मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा अपने परिवार की सुरक्षा और कल्याण के लिए किया जाता है। इस व्रत में, भक्त देवी विपदतारिणी की पूजा करते हैं और उनसे अपने व अपने परिवार के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। विपदतारिणी पूजा को लेकर पुरोहित सानो आचार्य जी ने बताया कि यह पूजा परिवार से संकट दूर करने के लिए की जाती है। मां विपदतारणी को मां दुर्गा का एक रूप माना जाता है। इस अवसर पर गुंडिचा मंदिर में पुरोहित ब्रह्मानंद महापात्र सानो आचार्य एवं अन्य ने महिलाओं को विधि–विधान से पूजा कराई। मां विपदतारिणी की पूजा के बाद महिलाओं ने दूर्वा घास से रक्षा सूत्र बनाकर परिवार के सदस्यों के हाथों में बांधा। मान्यता है कि यह रक्षा सूत्र हर प्रकार की विपत्ति से इंसान को बचाता है। मालूम हो कि यह पूजा हर साल रथयात्रा के बाद मंगलवार को की जाती है।

साइबर ठगी का शिकार हुए विधायक शशिभूषण मेहता, 1।27 लाख रुपये का लगा चूना

रांची, एजेंसी। झारखंड में बीते कुछ दिनों से साइबर ठगी के कई मामले सामने आ रहे हैं। लोगों को लालच देकर अलग–अलग तरीकों से अपने झांसे में फंसाया जा रहा है। अब तो साइबर ठगों की हिम्मत इतनी बढ़ गयी है कि उन्होंने विधायक तक को अपने झांसे में ले लिया। पांकी विधायक शशिभूषण मेहता को अपने जाल में फंसा कर साइबर ठगों ने उन्हें 1।27 लाख रुपये का चूना लगा दिया। विधायक ने मामले को लेकर साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। विधायक ने आवेदन में बताया कि बीते गुरुवार की सुबह करीब 9 बजे उन्हें रितेश कुमार नामक एक व्यक्ति ने कॉल किया। उसने खुद को जीएसटी कस्टम अधिकारी बताया और कहा कि पश्चिम बंगाल के मालदा में जीएसटी कस्टम विभाग द्वारा जब्त गाड़ियों की नीलामी की जा रही है। इसके बाद उसने विधायक के व्हाट्सऐप पर गाड़ियों की तस्वीर भेजी और बताया कि फॉर्च्यूनर गाड़ी की कीमत 12।70 लाख रुपये है। नीलामी की गाड़ी खरीदने में विधायक ने दिलचस्पी दिखायी, तो युवक ने कहा कि नीलामी में भाग लेने के लिए उन्हें गाड़ी की कुल कीमत का 10 प्रतिशत पहले भुगतान करना होगा। इसके बाद आरोपी रितेश कुमार ने उन्हें अनूप नामक व्यक्ति का नंबर दिया और कहा कि राशि का भुगतान उसके नंबर पर कर दें। अनूप से संपर्क करने पर उसने आकाश सिन्हा का बैंक खाता संख्या दिया गया और कहा कि राशि इस अकाउंट में डाल दें।

प्रदेश में भारी बारिश के आसार: प्रदेश में 3 जुलाई तक रेड और यलो अलर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड में मानसून इस बार पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के रांची केंद्र ने 30 जून को जानकारी दी कि आज भी झारखंड के कई जिलों में तेज बारिश और वज्रपात की संभावना है। खासकर दक्षिणी जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। रांची, हजारीबाग, लोहरदगा और खूंटी जैसे जिलों में भी बारिश जारी है। मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा निम्न दबाव : रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के पास एक निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जो धीरे-धीरे झारखंड की ओर बढ़ेगा। इसके चलते राज्य में मॉनसून की सक्रियता के साथ-साथ निम्न दबाव का असर भी देखने को मिलेगा। खासकर दक्षिणी जिलों में इसका प्रभाव अधिक रहेगा। इसी कारण रांची, सरायकेला, सिमडेगा, गुमला, खूंटी, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम में 3 जुलाई तक रेड अलर्ट जारी किया गया है।

तेज हवा और वज्रपात का खतरा : मौसम विभाग ने कहा है कि इन जिलों में औसतन 300 मिमी से अधिक बारिश हो सकती है और हवा की गति 50-60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। साथ ही वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। विभाग ने लोगों को घर से बाहर नहीं निकलने, खुले मैदान में न जाने, मवेशियों को चराने और तेज बारिश के दौरान वाहन नहीं चलाने की सलाह दी है।

वहीं, रांची, हजारीबाग, लोहरदगा, लातेहार, बोकारो, धनबाद और पलामू जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। यहां पर भी भारी बारिश की संभावना है। हवा की गति 30 से 40 किमी प्रति घंटा हो सकती है। इन क्षेत्रों में भी वज्रपात का खतरा बना हुआ है। यह स्थिति 3 जुलाई तक बनी रह सकती है।

बरसात ने तोड़ा रिकॉर्ड, सामान्य से 80फीसदी ज्यादा बारिश : इस बार मानसून झारखंड में रिकॉर्ड तोड़ बारिश लेकर आया है। 28 जून तक राज्य में औसतन 306.5 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्य आंकड़ा 170.3 मिमी होता है। यानी सामान्य से 80 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। रांची में अब तक सबसे अधिक 500 मिमी बारिश हो चुकी है। वहीं, लातेहार, रामगढ़, लोहरदगा में 400 मिमी, जबकि पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी, गुमला और धनबाद में 300 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई है।

प्रदेश में भारी बारिश से कई जिलों में जनजीवन प्रभावित, मंत्री इरफान के आदेश पर विधायकों और मंत्रियों में मची खलबली

रांची, एजेंसी। झारखंड में लगातार हो रही भारी बारिश ने कई जिलों में जन-जीवन को प्रभावित कर दिया है। स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने सभी मंत्रियों और विधायकों से इस गंभीर स्थिति पर त्वरित कार्रवाई के लिए राहत कार्य में सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया है।

उन्होंने सभी विधायकों और मंत्रियों को पत्र लिखकर कहा है कि वे अपने क्षेत्रों में भारी बारिश से हुई क्षति का शीघ्र आकलन करें। संपत्ति की क्षति का त्वरित सर्वेक्षण कर रिपोर्ट आपदा प्रबंधन विभाग को भेजें, ताकि प्रभावित परिवारों को तत्काल मुआवजा मिल सके। उन्होंने जिला उपायुक्तों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आपात बैठक करने का भी आग्रह किया।

मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। आपदा की इस घड़ी में जनप्रतिनिधियों की सक्रियता से जनता का विश्वास मजबूत होगा। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सरकार राहत शिविर, खाद्यान्न वितरण और चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था करने में जुटी है। मंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों से राहत और पुनर्वास कार्य में पूरी निष्ठा से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रभावित नागरिकों को त्वरित राहत पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। प्रशासन को राहत कार्य में तेजी लाने तथा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव मदद पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। आपदा की इस घड़ी में जनप्रतिनिधियों की सक्रियता से जनता का विश्वास मजबूत होगा। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सरकार राहत शिविर, खाद्यान्न वितरण और चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था करने में जुटी है। मंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों से राहत और पुनर्वास कार्य में पूरी निष्ठा से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रभावित नागरिकों को त्वरित राहत पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। प्रशासन को राहत कार्य में तेजी लाने तथा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

आईएएस पूजा सिंघल और उनके पति नहीं जा पाएंगे अमेरिका, कोर्ट ने खारिज की याचिका

रांची, एजेंसी। ईडी कोर्ट से मनी लॉन्ड्रिंग करने की आरोपित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल और उनके पति अभिषेक झा को राहत नहीं मिली है।

दोनों की ओर से पासपोर्ट रिलीज करने की मांग वाली याचिकाओं को ईडी कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ईडी के विशेष न्यायाधीश एसएन तिवारी की अदालत ने शनिवार को उनकी याचिकाओं पर सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था।

सोमवार को कोर्ट ने अपना आदेश सुनाया। दोनों को अपनी बेटी का नामांकन अमेरिका में कराना है। उनका पासपोर्ट अदालत में जमा है।

दोनों ने पासपोर्ट रिलीज करने की गुहार लगाते हुए आठ मई को अलग-अलग याचिका दाखिल की थी। जानकारी के अनुसार अगस्त महीने में बेटी के नामांकन के लिए उन्हें अमेरिका जाना है।

लेकिन अदालत ने उनके पासपोर्ट को रिलीज नहीं किया है। बता दें कि पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी साक्ष्य प्रस्तुत कर रहा है, जबकि अभिषेक झा पर आरोप गठित किया जाना है।

दोनों ने पासपोर्ट रिलीज करने की गुहार लगाते हुए आठ मई को अलग-अलग याचिका दाखिल की थी। जानकारी के अनुसार अगस्त महीने में बेटी के नामांकन के लिए उन्हें अमेरिका जाना है।लेकिन अदालत ने उनके पासपोर्ट को रिलीज नहीं किया है। बता दें कि पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी साक्ष्य प्रस्तुत कर रहा है, जबकि अभिषेक झा पर आरोप गठित किया जाना है।

बहरागोड़ा में गैस टैंकर से रिसाव, एनएच-49 बंद: मथुरा से पारादीप जा रही थी टैंकर

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड-ओडिशा सीमा पर स्थित बहरागोड़ा में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एनएच-49 पर खड़े एक गैस टैंकर से अचानक गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस लीक की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और इलाके को खाली कराते हुए बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। घटनास्थल के चारों ओर ह॥ पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। एहतियातन ओडिशा और झारखंड को जोड़ने वाले इस रास्ते को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

300 मीटर दूर था रिलायंस पंप, ओवरब्रिज के नीचे हुआ हादसा : जानकारी के मुताबिक, गैस टैंकर मथुरा से आ रहा था। उसे पारादीप जाना था। बहरागोड़ा के कालियाडिंगा ओवरब्रिज के नीचे एक दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में टैंकर को नुकसान पहुंचा, जिससे गैस का रिसाव शुरू हो गया। टैंकर रिलायंस पेट्रोल पंप से करीब 300 मीटर की दूरी पर खड़ा था। सुबह होते ही गैस की तेज गंध से लोग सतर्क हुए और पुलिस को सूचना दी गई।

फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक टीम मौके पर : गैस रिसाव की सूचना मिलते ही बहरागोड़ा थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, अंचल अधिकारी राजाराम सिंह मुंडा और प्रखंड विकास पदाधिकारी केशव भारती मौके पर पहुंचे। बचाव कार्य में फायर ब्रिगेड की टीम को भी लगाया गया है। रिसाव कितनी मात्रा में हो रहा है और यह गैस कितनी खतरनाक है, इसका आकलन करने के लिए ओडिशा के बालेश्वर से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि गैस जहरीली है या नहीं।

वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद : सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने एनएच-49 पर वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह रोक दिया है। ट्रैफिक को वैकल्पिक रास्तों पर डायवर्ट किया जा रहा है। वहीं, घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर के दायरे को खाली कराया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। अधिकारी लगातार मौके पर कैंप कर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। गैस के रिसाव को रोकने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें।

स्थानीय लोग दहशत में : घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। लोग अपने घरों में बंद हो गए हैं और स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन ने कहा है कि स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण रखा जा रहा है। जल्द ही गैस रिसाव को रोकने के उपाय किए जाएंगे।

गिरिडीह में रेलिंग तोड़ 40 फीट नीचे गिरा ट्रेलर: बराकर नदी पुल पर हादसा

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले में सोमवार की देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। बराकर नदी पुल पर एक पाइप लदा भारी मालवाहक ट्रेलर रेलिंग तोड़ते हुए करीब 40 फीट नीचे नदी में जा गिरा। हादसे के समय रात के करीब दो बज रहे थे। ट्रेलर का टायर अचानक फिसल गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गया। ट्रेलर में सवार चालक अकील नवाज खान किसी तरह खुद को बाहर निकालने में सफल रहा। वह वाहन के टायर का सहारा लेकर खुद को बहाव से बचाए रखा।

मदद की आस में चार घंटे करता रहा इंतजार : अंधेरे में हादसे के बाद चालक मदद के लिए जोर-जोर से आवाज लगाता रहा। इसी बीच नदी के दूसरी ओर से किसी स्थानीय व्यक्ति ने टॉर्च जलाकर संकेत दिया, जिसके जवाब में चालक ने भी अपनी टॉर्च जलाकर अपनी उपस्थिति जताई। यह दृश्य काफी देर तक चलता रहा, जिससे लोगों को अंदाजा हो गया कि नदी में कोई फंसा है और मदद की जरूरत है।

घटना की जानकारी सबसे पहले मछुआरों ने 100 डायल कर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। नदी में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने [illegible] को भी अलर्ट कर दिया। लेकिन स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू कर दिया।

स्थानीय युवकों ने ड्राइवर की बचाई जान : पानी के बीच फंसे ड्राइवर की जान स्थानीय युवकों, जितेंद्र कुमार राय, आशीष कुमार राय, अरबाज सहित पांच तैराकों ने बचाई। इन युवकों ने रस्सी के सहारे चालक तक पहुंचने की योजना बनाई। ट्रेलर में फंसे चालक को धीरे-धीरे रस्सी से बांधा गया और करीब चार घंटे की लंबी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। चालक के बाहर आते ही स्थानीय लोगों और पुलिस ने राहत की सांस ली। ट्रेलर का टायर फिसलने से हुआ हादसा मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने बताया कि यह हादसा वाहन का टायर फिसलने से हुआ। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं की बहादुरी और तत्परता के कारण एक बड़ी जानमाल की क्षति टल गई। फिलहाल ट्रेलर को नदी से निकालने की तैयारी चल रही है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मालगाड़ी में धुआं उठने से मची अफरातफरी: कोडरमा के गझंडी रेलवे स्टेशन का मामला

ट्रैकमैनों की सतर्कता से टली बड़ी दुर्घटना

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के गझंडी रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी में अचानक धुआं उठने से हड़कंप मच गया। धनबाद-गया रेलखंड पर स्थित इस स्टेशन पर जब घटना हुई, उस समय मालगाड़ी लूप लाइन पर खड़ी थी। मालगाड़ी बाढ़-पटना एनटीपीसी साइडिंग की ओर जा रही थी। धुआं उठता देख स्टेशन पर कार्यरत ट्रैकमैन गिरजेश कुमार और अजीत कुमार ने तत्परता दिखाते हुए इसकी सूचना स्टेशन अधीक्षक को दी।

एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

स्टेशन अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही उन्होंने धनबाद नियंत्रण कक्ष और कोडरमा अग्निशमन विभाग को इसकी जानकारी दी। कुछ ही समय में दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और पूरी सतर्कता से कार्रवाई शुरू की। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई।

बोगियों की जांच के बाद सामान्य स्थिति

आग बुझाने के बाद रेलवे कर्मियों ने सभी बोगियों की गहन जांच की। स्थिति सामान्य पाए जाने के बाद देर शाम मालगाड़ी को उसके लोकेशन के लिए रवाना कर दिया गया। स्टेशन अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। हालांकि, यह आशंका जताई जा रही है कि डिपो में कोयला लोड करते समय कुछ कोयला गर्म रह गया होगा, और ट्रेन चलने पर हवा लगने से उससे धुआं उठना शुरू हो गया। इसी कारण 20वीं बोगी से धुआं निकलता देखा गया।

जेपीएससी की 11वीं-13वीं सिविल सेवा परीक्षा की होगी जांच

रांची, एजेंसी। झारखंड की 11वीं, 12वीं और 13वीं सिविल सेवा परीक्षा में अनियमितता की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने जांच का निर्देश दिया है। इस संबंध में राजभवन के अवर सचिव ने झारखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष को पत्र भेजकर मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है।

रघुवर दास और अन्य ने की शिकायत : पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हाल ही में राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की थी। उन्होंने परीक्षा में गंभीर अनियमितताओं की शिकायत करते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। इसी तरह अभ्यर्थियों की ओर से प्रेम कुमार समेत कई लोगों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए थे।

ज्ञापन में यह आरोप लगाया गया है कि परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन डिजिटल माध्यम से किया गया, जबकि आयोग द्वारा निर्धारित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर में परीक्षार्थियों को उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने का प्रावधान है। डिजिटल मूल्यांकन में यह प्रक्रिया संभव नहीं हो पाई, जिससे अभ्यर्थियों को उत्तर पुस्तिकाओं की जांच का अवसर नहीं मिला।

अनुभवहीन शिक्षकों से कराया मूल्यांकन : अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया है कि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन अनुबंध आधारित और अयोग्य शिक्षकों से कराया गया। नियमानुसार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन केवल ऐसे शिक्षकों से कराना चाहिए, जिनके पास विश्वविद्यालय स्तर पर 10 वर्षों का अनुभव या स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ाने का कम से कम 5 वर्षों का अनुभव हो। लेकिन आयोग ने इस नियम की अनदेखी करते हुए अनुबंध शिक्षकों से मूल्यांकन कार्य कराया।

थर्ड पार्टी एजेंसी की भूमिका संदिग्ध : ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि परीक्षा प्रक्रिया में थर्ड पार्टी एजेंसी को शामिल किया गया, जिससे परीक्षा की गोपनीयता भंग हुई। इस एजेंसी का चयन टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से नहीं हुआ, जो सरकारी प्रक्रिया के उल्लंघन के अंतर्गत आता है।

पैसे मांगने वाले फोन कॉल्स की भी शिकायत : अभ्यर्थियों ने यह भी आरोप लगाया है कि अगस्त-सितंबर 2024 में सैकड़ों उम्मीदवारों को फोन कॉल आए, जिनमें कॉल करने वालों ने अंकों में बढ़ोतरी के लिए पैसे की मांग की। कॉल करने वालों के पास अभ्यर्थियों की गोपनीय जानकारी जैसे रोल नंबर, आधार संख्या, शैक्षणिक अंकों की जानकारी और परीक्षा केंद्र तक की जानकारी मौजूद थी। इस संबंध में रांची के निरसा थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है।

ज्ञापन में बताया गया कि परीक्षा परिणाम में त्रुटियां थीं, जिसके कारण कई सदस्यों ने परिणाम पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इसके अतिरिक्त मुख्य परीक्षा के एक सप्ताह पहले आयोग द्वारा आवेदन पोर्टल दोबारा खोलने से भी अभ्यर्थियों के बीच संदेह उत्पन्न हुआ।

अंतिम चरण में नियुक्ति प्रक्रिया : 11वीं, 12वीं और 13वीं सिविल सेवा परीक्षा को एक साथ आयोजित किया गया है। कुल 342 पदों के लिए परीक्षा प्रक्रिया 27 जनवरी 2024 से चल रही है। 10 जून से 23 जून 2025 तक इंटरव्यू आयोजित किए गए, जिसमें 864 में से लगभग 860 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। उनका मेडिकल परीक्षण भी पूरा हो गया है। अब केवल अंतिम परिणाम की घोषणा करना बाकी है।

मणिकांत लिखित कालीमणि पुस्तक का किया गया लोकार्पण

दरभंगा, स्वराज खबर। साहित्यकार एवं भारत निर्वाचन आयोग के दरभंगा जिला स्वीप आइकॉन मणिकांत झा द्वारा मणि शृंखला अंतर्गत मैथिली में रचित %कालीमणि% का लोकार्पण सोमवार को एक होटल के सभागार में किया गया। महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान द्वारा प्रकाशित भक्ति रस पर केन्द्रित गीत संग्रह का लोकार्पण विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव डा बैद्यनाथ चौधरी बैजू, वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ ओमप्रकाश, भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत अधिकारी विवेकानंद झा, साहित्य अकादमी के पूर्व मैथिली प्रतिनिधि प्रो प्रेम मोहन मिश्र, संस्कृत शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा बेदानंद मिश्र, चिकित्सक एवं संगीतज्ञ डा एडीएन सिंह, पत्रकार विष्णु कुमार झा आदि ने साथ मिलकर किया।

लोकार्पण समारोह में डा बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने कहा कि मिथिला के जन जीवन में भक्ति रस की सदैव से प्रधानता रही है। देखा जाय तो विद्यापति के समय में भी अन्य रस की तुलना में भक्ति रस पर केंद्रित सृजन का महत्व अधिक था। इसलिए मणिकांत झा ने जिस प्रकार से मणि शृंखला के अंतर्गत भक्ति भाव से सजे अनेक कविता संग्रह के बाद कालीमणि में भगवती की आराधना के विभिन्न भावों को रेखांकित किया है, यह मैथिली साहित्य क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर प्रो प्रेम मोहन मिश्र, डा ओमप्रकाश, डा वेदानंद मिश्र, डा एडीएन सिंह, विवेकानन्द झा, विष्णु कुमार झा ने सम्बोधित किया।

प्रवीण कुमार झा के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में कलाकार डा सुषमा झा, केदारनाथ कुमर, दीपक कुमार झा, जानकी ठाकुर के साथ वीणा झा ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। अतिथियों का स्वागत टटुआर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रो जीवकांत मिश्र ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मणिकांत झा ने किया।

पुनौराधाम में मां जानकी का मंदिर मिथिला के गौरव का प्रतीक बनेगा: संजय सरावगी

- **राजस्व मंत्री बोले, मेरा सौभाग्य है कि मैं इस ऐतिहासिक निर्णय का हिस्सा बना**
- **882 करोड 87 लाख रुपये की लागत से बनेगा मां जानकी का मंदिर**

दरभंगा, स्वराज खबर। अब वह दिन दूर नहीं जब मिथिला की पुण्य भूमि पुनौरा धाम में जगत जननी मां जानकी का भव्य और दिव्य मंदिर बनकर तैयार होगा। मंगलवार को यह जानकारी बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने दी। उन्होंने बताया कि मां जानकी की जन्मस्थली पुनौरा धाम में अयोध्या के श्री राम मंदिर की तर्ज पर भव्य मंदिर निर्माण हेतु बिहार कैबिनेट ने 882 करोड 87 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। एनडीए सरकार के नेतृत्व में मिथिला आज धन्य हो गया है।

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री श्री सरावगी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मैं इस ऐतिहासिक निर्णय का हिस्सा बना। पुनौरा धाम में मां जानकी मंदिर का निर्माण सिर्फ एक धार्मिक संरचना नहीं, बल्कि संपूर्ण मिथिला वासियों की भावनाओं और आस्था का साकार रूप लेगा। जैसे अयोध्या में श्रीराम मंदिर देश की आस्था और आत्मगौरव का प्रतीक बना है, ठीक उसी प्रकार मां जानकी का यह भव्य मंदिर मिथिला की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मां जानकी की जन्मस्थली पुनौरा धाम अंतरराष्ट्रीय स्तर का सांस्कृतिक और धार्मिक तीर्थ क्षेत्र के रूप में विकसित होगा। जहां विश्व भर से श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचेंगे। जैसे श्रद्धालु अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन हेतु जाते हैं, वैसे ही अब पुनौरा धाम में मां जानकी मंदिर में भी दर्शन के लिए अवश्य आएंगे। राम-जानकी एक हैं- पुनौरा धाम का यह मंदिर उस दिव्य एकता और हमारी सनातन श्रद्धा का प्रतीक बनेगा। उन्हांने कहा कि एनडीए सरकार का यह निर्णय मिथिला की ऐतिहासिक गरिमा और सांस्कृतिक अस्मिता को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक युगांतकारी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या के विकास की कार्य योजना तैयार करने में शामिल नोएडा की प्रतिष्ठित डिजाइन कंसल्टेंसी से ही माँ जानकी मंदिर और उसके साथ बनने वाली संरचनाओं का डिजाइन तैयार कराया गया है। मंदिर परिसर में श्रीराम मंदिर के तर्ज पर ही भव्य रूप में सांस्कृतिक एवं सुविधाजनक संरचनाएं विकसित की जाएगी। राजस्व मंत्री ने कहा कि एनडीए सरकार मिथिला की सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप पुनौरा धाम में माता जानकी के मंदिर का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के लिए कृत संकल्पित है। मेरा सौभाग्य है कि मैं इस निर्णय का हिस्सा बना। यह संपूर्ण मिथिला सहित बिहार वासियों के लिए गर्व और हर्ष का क्षण है।

अकाशा कंपनी की मुंबई के लिए उड़ान सेवा को सांसद ने केक काटकर की शुरुआत

दरभंगा, स्वराज खबर। उड़ान सेवा के क्षेत्र में दरभंगा एयरपोर्ट नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। एक तरफ जहां राजस्व के मामले में इस एयरपोर्ट ने एक इतिहास का निर्माण किया है वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार तथा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में इस एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाने की सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं जो आने वाले समय में दरभंगा एयरपोर्ट की महत्ता को देश स्तर पर स्थापित करेगा।

दरभंगा के सांसद तथा दरभंगा एयरपोर्ट सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ गोपाल जी ठाकुर ने अकाशा कंपनी की दरभंगा एयरपोर्ट से मुंबई की उड़ान सेवा की शुरुआत करने के बाद उपरोक्त बातें कही। एयरपोर्ट के डायरेक्टर, अकाशा कंपनी के प्रबंधक तथा अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में अकाशा कंपनी के द्वारा मुंबई की उड़ान सेवा का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया तथा केक काटकर कम्पनी की सफलता के लिए शुभकामना दी।

सांसद डा ठाकुर ने इस मौके पर कम्पनी की मुंबई के लिए उड़ान सेवा के यात्री को बोर्डिंग पास देकर रवाना किया। एयरपोर्ट अधिकारी तथा अकाशा कंपनी के प्रबंधक के द्वारा सांसद डा ठाकुर को मखान माला तथा पाग अंगवस्त्र से सम्मानित भी किया गया।

इस मौके पर दरभंगा एयरपोर्ट के डायरेक्टर नदीम नजीम अकाशा कंपनी के मैनेजर रवि शुक्ला, इंडिगो कंपनी के मैनेजर पायल प्रिया, सुरक्षा अधिकारी अभिनव झा के साथ- साथ भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य उदयशंकर चौधरी, पारसनाथ चौधरी, कृष्ण भगवान झा सहित कई अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

एसयूसीआई ने रेल किराया में वृद्धि का किया विरोध

मुजफ्फरपुर, स्वराज खबर। एसयूसीआई (सी) के महासचिव प्रभास घोष ने रेल किराए में वृद्धि का पुरजोर विरोध किया। उन्होंने जारी अपने एक बयान में कहा है कि, संसद को दरकिनार करके प्रशासनिक आदेश के माध्यम से रेलवे यात्री किराये में आज से की गयी अत्यंत अन्यायपूर्ण वृद्धि का हम पुरजोर विरोध करते हैं। जबकि सुरक्षा उपायों, यात्री सुविधाओं, समय की पाबंदी, रेकों की स्थिति, पैसेंजर ट्रेनों को एक्सप्रेस ट्रेनों के रूप में पुनः ब्रांडिंग करके टिकट की कीमतों में चालाकी से वृद्धि, जनरल डिब्बों में क्रमिक कमी, रेकों के रखरखाव, शौचालय की उचित सफाई और ट्रेन यात्रा के दौरान पानी की उपलब्धता के साथ स्पष्ट समझौता किया गया है। इसके अलावा, रेलवे ट्रैक के उचित रखरखाव की अनदेखी, सुरक्षा जांच, खानपान आदि जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं को अन्यत्र सौंपने, रेलवे परिचालन में व्याप्त भ्रष्टाचार तथा कर्मचारियों की निरंतर कटौती के कारण दुर्घटनाओं में यात्रियों की मृत्यु होना आम बात हो गयी है। रेल यात्रियों को बुनियादी सेवा और सुरक्षा से वंचित रखना और समय-समय पर किराये में वृद्धि, चाहे वह खुलेआम हो या छिपे तौर पर, यह दर्शाता है कि भाजपा शासन में यात्री किस तरह से परेशान हैं। रेलवे के निजीकरण की प्रक्रिया जोरों पर है, ऐसे में किराये में वृद्धि का बोझ और बढ़ने वाला है। इस तरह के हमलों को विफल करने के लिए उन्होंने यात्रियों के साथ-साथ आम लोगों के अन्य वर्गों से आह्वान किया है कि वे तत्काल एकजुट होकर एक ताकतवर प्रतिरोध आंदोलन का निर्माण करें।

पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण आवश्यक: प्रो मुश्ताक अहमद

दरभंगा, स्वराज खबर। वायु प्रदूषण आधुनिक युग में मानव समाज के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। क्योंकि विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों ने मनुष्य को विभिन्न बीमारियों से ग्रसित कर दिया है तथा मौसम में अप्रत्याशित परिवर्तनों से हमें विभिन्न आपदाओं का सामना करना पड़ता है और इसका एकमात्र कारण पर्यावरण का असंतुलन है। ये विचार सी एम महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो मुश्ताक अहमद ने व्यक्त किए। विदित हो कि प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई से 7 जुलाई तक वन महोत्सव के अंतर्गत आता है। इसी संबंध में शिक्षण संस्थानों में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है। आज महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। प्रो अहमद ने बताया कि इस पूरे सप्ताह महाविद्यालय परिसर एवं उसके आसपास महाविद्यालय की एनएसएस एवं एनसीसी इकाइयों द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा इस अवसर पर बोलते हुए डॉ मयंक श्रीवास्तव, डॉ शशांक शुक्ला एवं डॉ अभिमन्यु कुमार ने कहा कि जब तक पर्यावरण संतुलन ठीक नहीं हो जाता, तब तक ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बनी रहेगी, इसलिए अधिक से अधिक पौधारोपण को बढ़ावा देना आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुमेधा श्रीवास्तव, अंशु प्रिया, मनोहर मिश्रा, ताइबा फातिमा, दिव्यानी तथा पप्पू कुमार उपस्थित रहें और अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

बाबा नागार्जुन ने समाज के कुरीतियों पर जमकर प्रहार किया: प्रो विनय चौधरी

बेनीपुर,दरभंगा संवाददाता। अनुमंडल से 15 किलोमीटर उत्तर पश्चिम दिशा में तरौनी गांव स्थित वैद्यनाथ मिश्र यात्री नागार्जुन के पुस्तकालय पर बाबा की 115वीं जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धा पूर्वक सोमवार को मनाई गई। सुबह में स्कूली बच्चों ने गांव में प्रभात फेरी निकाल कर बाबा नागार्जुन अमर रहे की नारा लगाया। इसके बाद पुस्तकालय परिसर में लगे बाबा नागार्जुन की प्रतिमा पर बेनीपुर विधायक प्रो विनय कुमार चौधरी, एसडीएम मनीष कुमार झा, प्रखंड प्रमुख चौधरी मुकुंद कुमार राय, बीडीओ प्रवीण कुमार, सीओ अश्विनी कुमार, मुखिया श्याम सुन्दर साहू, कला एवं संस्कृति जिला अधिकारी चंदन कुमार आदि ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रो.विनय कुमार चौधरी ने कहा कि बाबा नागार्जुन की सेवा करने का मौका मुझे मिला था। उन्होंने अनेक अद्भुत रचना से समाज के बीच उत्पन्न कुरीतियों पर जमकर प्रहार किया है। मेरे लिये सौभाग्य की बात है की आज राजकीय समारोह में उनके जयंती मनाने का मौका मुझे मिला।

इस अवसर पर एसडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णानंद सदा, प्रखंड प्रमुख, बीडीओ प्रवीण कुमार, सीओ अश्विनी कुमार, महिला आयोग के अध्यक्ष अप्सरा मिश्र, तरौनी मुखिया श्याम सुंदर साहू, संतोष मिश्र, अशोक पाठक स्नेही, फणींद्र मिश्र, भोगेंद्र यादव, अनिल यादव, वाणेश्वरी न्यास समिति के सचिव संजीव झा, डॉ बचनेश्वर झा, संतोष साहु आदि ने संबोधित किया। मंच संचालन राम बुलावन यादव ने किया।

सोलर प्लांट से जगमग करेगा गया जंक्शन का भवन और प्लेटफॉर्म

गया, एजेंसी। गया जंक्शन बिजली की जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनेगा। यहां करीब दो हजार किलो वाट क्षमता का सोलर पैनल लगाया जाएगा। विभागीय स्तर पर इसकी तैयारी की जा रही है। रेलवे ने गया जंक्शन पर सौर ऊर्जा प्लांट लगाने की अनुमति दी है। सौर ऊर्जा प्लांट लगने से गया जंक्शन बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। बची हुई बिजली को रेलवे बेच भी सकेगा। बिजली खपत को कम करने के लिए स्टेशन पर पूरी तरह एलईडी लाइट लगाने की योजना है। एलईडी लाइट लगाने का कार्य जारी है। भारत अमृत स्टेशन योजना के तहत गया जंक्शन को विश्व स्तरीय स्टेशन का स्वरूप दिया जा रहा है। यात्री सुविधा से संबंधित सभी व्यवस्था को नया रूप दिया जा रहा है। पांच फ्लोर का भव्य व सुंदर पिलग्रिज्म भवन सहित कॉन्कोर्स का भी निर्माण किया जा रहा है। यात्रियों को स्टेशन पर रोशनी की सही सुविधा पहुंचाने के लिए अक्टूबर महीने से सोलर प्लांट लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। रेल निर्माण से जुड़े अधिकारी ने बताया कि रेल अधिकारियों ने बताया कि गया जंक्शन पर सोलर पावर प्लांट लगाने का काम जल्द चालू हो जाएगा। सोलर प्लेट लगाने के लिए स्थल का चयन हो रहा है। संबंधित विभाग के आधिकारिक टीम ने स्थल का निरीक्षण किया। सौर ऊर्जा के लिए सोलर प्लेट्स को सभी प्लेटफार्मो, स्टेशन भवन पर लगाया जाएगा। इन छतों पर सूर्य की सीधी रोशनी पड़ती है। इसी को देखते हुए सोलर प्लेट लगाने लिए इन जगहों का चयन किया जा रहा है। बताया गया कि भारतीय रेलवे का हरित ऊर्जा की ओर कदम तेजी से बढ़ने लगा है। भारतीय रेलवे स्टेशनों और सेवा भवनों में सोलर पावर प्लांट लगाकर हरित ऊर्जा की ओर एक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

डॉ ज़ाकिर हुसैन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज का कुलपति ने किया औचक निरीक्षण

दरभंगा, स्वराज खबर। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय अंतर्गत संचालित डॉ ज़ाकिर हुसैन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, लहेरियासराय का मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार चौधरी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण शैक्षणिक अनुशासन, प्रशासनिक पारदर्शिता और संस्थान की कार्यप्रणाली की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की कड़ी में महत्त्वपूर्ण पहल रही। निरीक्षण में संस्थान के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शत- प्रतिशत उपस्थित पाया गया। कुलपति ने विभिन्न लेखाओं और प्रशासनिक अभिलेखों का गहन निरीक्षण करते हुए उपस्थित टीचिंग फैकल्टी से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रम की प्रगति और छात्रों की भागीदारी के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्य प्रो एम हसन और कॉलेज सचिव डॉ शरीक हुसैन से वेतन वितरण, लंबित भुगतान और वित्तीय प्रक्रियाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी लेते हुए संचिकाओं के त्वरित निपटान, नियम- परिनियम के अनुसार कार्य निष्पादन और महाविद्यालय में अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए।

7 महीने की गर्भवती महिला से तांत्रिक ने किया रेप, हालत बिगड़ी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में एक तांत्रिक की करतूत सुनकर आप चौंक जाएंगे। इस तांत्रिक ने झांसा देकर एक शख्स की गर्भवती पत्नी से बार-बार रेप किया। दुष्कर्म की वजह से महिला की हालत बिगड़ गई। मुजफ्फरपुर जिले में सिवाईपट्टी थाना के एक गांव में झाड़-फूंक के बहाने गर्भवती से ओझा (तांत्रिक) ने दुष्कर्म किया। 7 महीने की गर्भवती महिला को तीन अलग-अलग दिन बुलाकर ओझा ने दुष्कर्म किया। मेडिकल ओपी प्रभारी सरवरी खातून ने बताया कि पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया गया है। उसने ओझा शंकर साह को आरोपित किया है। पीड़िता का कहना है कि उसके साथ गर्भावस्था की परेशानियां थी। गांव वालों ने कहा कि किसी ओझा से दिखाना होगा। तब उसके पति ने ओझा से बात की। ओझा ने कहा पत्नी को रात में लेकर आना। पति के साथ वह ओझा के पास पहुंची तो ओझा ने पति को बांसवारी में बैठा दिया। खुद उसे अकेले चौर में ले जाकर दुष्कर्म किया। महिला ने लोकलाज के कारण यह बात किसी को नहीं बताई।

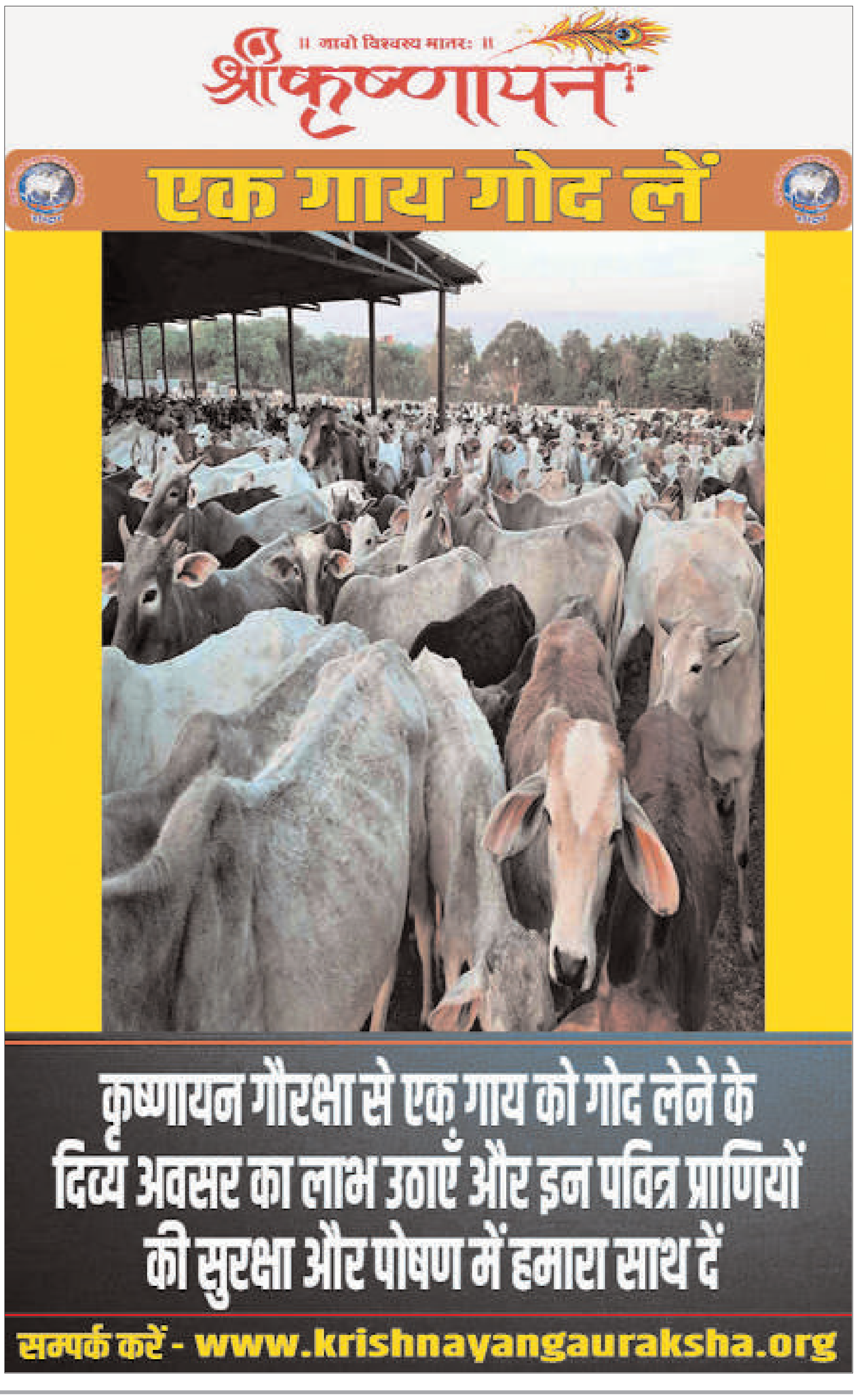

ग्रीष्मकालीन छुट्टी के बाद आज से पूर्णरूप से खुलेगा हाईकोर्ट, कई अहम केसों की होगी सुनवाई

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद मंगलवार से पूर्णरूप से खुल रहा है। कई महत्वपूर्ण मुकदमों को सुनवाई जुलाई महीने में होनी है।

सबसे प्रमुख मुकदमा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद का है, जिसमें चार जुलाई को सुनवाई होनी है। इसके साथ ही एक जुलाई को स्वरूपरानी अस्पताल में दुर्व्यवस्था मामले में भी सुनवाई होनी है। इस मामले में न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। वहीं, सात जुलाई को गैंगस्टर के दुरुपयोग मामले में डीएम, एसएसपी व एसएचओ को तलब किया गया है। 18 जुलाई को कुंभ मेले में भगदड़ में मृतक परिवार को मुआवजा मामले में सुनवाई होना है। कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। इसके साथ ही अन्य कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई जुलाई महीने में होनी है।

परिवार समेत व्यापारी ने किया सुसाइड

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में कपड़ा व्यापारी शोभित के परिवार समेत आत्महत्या करने से अशर्फाबाद कॉलोनी में हर कोई स्तब्ध है। किसी को भरोसा नहीं हो रहा कि हमेशा मुस्कुराते हुए सबसे मिलने वाले शोभित ऐसा कदम उठा सकते हैं। शोभित ने सुसाइड नोट में लिखा है कि बैंक से लोन लिया था जिसे चुका नहीं पा रहे हैं... लोन बढ़ता ही जा रहा है... हमारे पास जान देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

शोभित के पड़ोसी मित्र कपड़ा कारोबारी सुनील कुमार ने बताया कि कभी सोचा नहीं था कि मेरे खुशमिजाज दोस्त शोभित ऐसा कदम उठा लेंगे। उसके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी। बताया कि शोभित और मैंने लघु बाल विद्या मंदिर में साथ पढ़ाई की थी। इंटर के बाद से हम दोनों अलग हो गए थे। बीच-बीच में मुलाकात होती रहती थी।

गौरव गुप्ता ने बताया कि सोमवार सुबह नौ बजे एक फेसबुक पोस्ट में शोभित की मौत की खबर देख कर दंग रह गया।उनके घर पहुंचा तो शोभित, उनकी पत्नी और बेटी का शव देख कर मैं सिहर गया। हम दोनों अक्सर मिलते थे। उन्होंने कभी अपनी समस्याओं का जिक्र तक नहीं किया। वहीं, प्रदीप गुप्ता और अजीत ने कहा कि शोभित बहुत ही सौम्य स्वभाव के थे। हमने कभी उन्हें किसी से झगड़ते नहीं देखा। वह सबकी मदद के लिए तैयार रहते थे। कभी उनके चेहरे पर तनाव नजर आया ही नहीं।

अकेले पड़ गए, अपनों ने नहीं दिया साथ: सुसाइड नोट में शोभित ने अपनी पीड़ा बया की है। उन्होंने लिखा है कि वह एकदम अकेले पड़ गए। उन्होंने नोट में अपनों पर साथ नहीं देने और परिजनों की प्रताड़ना का जिक्र भी किया है। एडीसीपी के मुताबिक शोभित के ससुराल वाले लखनऊ पहुंचे हैं। इस मामले में कोई तहरीर मिलती है तो एफआईआर दर्ज कर विवेचना की जाएगी।

वर्ल्ड क्लास बनेगा न्यूरो स्पाइन सेंटर, दुनियाभर में डॉक्टर ले सकेंगे प्रशिक्षण, अधिकारियों ने कही ये बात

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का न्यूरो स्पाइन सेंटर वर्ल्ड क्लास बनेगा। इससे रोगियों को देश-विदेश के जाने माने चिकित्सा विशेषज्ञों की राय मिल जाएगी। इसके लिए सेंटर का देश के बड़े चिकित्सा संस्थानों समेत अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय, टोक्यो विश्वविद्यालय, क्लीवलैंड क्लीनिकल तथा विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से कल्चरल एक्सचेंज होगा। देश-विदेश के संस्थान न्यूरो स्पाइन सेंटर से जुड़े रहेंगे। इन संस्थानों के न्यूरो विशेषज्ञ एक-दूसरे यहां जाकर प्रशिक्षण लेंगे। मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के नोडल अधिकारी और न्यूरो साइंसेस प्रमुख डॉ. मनीष सिंह ने बताया कि कल्चरल एक्सचेंज से सेंटर की विशेषज्ञता सेवा वर्ल्ड क्लास रहेगी। अगर किसी केस में कोई पेचीदगी है तो ओटी से ही देश-विदेश में बैठे विशेषज्ञ से तुरंत मशविरा लिया जा सकेगा। इसके अलावा देश-विदेश के संस्थानों में होने वाले शोध कार्य, विधियों के बारे में भी जान सकेंगे। इससे न्यूरो विशेषज्ञता में नए आयाम जुड़ेंगे और चीजों को अपडेट किया जा सकेगा। डॉ. सिंह ने बताया कि मई में न्यूरो स्पाइन सेंटर के निरीक्षण के दौरान चिकित्सा शिक्षा सचिव अपर्णा यू ने कल्चरल एक्सचेंज के संबंध में दिशा-निर्देश दिए थे। उसी आधार पर एक्सचेंज की तैयारी की गई है। देश में ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट समेत कई ऐसे संस्थान हैं, जहां न्यूरो और स्पाइन के क्षेत्र में कार्य हो रहा है। उनसे भी कल्चर एक्सचेंज होगा। वहां के डॉक्टर यहां आकर प्रशिक्षण लेंगे और यहां के उन इंस्टीट्यूट में जाकर नई विधियां सीखेंगे। हॉस्पिटल के न्यूरो स्पाइन सेंटर में उच्च स्तरीय इलाज मिलेगा। नई विधियों से सर्जरी की जाएगी।

ब्रह्मनगर चौराहा चूहों ने किया खोखला

सड़क के साथ एक चौथाई में हुआ गड्ढा

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में ब्रह्मनगर चौराहे को चूहों ने खोखला कर दिया है। इससे डॉट नाला धंसने के साथ ही सड़क और चौराहे की चौहद्दी के अंदर गहरा गड्ढा हो गया। नगर निगम ने बैरिकेडिंग कराने के बाद मरम्मत के लिए खोदाई कराई तो कई बड़े चूहे निकलकर भागे। कुछ बिल भी नजर आए। इसी के पास नेहरूनगर स्थित नगर निगम के जोनल कार्यालय के सामने और उससे चंद कदम दूर स्थित अंध विद्यालय के सामने भी सड़क धंस गई। वहां भी इसकी वजह डॉट नाला धंसना माना जा रहा है।

ब्रह्मनगर चौराहे में लंबोदर गणेश महोत्सव स्थल के पास 29 जून को देर रात सड़क धंसना शुरू हुई। सोमवार सुबह तक वहां करीब 30 मीटर के दायरे में सड़क धंस गई। इसके साथ ही विकसित चौराहे का भी करीब एक चौथाई हिस्सा धंस गया। उसमें लगा एक पोल तिरछा हो गया। आसपास की जमीन भी खोखली नजर आने लगी है। इससे धंसने की आशंका जताई गई। वहां एचटी, एलटी लाइनों के साथ ही ट्रांसफार्मर भी लगा है।

निगम अभियंत्रण विभाग ने बैरिकेडिंग कराई

सुबह पार्षद पवन गुप्ता सहित आसपास के लोगों के साथ ही राहगीर एकत्रित हो गए। इसी बीच पता चला कि वहां से करीब 400 मीटर दूर नगर निगम जोन-4 के जोनल कार्यालय के सामने और उसी के पास स्थित अंध विद्यालय के सामने भी सड़क धंस गई है। वहां भी डॉट नाले की वजह से सड़क धंसने की आशंका जताई गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे नगर निगम अभियंत्रण विभाग ने बैरिकेडिंग कराई।

जर्जर डॉट नाले तक होंगे बिल

नगर निगम जोन - 4 के अधिशासी अभियंता नानक चंद्र ने बताया कि ब्रह्मनगर चौराहे पर चारों तरफ के डॉट नाले जुड़े हैं। नालों के जंक्शन के ऊपर चौराहे का सुंदरीकरण कराने के साथ ही पौधे भी लगवाए गए थे। वहां कच्ची जमीन से चूहे लगातार बिल बनाते रहे। इससे जमीन खोखली होती गई। आशंका है कि अंग्रेजों के जमाने के जर्जर डॉट नाले तक बिल होंगे और उनसे नाले में मिट्टी जाती रही होगी।

खोदाई कराने के बाद कारण स्पष्ट हो पाएगा

बारिश के दौरान उसमें पानी जाने से आसपास की जमीन धंसी होगी। इसी वजह से चौराहे और सड़क भी धंसी। जेसीबी लगाकर वहां खोदाई कराते समय कई बड़े-बड़े चूहे निकलकर इधर-उधर भागे थे। मरम्मत शुरू करा दी गई है। नेहरूनगर में भी डॉट नाले क्षतिग्रस्त होने से सड़क धंसने की आशंका है, वहां भी बैरिकेडिंग करा दी गई है। खोदाई कराने के बाद कारण स्पष्ट हो पाएगा। जल्द मरम्मत कराई जाएगी।

एक तरफ से ही आते-जाते रहे वाहन, यातायात प्रभावित

ब्रह्मनगर चौराहे में लंबोदर महोत्सव स्थल के पास सड़क धंसने से बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया था। दूसरी तरफ से ही वाहनों को आने-जाने दिया गया। इस वजह से दोपहर से रात तक यातायात प्रभावित रहा।

चूहों की वजह से धंसा था रेलबाजार पुल

सेंट्रल स्टेशन के पास इलाहाबाद रेलवे क्रॉसिंग पर बना पुल तीन साल पहले चूहों की वजह से धंस गया था। जांच में इसका खुलासा हुआ था। दरअसल, सेतु निगम ने दोनों तरफ कंक्रीट ब्लाक की जो बनाई थीं, उनमें गोल छेद थे। पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन अधिशासी अभियंता (प्रांतीय खंड) राकेश सिंह सहित अन्य अभियंताओं ने जांच की थी, जिसमें पता चला था कि इन्हीं छेदों से घुसे चूहों ने पुल में बिल बना दिए थे। बिलों और उनमें बरसाती पानी जाने की वजह से धीरे-धीरे पुल की मिट्टी कम हो गई। इसी वजह से पुल के सेंट्रल स्टेशन की तरफ बने रैंप की सड़क दो बार धंसी थी।

सवा साल पहले भी धंसा था डॉट नाला

नेहरूनगर में जिस स्थान पर सोमवार को डॉट नाले धंसे, वहां सवा साल पहले भी डॉट नाला धंसा था। तब नगर निगम जोन - 4 के तत्कालीन जोनल अभियंता सतीश कुमार ने क्षतिग्रस्त नाले का मलबा हटवाकर सीमेंट के पाइप बिछवाए थे और दोनों तरफ चैंबर बनवाए थे। इसके बाद समतलीकरण कर सड़क बनवाई गई थी।

अलीगढ़ के 2500 विद्यालयों की छत पर लगेगा सोलर प्लांट

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ जिले के 2500 विद्यालयों की छतों पर पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर प्लांट लगेगा। इससे बिजली के बिल में बचत होगी। विद्यालयों में हर महीने दो-तीन हजार रुपये का बिजली का बिल आता है। शहर के बालक पाठशाला-35 पर 1 लाख 87 हजार रुपये का बिल बकाया है। अन्य विद्यालयों पर भी हजारों रुपये का बिजली का बिल बकाया है।

यूपी नेडा की ओर से परिषदीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों की छत पर सोलर प्लांट लगाया जाएगा। सोलर प्लांट के संचालन के लिए सोमवार को रेडिएंट स्टार्स इंग्लिश स्कूल में आयोजित कार्यशाला में ब्लॉक संसाधन केंद्र, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, परिषदीय विद्यालय, अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय के 1300 शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित किया गया।

बीएसए डॉ. राकेश कुमार सिंह ने 10-10 विद्यार्थियों का नामांकन कराने, जन्म प्रमाणपत्र व आधार कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कौशलेंद्र सिंह, ऋषि सिंह, सतीश सिंह, विवेक कुमार, साहिब सिंह, नरेंद्र शर्मा, चंदन कुमार आदि मौजूद रहे।

बहुत अच्छे दोस्त थे कांस्टेबल अजय और शिक्षक मोहित, इस बात पर हुआ विवाद; सिपाही हत्याकांड की पूरी कहानी

बागपत , एजेंसी। यूपी के बागपत के सुन्हेड़ा गांव के हेड कांस्टेबल अजय पंवार का कातिल शिक्षक मोहित सोमवार रात को पुलिस के साथ मुठभेड़ में दोनों पैरों में गोली लगने पर घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उसके पास से हत्या में प्रयुक्त तमंचा और कारतूस बरामद कर लिए गए हैं।

सहारनपुर में साइबर सेल में तैनात कांस्टेबल अजय पंवार की उसके ही गांव के सहारनपुर में तैनात प्राइमरी स्कूल के शिक्षक मोहित ने रविवार रात को गोली मारकर हत्या कर दी थी। क्रिकेट मैच के दौरान हुए विवाद के कारण अजय की हत्या की गई थी। वारदात को अंजाम देकर शिक्षक मोहित फरार हो गया था।

इसके पीछे पुलिस की चार टीमें लगी हुई थी। एसपी सूरज कुमार राय ने बताया कि पुलिस को सोमवार रात हत्या के आरोपी मोहित के सुन्हैड़ा गांव के जंगल में होने की सूचना मिली। जहां पुलिस पहुंची तो मोहित ने फायरिंग कर दी।

वहां पुलिस के साथ मुठभेड़ में हत्यारोपी मोहित के दोनों पैरों में गोली लग गई और वह घायल हो गया। पुलिस ने उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद करके उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया कि वह हत्या करने के बाद वह गांव के आसपास ही छिपा हुआ था।

हत्या होते ही व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर निकल गए सभी दोस्त: सुन्हेड़ा गांव के 20-25 युवकों ने एक ग्रुप बना रखा था, जिसमें क्रिकेट मैच से लेकर अन्य जानकारी शेयर की जाती थी। पिछले कई साल से चल रहे व्हाट्सएप ग्रुप में धमकी देने के बाद अजय की हत्या होते ही उनके दोस्त घबरा गए। इसके बाद चंद मिनटों में सभी ग्रुप छोड़कर बाहर निकल गए। उधर, एक युवक ने पुलिस को ग्रुप में हुई गाली-गलौज के स्क्रीन शॉट भी पुलिस को सौंप दिए।

व्हाट्सएप ग्रुप में अजय को दी थी गोली मारने की धमकी: बागपत के सुन्हेड़ा गांव में हेड कांस्टेबल अजय पंवार की हत्या से पहले गांव के व्हाट्सएप ग्रुप में शिक्षक मोहित ने सीधी गोली मारने की धमकी दी थी। मगर अजय ने धमकी को नजरअंदाज कर दिया। अजय को महसूस भी नहीं हुआ कि मोहित उसे अपना दुश्मन मानने लगा और इस तरह गोली मारकर उसकी हत्या कर देगा।

उधर, पोस्टमार्टम के बाद हेड कांस्टेबल अजय का गांव में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। जहां छह वर्षीय बेटे आरव ने उनको मुखाग्नि दी। सहारनपुर की साइबर सेल में तैनात हेड कांस्टेबल अजय पंवार निवासी सुन्हैड़ा 24 जून को एक माह की छुट्टी लेकर अपने नए मकान में गृह प्रवेश के लिए घर आए थे।

पैसों का लालच, धर्मांतरण और फिर आतंकी बनाने की ट्रेनिंग; केरल, यूपी समेत कई राज्यों की लड़कियां निशाने पर

प्रयागराज , एजेंसी। प्रयागराज के फूलपुर में 15 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर केरल ले जाने और आतंकवादी गतिविधियों में धकेलने की साजिश का खुलासा हुआ है। आरोप है कि किशोरी को केरल ले जाकर जबरन धर्मांतरण कराया गया। फिर जेहादी प्रशिक्षण में धकेलने का प्रयास किया गया। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर निकली किशोरी ने मां को आपबीती सुनाई। 28 जून को फूलपुर थाने में मां की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने साजिश में शामिल युवक और एक महिला को गिरफ्तार किया है।

पीड़िता की मां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आठ मई को उसके गांव की दूसरे धर्म की महिला दरकशा बानो उनकी 15 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर साथ ले गई। उसे पैसों का लालच भी दिया गया। बेटी को लेकर आरोपी दरकशा फूलपुर फ्लाईओवर के पास पहुंची, जहां पहले से खड़े मोहम्मद कैफ नामक युवक ने उन्हें बाइक से प्रयागराज जंक्शन पहुंचाया। रास्ते में आरोपी युवक ने बेटी के साथ छेड़खानी भी की। फिर बेटी को लेकर आरोपी दरकशा दिल्ली पहुंची और फिर केरल के त्रिशूर ले गई।

पीड़िता ने बताया कि केरल में उसकी कुछ अज्ञात और संदिग्ध लोगों से मुलाकात कराई गई। उन्होंने पहले उसे रुपयों का लालच दिया और फिर जबरन धर्मांतरण कराया। इसके बाद उस पर जिहादी ट्रेनिंग के लिए दबाव बनाने लगे। इससे वह घबरा गई। किसी तरह वहां से भागकर त्रिशूर रेलवे स्टेशन पहुंची और फोन कर मां को आपबीती सुनाई। इसी दौरान केरल पुलिस की नजर पड़ी तो उसे बाल कल्याण समिति के हवाले कर दिया गया।

केरल बाल कल्याण समिति की ओर से सूचना मिलने पर मां ने फूलपुर थाने में शिकायत दी। इस पर पुलिस ने बाल कल्याण समिति से संपर्क किया और किशोरी की सकुशल वापसी कराई। साथ ही मां की तहरीर पर आरोपी दरकशा बानो और मोहम्मद कैफ को गिरफ्तार कर लिया गया। उधर, पीड़िता को वन स्टॉप सेंटर में अस्थायी रूप से दाखिल कराया गया।

आरोपी दरकशा का दोस्त ताज भी पुलिस के रडार पर: प्रयागराज पुलिस की रडार पर ताज नाम का युवक भी है, जो आरोपी दरकशा का दोस्त बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दरकशा के मोबाइल फोन की जांच पड़ताल में पता चला है कि उसने प्रयागराज से केरल पहुंचने तक ताज से कई बार बात की है। वह मूल रूप से तो फूलपुर का रहने वाला है, लेकिन पिछले कई वर्षों से केरल में है। पुलिस ने उसके बारे में जानकारी केरल पुलिस से भी साझा की है।

यह गिरोह दूसरे समुदाय की नाबालिग बच्चियों को बहला-फुसलाकर उनका धर्मांतरण कराता है। फिर उन्हें देशविरोधी गतिविधियों के लिए तैयार करता है।

एचडीएफसी बैंक शाखा में लगी आग, एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने पाया काबू

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले के रामनगर क्षेत्र के पंचवटी रोड पर बटाउबीर स्थित एचडीएफसी बैंक शाखा और उसके एटीएम में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। स्थानीय लोगों ने बैंक से धुआं और आग की तेज लपटें उठती देख आनन- फानन फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। रामनगर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग सुबह उस वक्त लगी जब बैंक का संचालन शुरू नहीं हुआ था और भीतर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। बैंक में तैनात सुरक्षा गार्ड ने सबसे पहले आग देखा, जिसके बाद उसने शाखा प्रबंधक को फोन कर घटना की जानकारी दी।

सूचना पाकर बैंक का पूरा स्टाफ मौके पर पहुंचा। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में बैंक के अंदर रखे कई जरूरी दस्तावेज, फर्नीचर, कंप्यूटर उपकरणों और एटीएम मशीन को भी अपनी चपेट में ले लिया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए बैंक प्रशासन ने उच्चाधिकारियों को सूचित कर दिया है और एक तकनीकी टीम को आग लगने के कारणों की जांच के लिए बुलाया गया है।

बैंक कर्मचारियों ने बताया कि आग से बैंक के रिकॉर्ड रूम में रखे कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलने की आशंका है। बैंकिंग कार्यों में भी कुछ दिन दिक्कत हो सकती है। फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग को नियंत्रण में लिया।

सैयारा ने दिखाई तलाक का दंश झेलने वाली महिलाओं की कशमकश, जूही बब्बर का शानदार अभिनय

मेरठ , एजेंसी। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जूही बब्बर ने विद लव आपकी सैयारा नाटक का मंचन किया। जूही ने अपने शानदार अभिनय से समा बांध दिया।

तलाक का दंश झेलने वाली महिला किस तरह की कशमकश में जिंदगी गुजारती है। क्या जद्दोजहद उसकी जिंदगी में चलती है। वो कैसे उससे निबटती है और फिर से खुद को कैसे खड़ा करती है।

तलाक के बाद सैयारा ने अकेले जीने और आगे बढ़ने की चुनौतियों का बखूबी सामना किया। सैयारा के इस किरदार को अभिनेत्री जूही बब्बर ने मंच पर जीवंत कर दिया। अपने अभिनय के विभिन्न रंगों से ऐसा समां बांधा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में जूही बब्बर ने विद लव आपकी सैयारा नाटक का मंचन किया। जूही बब्बर ने ही इस नाटक का निर्देशन व लेखन किया है। नाटक की कहानी सैयारा की किताब के पन्नों से शुरू होती है, जो असल में उसके अतीत के पन्नों पर लिखी हुई थी।

एक बड़े कारोबारी की बेटी, मुंबई की एकल महिला सैयारा दो बार तलाक से उबरने के बाद अपनी इसी किताब के लिए परेशान है, जिसमें प्रकाशक अपने हिसाब से बदलाव करना चाहते हैं। ऐसे में सैयारा लोगों से रूबरू होते हुए अपने जीवन के पन्नों को खोलना शुरू करती है। सैयारा की दो बार शादी होती है। दोनों ही बार पति से प्रताड़ित होकर उसका तलाक हो जाता है।

पहली शादी उसने अपने से 24 साल बड़े प्रोफेसर से उसकी बीवी व बच्चे होने के बावजूद की। कुछ समय बाद प्रोफेसर के बच्चों को पता चला तो वो खुद सैयारा के घर उसे मारने पहुंच गए। इस बारे में उसने अपने पति से बात करनी चाही, तो वह इसे बखेड़ा बताकर तलाक देने की बात करता है। इस घटना से भीतर तक टूट चुकी सैयारा को माता-पिता से हौसला मिला। वह उसे दोबारा घर ले आए और जिंदगी जैसे फिर पटरी पर लौट आई हो। पिता अपना सारा कारोबार सैयारा को दे देते हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल हो चुकी सैयारा की जिंदगी में इस बार एक डॉक्टर आते हैं और दोनों का निकाह हो जाता है। सैयारा को पता चलता है कि उसके डॉक्टर पति के अस्पताल की एक नर्स उसके बच्चे की मां बनने वाली है। सैयारा उससे यह बताती है तो वह उल्टे उसे ही बुरा भला कहना शुरू कर देता है और सैयारा को तीन तलाक दे देता है। इसके बाद हर दूसरा आदमी उसे आसानी से उपलब्ध महिला समझकर उस पर गलत नजर रखता है। हालांकि जिंदगी की जद्दोजहद से वह हार नहीं मानती और उस पर गलत नजर रखने वालों को सबक भी सिखाती है।

तालियों से गूंजता रहा सभागार, दर्शक हंसे भी...रोए भी: माता-पिता की सलाह न मानकर सिर्फ आकर्षण में पड़कर लड़कियों का शादी करने लेना, मानसिक तनाव, तीन तलाक, जैसे गंभीर मुद्दों को भी जूही ने अपने अभिनय में ऐसे शामिल किया कि सभागार बार-बार तालियों से गूंजता रहा। भावपूर्ण दृश्यों ने दर्शकों ने जहां रुला दिया, वहीं जूही गुदगुदाने पर हास्य की फुहार भी फूटीं।

सैयारा बनीं जूही ने अपने अभिनय में मानसिक तनाव के दोनों पहलुओं को उजागर किया। उन्होंने यह भी बताया कि महिलाएं किस तरह के मानसिक तनावों से गुजरती हैं, साथ ही यह कहा कि समाज में सिर्फ महिलाएं ही पीड़ित नहीं हैं बल्कि तमाम कारणों से पुरुष भी मानसिक तनाव से जूझ रहे हैं। ऐसे लोगों से जब हम पूछते हैं कि कैसे हैं आप तो इनका जवाब होता कि आई एम ओके। सैयारा ने कहा कि ये जी ओके होता है न, ये बिल्कुल भी ओके नहीं होता। हमारे बीच रहने वाले ये लोग ओके बोलकर सब कुछ छिपा लेते हैं। जरूरत है दोस्तों, परिजनों से खुलकर बात करने की।

संपादकीय

तीर्थों पर क्यों हर साल टूटती है आफत

तीर्थस्थल लोगों की आस्था के साथ-साथ पर्यटन, रोजगार और राजस्व अर्जन के महत्त्वपूर्ण केंद्र होते हैं। अपेक्षा की जाती है कि ऐसी जगहों पर लोगों की आवाजाही, रुकने-ठहरने, खाने-पीने की समुचित और सुविधाजनक व्यवस्था हो। सरकारें तीर्थस्थलों के विकास और वहां श्रद्धालुओं-सैलानियों को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं। इस दृष्टि से अनेक तीर्थस्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों को चौड़ी करने, सुरंगों, उपरिगामी पुलों आदि के निर्माण, होटल, मोटेल आदि की सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए गए हैं। इसका असर भी नजर आता है। अनेक तीर्थस्थलों पर लोगों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। मगर इसके साथ ही इन जगहों पर कमाई की होड़ में कई अव्यवस्थाएं भी पनपी हैं। इसका नतीजा यह है कि दुर्गम जगहों, पहाड़ों के तीर्थस्थलों पर हादसे बढ़े हैं, जिनमें हर वर्ष बहुत सारे श्रद्धालुओं-सैलानियों की जान चली जाती है। इस मामले में उत्तराखंड के तीर्थस्थलों पर अव्यवस्था की वजह से होने वाले हादसों को लेकर सबसे अधिक सवाल उठते हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से, दो महीनों के भीतर, सड़क दुर्घटनाओं, हेलिकाप्टर हादसे आदि की वजह से करीब साठ लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि वह यात्रियों की हर सुविधा का ध्यान रखता है, पर सच्चाई यह है कि अव्यवस्था के कारण चारधाम यात्रा में कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है।यों, सैलानियों की बढ़ती तादाद और उनकी सुविधाओं के मद्देनजर किए जा रहे निर्माण कार्यों की वजह से उत्तराखंड के पर्यावरण को पहुंच रहे भारी नुकसान को लेकर लंबे समय से आवाजें उठती रही हैं। वहां के पहाड़ भंगुर हैं, निर्माण कार्यों और अतार्किक ढंग से बन रहे भवनों, सड़कों आदि के कारण उनमें दरारें पड़ने की शिकायतें आती रहती हैं। तेज बरसात में भूस्खलन से जब-तब तबाही के मंजर उपस्थित हो जाते हैं। इसलिए इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि वहां सैलानियों और पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए, उन्हें नियंत्रित और संतुलित किया जाए, ताकि अधिक भीड़भाड़ से असुविधाओं और जोखिम की स्थिति न बने। पर प्रशासन ने जैसे वहां कारोबारियों को मनमानी की छूट दे रखी है।इसी का नतीजा है कि हेलिकाप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाले तय मानकों को ताक पर रखते हुए उड़ान भरते रहते हैं। यही हाल वहां टैक्सी आदि की सेवाएं उपलब्ध कराने वालों का है। हालांकि उत्तराखंड के तीर्थस्थल और पर्यटन स्थल इस मामले में अपवाद नहीं हैं, हर तीर्थस्थल पर कमोबेश यही हाल है। जिन जगहों पर अधिक भीड़भाड़ इकट्ठा होने का अनुमान रहता है, वहां कायदे से लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के ठोस उपाय होने चाहिए। मगर ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर यात्रियों को उनके भरोसे छोड़ दिया जाता है। कहीं-कहीं कभी-कभार कुछ स्वयंसेवक, लोगों को संभालते देखे जाते हैं, पर भीड़ अधिक हो जाने पर वे भी अवश हो जाते हैं, जिसका नतीजा कई बार हादसों में सामने आता है। अमरनाथ यात्रा की एक व्यवस्था बनी हुई है, जिसमें श्रद्धालुओं का पंजीकरण किया जाता है।

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

(ललित गर्ग)

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं।

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं।

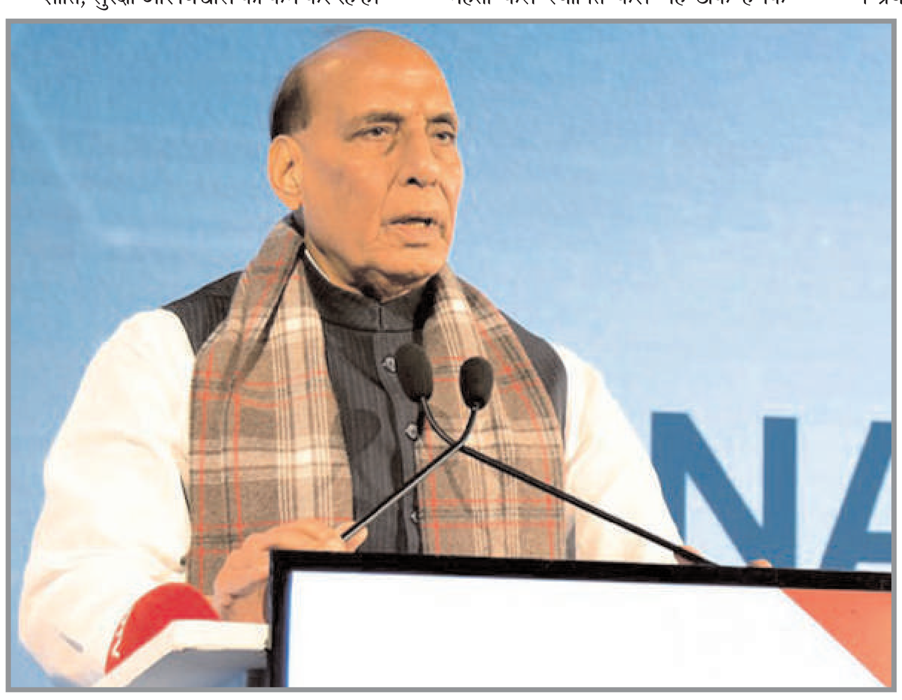

यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा। दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपेरशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था।

पाक और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूंबों को लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है। एससीओ की घोषणा में अगर यह आरोप लगाया गया है कि बलूचिस्तान की गड़बड़ी में भारत शामिल है, तो फिर भारत को ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार करने की जरूरत है। ऐसे झूठे एवं भ्रामक तथ्यों का प्रतिकार जरूरी है। ऐसे झूठ को फैलाकर ही पाक दुनिया से सहानुभूमि जुटाता रहा है। इसलिये किसी भी ऐसे विश्व स्तरीय सम्मेलन में अपनी बात भी पुरजोर ढंग से तथ्यपरक तरीके से रखनी चाहिए। वहां पारित होने वाले प्रस्तावों के प्रति रक्षामंत्री की भांति ज्यादा संवेदनशील एवं सख्त होने की जरूरत है। भारत अपनी इसी नीति को दोहरा कर शत्रु मानसिकता वाले देशों को सबक दे सकेगा। पाक के प्रति भारत की सख्ती हर मोर्चे पर दिखाई दे। भले ही पाक हकीकत न देखने की गलती दोहराता रहे। अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित तथा प्रयोग करने वालों को इसके परिणाम भुगतने ही होंगे। ऐसा करते हुए वह कंगाल होने की कगार पर पहुंच चुका है, वह लगातार गरीबी और कमजोरी का शिकार हो रहा है। आतंकवाद को पोषित करते हुए यह देश अन्य देशों की दया पर आश्रित होता जा रहा है। लेकिन भीख में मिली दया या अनुदान से कब तक खुद को कायम रख पायेगा?लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अत्यंत सम्मानित थे प्राचीन भारत के चिकित्सक

अशोक प्रवृद्ध

वर्तमान में चिकित्सकों की महत्ताए उपयोगिता और व्यक्ति व राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं को रेखांकित करते हुए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाए जाने की परिपाटी है। लेकिन भारतीय प्राचीन ग्रंथों के अध्ययनए चिंतन व अनुशीलन से इस सत्य का सत्यापन होता है कि प्राचीन भारत में विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े चिकित्सकों की समाज में अत्यंत महिमाए गरिमामयी उपस्थिति और उच्च स्थान प्राप्त था। वेदए उपनिषदए स्मृति ग्रंथ, सूत्र, ग्रंथ पुराण, महाकाव्य आदि सभी प्राचीन ग्रंथों में रोग और उनके निदान करने वाले वैद्यए चिकित्सकों के संबंध में अंकित वर्णनों से इन तथ्यों की पुष्टि ही होती है कि प्राचीन भारत के चिकित्सक विभिन्न जातियों और वर्गों के थे। लेकिन वे समाज में अच्छी तरह से सम्मानित थे और राज्य के संरक्षण का आनंद लूटते थे। उन्हें उस समय के उच्चतम नैतिक मानकों पर रखा जाता था और वे एक सख्त आचार संहिता से बंधे होते थे। उन्हें चिकित्सा व शल्य चिकित्सा दोनों में ही कठोर प्रशिक्षण प्राप्त होता था। अधिकांश चिकित्सक बहुकुशल सामान्यज्ञ थे और उनसे वाक्पटुता और वाद- विवाद में कुशल होने की अपेक्षा की जाती थी। वे आर्थिक रूप से काफी संपन्न थे। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में अंकित वर्णनों से प्राचीन भारत में औषधीय विचारों के विकास का भी पता लगाता है।

संसार की सभी प्राचीन सभ्यताओं ने अपनी- अपनी औषधीय प्रणालियां विकसित की हैं। लेकिन प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति को अपने विचारों और उपचारात्मक दोनों ही उपायों में सर्वाधिक व्यवस्थित और सबसे समग्र प्रणाली माना जाता है। भारत में चिकित्सा और चिकित्सकों के बारे में सबसे प्रारंभिक विश्वसनीय जानकारी संसार के सर्वाधिक प्राचीनतम ग्रंथ वेदों में अंकित प्राप्य हैं। प्राचीन औषधीय प्रथाओं का वर्णन ब्राह्मण ग्रंथों, आरण्यक पुराणादि ग्रंथों में भी मिलती है। प्राचीन भारतीय समाज में एकेश्वर वाद अर्थात एक ही निराकार, अजन्मा, अनादि परम पिता परमेश्वर के आराधना उपासना की परिपाटी प्रचलित थी। संसार की सभी जीवों व वस्तुओं की आत्माओं को देवता माना जाता रहा था। वैदिक मार्ग पर चलते हुए लोग अपने कर्मफल के भागीदार माने जाते थे। परमेश्वर द्वारा कही गई सत्य ज्ञान की पुस्तक वेद के पठन- पाठन, श्रवण,. श्रावण से दूर होने से कालांतर में मानव शरीर की बीमारियों को दैवीय कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाने लगा और इलाज में जादुई धार्मिक साधनों का उपयोग किया जाने लगा। ऐसे में वैदिक धर्म के विरुद्ध चलने वाले वेद के भाष्यकारों के मार्ग का अनुकरण कर बने मठाधीशों, विद्वानों, पंडितोंए पुजारियों की भूमिका देवताओं और मनुष्यों के बीच संपर्क स्थापित करने की हो गई। उनके अनुसार वे देवताओं को बुलानेए शांत करने और प्रसन्न करने की शक्ति रखते थे। उन्होंने अपने मंत्रों के माध्यम से देवताओं पर एक जादुई शक्ति धारण करने की बात कह इस शक्ति का उपयोग उपचार के उद्देश्यों के लिए भी करना शुरू किया। इसलिए याजक भी चंगा करने वाला था। ऋग्वेद में अग्नि अथवा अग्नि का उल्लेख देवताओं को यज्ञकर्ता से जोड़ने वाले दूत के रूप में किया गया है। इसलिए अग्निपंथियों को अथर्वनए अंगिरस और भृगु को जादूए धार्मिक संस्कारों के माध्यम से उपचार में कुशल माना जाता था। उन्हें अथर्ववेद का द्रष्टा भी माना जाता है। जिसमें मानव शरीर की प्रारंभिक समझए इसके रोगों और उनके इलाज के बारे में विवरण शामिल हैं। तत्कालीन समाज में प्रचलित मान्यतानुसार सोम के पौधे का रस अग्नि में अर्पित करने के बाद पीने से व्यक्ति अमरता प्राप्त कर सकता है। सोम की इस महत्ता, उपयोगिता ने अथर्ववेद में वर्णित अन्य पौधों के असाधारण गुणों की पहचान का मार्ग प्रशस्त किया। पौधों और उनके उत्पादों ने वैदिक चिकित्सकों के द्वारा निर्धारित चिकित्सीय पद्धति के प्रमुख हिस्से का गठन किया। ऋग्वेद के अनुसार एक जानकार चिकित्सक के लिए जड़ी.बूटियां एक साथ राजाओं की सेना के समान होती हैं। जड़ी .बूटियों के अलग-अलग विशेषज्ञ विद्वान व गुरुकुल थे। उन्होंने विशेष पौधों के उपयोग की पहचानए वर्णन और प्रचार किया था। जिन्हें ऋषि के नाम पर रखा गया था। इस प्रकार कण्व को एक औषधि के रूप में अपामार्ग के पौधे की खोज का श्रेय दिया जाता है। जिसे तब कण्व के पौधे के रूप में जाना जाता था। कालांतर में औषधीय तत्व में अन्य सामग्रियों में गो दूध व उसके उत्पादए विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जल व मिट्टीए पाउडर के गोले और सेंधा नमक को भी शामिल किया गया। वे मंत्र, भजन और बलिदान के माध्यम से दवा का आध्यात्मिकीकरण करते थे। कुछ खाद्य पदार्थों का उपयोग कुछ दवाओं के वाहन के रूप में किया जाता था। मौखिक दवाओं के अलावाए सांस लेनाए धूमनए और मलहम के सामयिक अनुप्रयोग भी किए जाते थे। कुछ पौधों को ताबीज के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। दवाओं को निर्दिष्ट स्थानों और समय पर प्रशासित किया जाता था। समय के साथ अथर्ववेद में अंकित विभिन्न मंत्रों का उपयोग विभिन्न रोगों को ठीक करने के लिए जादू, धार्मिक मंत्र और अनुष्ठान के रूप में किया जाने लगा। जिससे बीमारी और स्वास्थ्य के दैवीय और राक्षसी मूल को व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त हो गई। अथर्ववेद में शरीर के हड्डियों व अनेक आंतरिक अंगों का वर्णन किया गया है। बुखार जैसे कुछ लक्षणों को उचित विस्तार से वर्गीकृत किया गया है। ऐसी मान्यता थी कि बुखार अन्य बीमारियों की बहन या चचेरा भाई है। अथर्ववेद के अनुसार रोग कफ वायु या पित्त के विकार के कारण भी हो सकते हैं।

ईरान में इस्लामिक शासन की उल्टी गिनती, कर्ज पर चल रही तेहरान की सत्ता...

तेहरान ने इजरायल और अमेरिका के साथ अपने टकराव को कैसे पेश किया है और इस 12 दिवसीय युद्ध को दूसरी जगहों पर कैसे देखा जा रहा है, इसमें स्पष्ट बेमेल है। यह बेमेल ईरान के सामान्य रूप से लौटने को देखने के लिए उत्सुक लोगों को निराश कर सकता है। इतिहास बताता है कि हर क्रांति को जन्म देती है। 1979 में पहलवी वंश को उखाड़ फेंकने और अयातुल्ला खुमैनी से प्रेरित वेलायत-ए-फकीर (धार्मिक शासन) की स्थापना के बाद से दुनिया, ईरान सभ्यता के अविश्वसनीय परिष्कार को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के बर्बर राजनीतिक प्रभुत्व के साथ समेटने की कोशिश की है

(विवेक सिंह)

इजरायल और ईरान के साथ 12 दिनों तक चला भीषण सैन्य संघर्ष खत्म हो गया है। ईरान के इस्लामिक शासन ने इस युद्ध को यहूदी राज्य के खिलाफ अपनी जीत के तौर पर प्रचारित करना शुरू कर दिया है। इसका जश्न मनाया जा रहा है। युद्धविराम के बाद अपने पहले संबोधन में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि ईरानी हमलों में जायोनी इकाई (इजरायल) लगभग ध्वस्त हो गई है। उनके अनुसार, अमेरिका ने युद्ध में हस्तक्षेप किया क्योंकि उसे लगा कि अगर ऐसा नहीं किया तो जायोनी इकाई पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

तेहरान ने इजरायल और अमेरिका के साथ अपने टकराव को कैसे पेश किया है और इस 12 दिवसीय युद्ध को दूसरी जगहों पर कैसे देखा जा रहा है, इसमें स्पष्ट बेमेल है। यह बेमेल ईरान के सामान्य रूप से लौटने को देखने के लिए उत्सुक लोगों को निराश कर सकता है। इतिहास बताता है कि हर क्रांति को जन्म देती है। 1979 में पहलवी वंश को उखाड़ फेंकने और अयातुल्ला खुमैनी से प्रेरित वेलायत-ए-फकीर (धार्मिक शासन) की स्थापना के बाद से दुनिया, ईरान सभ्यता के अविश्वसनीय परिष्कार को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के बर्बर राजनीतिक प्रभुत्व के साथ समेटने की कोशिश की है

हर बार जब भी इस्लामिक शासन को सीधी चुनौती मिली है, ईरान में फारसी स्प्रिंग शुरू होने की उम्मीदे जगी हैं। लेकिन हर बार ढ्ढक्रत्रष्ट ने चुनौती को बेरहमी से हरा दिया है। 2009 में चुनाव धांधली के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह और 2022 में हिजाब के खिलाफ महिलाओं का अविश्वनीय विरोध इसके उदाहरण हैं।

हालिया संघर्ष में इजरायल और अमेरिका का मुख्य उद्येश्य ईरान की परमाणु संपत्तियों को नष्ट करना था। 22 जून को ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर ऑपरेशन हैमर के तहत हमले के बाद यह उद्देश्य किस हद तक पूरा हुआ है, इसका अभी भी आकलन किया जा रहा है। हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इजरायल ईरान की सैन्य क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचाने में सक्षम था। संघर्ष के अंतिम छह दिनों के लिए, ईरान के आसमान पर उसका पूरा नियंत्रण था।

इजरायल ने पहुंचाया ईरान को गंभीर नुकसानः इसके अलावा इजरायल तेहरान में कुद्स फोर्स के कमांड सेंटर, सरकारी टीवी (लाइव प्रसारण के दौरान), खूंखार बासिज मिलिशिया के मुख्यालय, तेहरान में एविन जेल गेट और फिलिस्तीन स्क्वायर जैसे बहुत बड़े प्रतीकात्मक महत्व के लक्ष्यों को हमले में नष्ट कर दिया। इस्लामिक शासन की कमजोरी का सार्वजनिक प्रदर्शन इजरायल हमले में प्रमुख पदाधिकारियों को निशाना बनाने की क्षमता में भी स्पष्ट था।

इजरायली हमलों में ईरान के लगभग एक दर्जन शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक मारे गए, साथ ही ब्रिगेडियर-जनरल और उससे ऊपर के रैंक वाले 29 सैन्य अधिकारी भी मारे गए। इज़रायली सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन राइजिंग लॉयन के दौरान लगभग 100 शीर्ष ईरानी अधिकारियों को 'समाप्त' कर दिया गया।

ईरान ने कथित रूप से 700 मोसाद एजेंटों की गिरफ्तारी की बात कही है। इसके बावजूद इजरायल ईरान के अंदर ड्रोन लॉन्च करने और उसके अधिकारियों का पता लगाने में सक्षम था, जो हमले में मारे गए। इसने ईरान के गौरव को नुकसान पहुंचाया है। इसने दिखाया है कि इजरायल ईरान के अंदर ऐसे लोगों का नेटवर्क बनाने में सक्षम है, जो बेहद अलोकप्रिय शासन को कमजोर करने के लिए अपनी जिंदगी को खतरे में डालने को तैयार हैं। भावनात्मक रूप से यह ईरानियों को नई उम्मीद प्रदान करेगा।

शासन परिवर्तन के बदल चुके हैं मायनेः 'शासन परिवर्तन' शब्द वर्तमान में नकारात्मक अर्थ प्राप्त कर लिया है क्योंकि इसे राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के युद्धों के दौरान अफगानिस्तान और इराक में स्थापित 'मित्रवत' सरकारों के साथ पहचाना जाने लगा। ईरान के साथ वर्तमान युद्ध के दौरान, अमेरिका और इजरायल दोनों ने थोड़े समय के लिए इस बात पर जोर दिया कि युद्ध के उद्देश्यों में अयातुल्ला को बदलना शामिल होना चाहिए। इसके पीछे तर्क यह था कि मुल्लाओं को फिर से उभरने और इजरायल और अन्य विरोधियों के खिलाफ विनाशकारी हमलों की साजिश रचने का एक और मौका कभी नहीं दिया जाना चाहिए। यह आश्वस्त करने वाली बात है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू दोनों ने ही इस तरह के संभावित दुस्साहस से खुद को दूर रखा है।

अयातुल्ला का शासन कमजोर हालत में: इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अयातुल्ला आज पहले से कहीं ज्यादा कमजोर हैं। इजराइल को भस्म करने के लिए उनकी सावधानी से बनाई गई 'आग की अंगूठी' (रिंग ऑफ फायर) ढह गई है। ईरान के सभी प्रॉक्सी को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हमास अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है, गाजा में सुरंगों का उसका नेटवर्क नष्ट हो गया है। हिज़्बुल्लाह अपने नेतृत्व के विनाश और दक्षिणी लेबनान में अपने मिसाइल ठिकानों के विनाश से उबर नहीं पाया है, और सीरिया में असद के बाद आई अहमद अल-शरा के नेतृत्व वाली सरकार इजराइल के साथ संघर्ष में शामिल होने के मूड में नहीं है।

सबसे बढ़कर, अगर अब्राहम समझौते का विस्तार वास्तविकता बन जाता है, तो इज़राइल के विनाश के साथ ईरान का जुनून कल्पना के दायरे में चला जाएगा। वास्तव में, इज़राइल को मान्यता देने और उसके साथ व्यापार करने के लिए ईरान पर दबाव प्रतिरोध की सीमा के बाहर चला जाएगा।

तेहरान का शासन उधार के समय पर जी रहा है। हालांकि, अगर बाहरी ताकतें इसके पतन की कोशिश करती हैं तो यह अयातुल्ला के हाथों में खेल रहा होगा। इस तरह की लापरवाही, चाहे अमेरिका में लोकतांत्रिक प्रचारकों की ओर से हो या पहलवी क्राउन प्रिंस की बहाली के लिए लड़ने वाले निर्वासितों की ओर से, केवल राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया को ही बढ़ावा देगी। एक विकसित और गौरवशाली सभ्यता का स्वाभाविक आवेग 21वीं सदी में अपने सम्मान को बरकरार रखते हुए प्रवेश करना है, न कि पराजित लोगों के रूप में।

संक्षिप्त समाचार

रोहतक में हिसार की महिला कोच पर एफआईआर

रोहतक, एजेंसी। हरियाणा के रोहतक में एक बॉक्सिंग एकेडमी की कोच पर हिसार की नाबालिग वर्ल्ड मेडलिस्ट बॉक्सर ने मारपीट करने और गलत हरकत करने के आरोप लगाए हैं। महिला का आरोप है कि आयरलैंड टूर के दौरान हिसार की कोच ने बेटी के प्राइवेट पार्ट को छूने की कोशिश की। विरोध करने पर एक लड़कों से बात करने की बात लेटर पर लिखवाई। उसे लड़कों के चेकिंग रूम के सामने फ्रंटरोल लगवाए। एक वीडियो ठीक न बनाने पर उसके चरित्र पर उंगली उठाई और फाइट करने के लिए अकेला भेज दिया। अर्बन एस्टेट पुलिस ने शिकायत के आधार पर पॉक्सो समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

हरियाणा में 33 हजार अधिकारियों को शोकॉज नोटिस

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में 12 अक्टूबर, 2005 को आरटीआई अधिनियम के लागू होने से लेकर 31 मार्च, 2025 तक विभिन्न विभागों के राज्य लोक सूचना अधिकारियों के खिलाफ राज्य सूचना आयोग हरियाणा में 1 लाख 49 हजार 863 अपीलें और शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की धारा 19(3) के तहत 1 लाख 32 हजार 365 अपीलें और धारा 18(2) के तहत 17 हजार 318 शिकायतें शामिल हैं। ये खुलासा एक आरटीआई आवेदन के जवाब में राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, पिछले 19 वर्षों के दौरान गलत या अपूर्ण जानकारी प्रदान करने या एसपीआईओ द्वारा मांगी गई जानकारी न देने के लिए 33 हजार 179 अधिकारियों को धारा 20(1) के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। हरियाणा सूचना अधिकार मंच के राज्य संयोजक सुभाष, (जिनके आरटीआई आवेदन पर यह जानकारी उपलब्ध कराई गई थी) ने बताया कि हालांकि, आयोग ने अधिकांश मामलों में एसपीआईओ के औचित्य को स्वीकार कर लिया और केवल 4 हजार 48 मामलों में ही दोषी एसपीआईओ पर जुर्माना लगाया गया। फिर भी, उनमें से अधिकांश ने उन पर लगाए गए जुर्माने को जमा नहीं कराया।

बाइक की टक्कर से सात साल के मासूम की मौत, तीन बहनों का इकलौता भाई था कार्तिक

महेंद्रगढ़, एजेंसी। बाइक की टक्कर से सात साल के मासूम की मौत हो गई। महेंद्रगढ़ के गांव माजरा कलां में यह हादसा हुआ था। हादसे में तीन बहनों के इकलौते भाई की मौत हो गई। घटना का वीडियो सामने आया है। हरियाणा के महेंद्रगढ़ के गांव माजरा कलां में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में सात वर्षीय कार्तिक की मौत हो गई थी। मासूम कार्तिक तीन बहनों का इकलौता भाई था। इस दर्दनाक हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। घटना का दो मिनट 15 सेकेंड का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। शुक्रवार की यह घटना सुबह 11:18 बजे की है। जब बच्चा सड़क पार करने का प्रयास करता है तो उसी समय तेज रफ्तार बाइक उसे जोर से टक्कर मार देती है। टक्कर लगते ही कार्तिक सड़क पर गिर पड़ता है। उसके बाद आसपास के लोग भागकर वहां पहुंचते हैं और बच्चे को उठाकर अस्पताल लेकर जाते हैं। कार्तिक की तीन बहनें हैं सबसे बड़ी 16 साल की, दूसरी 14 साल की और सबसे छोटी 12 साल की। घटना वाले दिन कार्तिक अपने पिता करण सिंह और मां के साथ खेतों की तरफ जा रहा था। जैसे ही वे गांव के पावर हाउस के पास पहुंचे, महेंद्रगढ़ की ओर से तेज रफ्तार आ रही बाइक के साथ कार्तिक जोरदार टक्कर हो जाती है। बाइक की टक्कर से कार्तिक सड़क पर दूर जाकर गिरा और उसके सिर से खून बहने लगा। हालांकि बाइक सवार भी बच्चे से टकराने के बाद सड़क पर गिर जाता है।

पिंजौर के यादवेन्द्र गार्डन की विरासत को संजोते हुए इसे और अधिक सुंदर बनाया जाए: सीएम नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में कहीं भी अनटैप्ड सीवरेज या औद्योगिक अपशिष्ट जल ड्रेन में प्रवाहित न हो, इसके लिए संबंधित विभागों द्वारा ऐसे सभी स्थानों की पहचान कर प्रभावी उपाय किए जाएं, ताकि गंदे पानी को ड्रेनों में गिरने से पूरी तरह रोका जा सके। प्रारंभिक चरण में अंबाला, कुरुक्षेत्र एवं यमुनानगर जिलों में इस दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आगामी तीन माह के भीतर इन जिलों में उल्लेखनीय सुधार किया जाए।

मुख्यमंत्री आज यहां बजट घोषणाओं की प्रगति के बारे में बुलाई गई एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बजट घोषणाओं में किए गए सभी वादों को समय पर पूरा किया जाए ताकि प्रदेशवासियों को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके। उल्लेखनीय है कि नायब सिंह सैनी, जिनके पास वित्त मंत्री का दायित्व भी है, ने इस वर्ष मार्च में आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान वर्ष 2025-26 के लिए राज्य बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। अरावली क्षेत्र में बनने वाली जंगल सफारी की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां ऐसे जानवर रखें जाएं जो मानवता के लिए हानिकारक न हों। जंगल सफारी केंद्रीय जू अथॉरिटी के नियमों के तहत स्थापित की जाए। साथ ही मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए वहां ऐसे पौधों के बीज डाले जाएं जो प्राकृतिक रूप से उगकर स्थिर हो सकें। उन्होंने पर्यावरण एवं वन विभाग की अन्य घोषणाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पर्यटन एवं विरासत विभाग की घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तीज-त्योहार, मेले और उत्सवों पर जनभागीदारी बढ़ाने के लिए इस वर्ष बजट में 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। पर्यटन एवं विरासत विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के साथ समन्वय कर ऐसे सभी मेलों का आयोजन सुनिश्चित करे, ताकि प्रदेश के सभी वर्गों में उत्साह एवं उल्लास की भावना का संचार हो सके। उन्होंने कहा कि पिंजौर के यादवेंद्र गार्डन की विरासत को संजोते हुए इसे और अधिक सुंदर बनाया जाए ताकि देशभर के पर्यटक यहां आकर आनंद ले सकें। बैठक में बताया गया कि केंद्र सरकार ने यादवेंद्र गार्डन और टिक्करताल, मोरनी के पुनर्विकास के लिए 90 करोड़ से अधिक की राशि मंजूर की है। बैठक में यह भी बताया गया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय सुरजकुंड क्राफ्ट्स मेले का आयोजन दूसरी बार दशहरा और दीपावली पर्व के बीच भी किया जाएगा, जिससे जनता को एक सशक्त मंच प्रदान हो सके और वे इस सांस्कृतिक महोत्सव का भरपूर आनंद उठा सकें।

नायब सिंह सैनी ने खेल विभाग के लिए की गई बजट घोषणाओं की प्रगति की भी समीक्षा की और उन्हें समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन विनीत गर्ग, खेल विभाग के प्रधान सचिव नवदीप वर्क, पर्यटन एवं विरासत विभाग की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल यादव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

कोचिंग घोटाले में बड़ी कार्रवाई

मास्टर माइंड क्लासेज के पूर्व मैनेजर राजेन्द्र भदकारिया गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में अनुसूचित जाति के छात्रों को तकनीकी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए संचालित मुफ्त कोचिंग योजना में हुए ?15.68 करोड़ के घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो पंचकूला ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मास्टर माइंड क्लासेज प्रा. लि., ग्वालियर के तत्कालीन फ्रेंचाइज़ी मैनेजर राजेन्द्र भदकारिया को मध्यप्रदेश के माधवगंज, ग्वालियर से गिरफ्तार किया है।

यह गिरफ्तारी 28 जून को की गई, जिसके बाद आरोपी को 29 जून को पंचकूला स्थित माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया। 30 जून को पुनः न्यायालय में पेश कर आरोपी को केंद्रीय जेल अंबाला भेज दिया गया। यह मामला वर्ष 2008 से 2011 के बीच हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई उस कल्याणकारी योजना से जुड़ा है, जिसके तहत अनुसूचित जाति के छात्रों को एआईईईई और डीईटी जैसी तकनीकी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुफ्त कोचिंग दी जानी थी।

इसके लिए 20 जून 2008 को मास्टर माइंड क्लासेज प्रा. लि., ग्वालियर के साथ अनुबंध किया गया था। लेकिन जांच में सामने आया कि संस्था द्वारा कुछ छात्रों का वास्तविक दाखिला दिखाकर, अधिकांश छात्रों का फर्जी नामांकन कर, बिना कक्षाएं संचालित किए विभागीय अधिकारियों व अन्य संस्थानों की मिलीभगत से ?15.68 करोड़ का फर्जी भुगतान प्राप्त किया गया। इस घोटाले में पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें मास्टर माइंड क्लासेज के मालिक नवीन गुप्ता और प्रवीण गुप्ता, चंडीगढ़ शाखा से जुड़े वेद प्रकाश और हरजीत सिंह, तकनीकी शिक्षा विभाग के उप निदेशक राजेन्द्र शर्मा और लिपिक राजकुमार शामिल हैं। अब राजेन्द्र भदकारिया की गिरफ्तारी के साथ ही इस घोटाले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या सात हो गई है।

भाजपा राज में एमएसपी, खाद और बीज को तरसे किसान: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

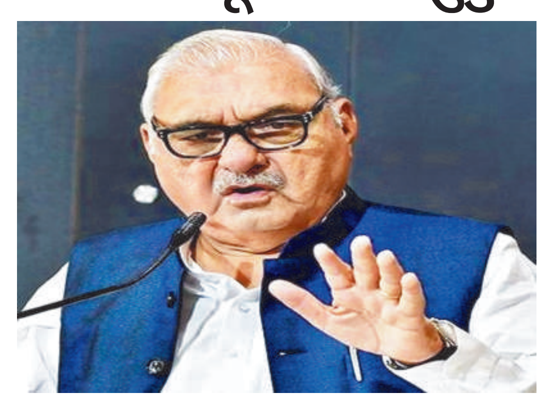

चंडीगढ, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, किसान एमएसपी, खाद और बीज के लिए तरस गए हैं। आज हालात यह है कि पुलिस की सुरक्षा में किसानों को खाद बांटनी पड़ रही है। यानी ना किसानों को मक्का की एमएसपी मिल रही है और ना ही सूरजमुखी की। खाद की किल्लत के चलते किसानों को भारी बदइंतजामी कालाबाजारी और उत्पादन में घाटे का सामना करना पड़ रहा है। किसानों के लिए खरीफ की बिजाई मुश्किल होती जा रही है। डबल इंजन की सरकार में किसानों को चार गुना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हुड्डा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश दोनों जगह बीजेपी की सरकार होने के बावजूद खरीफ फसल के लिए केंद्र से हरियाणा को मिलने वाली खाद के आधे से भी कम स्टॉक की सप्लाई हुई है। क्योंकि हरियाणा को लगभग 14 लाख मिट्रिक टन खाद मिलनी थी, लेकिन अभी 6 लाख मिट्रिक टन से भी कम खाद उपलब्ध हो पाई है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने खाद की किल्लत को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा कि धान की रोपाई का सीजन शुरू है। खाद के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं और हमेशा की तरह सरकार हाथ पर हाथ रखे बैठी है। हर फसली सीजन में किसानों को खाद की कमी का सामना करना पड़ता है, क्योंकि भाजपा सरकार समय रहते कोई इंतजाम नहीं करती। इसके चलते किसानों को ब्लैक में महंगा खाद खरीदना पड़ता है, जिससे उनपर आर्थिक बोझ भी पड़ता है और समय पर खाद ना मिलने से उत्पादन भी प्रभावित होता है।

हुड्डा ने कहा कि प्रदेश के इतिहास की यह पहली सरकार है, जिसके कार्यकाल में थानों के भीतर खाद बांटनी पड़ी। हर सीज़न में किसानों, उनके परिवारों, महिलाओं व बच्चों तक को लंबी-लंबी कतारों में कई-कई दिन इंतजार करना पड़ता है, तभी समय पर डीएपी व यूरिया नहीं मिल पाता। इतना ही नहीं मंडियों में मक्का और सूरजमुखी लेकर पहुंचे किसान खरीदारी के इंतजार में बैठे हैं। लेकिन सरकारी एजेंसियां खरीद करने को तैयार नहीं है। इसलिए उन्हें एमएसपी से 1000-1500 रुपए कम रेट पर फसल बेचनी पड़ रही है।

फरीदाबाद में बिजनेसमैन से 62 लाख हड़पे महिला ने इनकम टैक्स रिटर्न भरने ने नाम पर लिए रुपए, नोटिस आने पर हुआ खुलासा

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में इनकम टैक्स भरने की एवज में चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) कंपनी की एक महिला कर्मचारी ने एक बिजनेसमैन से 62 लाख रूपए हड़प लिए। महिला कई सालों तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करती रही, लेकिन पैसा आयकर विभाग में जमा नहीं किया गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है।

फरीदाबाद पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर 14 के रहने वाले सुधीर रतड़ा ने बताया कि उनकी दो फर्म मैसर्स राघव मिनलर्स के नाम से गांव गोठरा मोहब्बताबाद में और दूसरी फर्म राधा कृष्णा इंटरप्राइजेज बेटे राघव रत्रा के नाम संचालित है। उन्होंने बताया कि मेरे खुद, बेटे राघव और पत्नी गीता के खातों की सालाना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल और बिजनेस की अकाउंट बुक लिखना व इनकम टैक्स, वैट, जीएसटी आदि का काम नेहरू ग्राउंड स्थित सीएम कंपनी, मैसर्स रामपाल कंपनी द्वारा टैक्स रिटर्न भरी जाती थी। सीए रामपाल ही इसे भरा करते थे।

सुधीर रतड़ा ने बताया कि सीए रामपाल के ऑफिस में 2015 से पूजा सबलोक नामक महिला काम कर रही थी। साल 2020 तक उनका हर काम सही तरीके से हो रहा था, लेकिन वर्ष 2020-21 में सीए रामपाल की तबीयत खराब रहने के दौरान महिला पूजा रामपाल फर्म को संभालने लगी। वर्ष 2022 में रामपाल की मौत हो गई है। जिसके बाद पूजा ने पूरा काम संभाल लिया। चूंकि कंपनी हमारी कई साल से रिटर्न फाइल कर रही थी इससे पूजा पर भी विश्वास कर लिया।

आईडी मेल में किया बदलाव

सुधीर रतड़ा ने महिला पूजा पर आरोप लगाया है कि आयकर विभाग में रिटर्न फाइल करने के दौरान मेरी आईडी मेल ना देकर खुद की मेल आईडी बगैर अनुमति के दे दी। आरोप है कि पूजा सबलोक उनकी दोनों फर्म और खुद की आईटीआर भरती रही और बार- बार डिमांड राशि भेजकर पैसे लेती रही। उनका कहना है कि साल 2021-22, 2022-23, 2023-24 तक इनकम टैक्स विभाग के डर के कारण महिला द्वारा मांगी जा रही टैक्स राशि को जमा कराते रहे। लेकिन उक्त रकम इनकम टैक्स विभाग में नहीं जमा की गई।

चाचा-भतीजी में प्रेम प्रसंग; दोनों ने मालगाड़ी के आगे लगा दी छलांग, घर से पेपर देने निकली थी युवती

जींद, एजेंसी। जींद के उचाना रेलवे स्टेशन पर युवक-युवती ने मालगाड़ी के आगे छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजी हैं और मामला प्रेम प्रसंग का है।

हरियाणा के जींद में दिल्ली-बठिंडा रेलमार्ग के उचाना स्टेशन पर लड़का और लड़की मालगाड़ी के आगे कूद गए। हालांकि गनीमत रही कि दोनों की जान बच गई, लेकिन दोनों को घायल अवस्था में नागरिक अस्पताल उचाना पहुंचाया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। रिश्ते में दोनों चाचा-भतीजी लगते हैं। युवक शादीशुदा है। बताया जा रहा है कि मामला प्रेम प्रसंग का है। इसलिए दोनों ने एक साथ जान देने की कोशिश की है।

सूचना मिलते ही जीआरपी डीएसपी जितेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और जानकारी हासिल की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव कहसुन गांव का 23 वर्षीय युवक और 18 वर्षीय युवती सोमवार को बाइक पर सवार होकर उचाना आए थे। युवती बीए प्रथम की छात्रा है। सोमवार को उसका संस्कृत विषय का पेपर था। घर से वह पेपर देने की बात कहकर आई थी। वह पेपर देने की बजाए युवक के साथ उचाना रेलवे स्टेशन पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों ने दिल्ली की तरफ से आ रही मालगाड़ी के छलांग लगा दी।

नींद में सोई भाजपा सरकार के कारण प्रदेश की व्यवस्था फेल: दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, एजेंसी। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार की अनदेखी ने प्रदेश की सारी व्यवस्था बिगाड़ कर रख दी है। उन्होंने कहा कि बदहाल कानून व्यवस्था के साथ-साथ राजस्व घाटा, बिजली दामों में बढ़ोत्तरी, एचएयू छात्र आंदोलन, डीएपी की कमी जैसे अनेक ऐसे मुद्दे हैं जिनसे युवा, गरीब, किसान और कमेरा वर्ग परेशान है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि आज बदमाशों के हौंसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वे सरेआम बिना किसी खौफ के बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहे है लेकिन पुलिस और सरकार नींद में सोई हुई है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सुरक्षा देने में नाकाम मुख्यमंत्री किसी तरह शराब के ठेके छुड़वाने में लगे हुए हैं जबकि शराब ठेकेदार बदमाशों के डर से घर बैठे हैं।

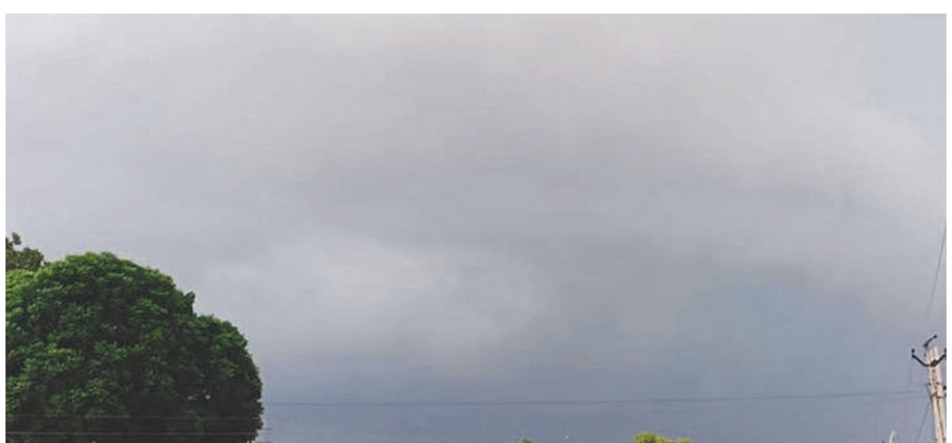

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जींद से सोनीपत जा रही सवारियों से भरी रोडवेज बस के सामने पिस्तौल लहराते शख्स का वीडियो चौंकाने वाला है। इससे स्पष्ट है कि शरारती तत्वों को कानून का बिल्कुल ख़ौफ़ नहीं है और साफ दिख रहा है कि हरियाणा में कानून व्यवस्था भगवान भरोसे है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि ठेके कम बिकने की वजह से इस बार आबकारी राजस्व घाटे में जाता दिख रहा है। दिग्विजय ने कहा कि आबकारी राजस्व के घाटे की पूर्ति के लिए ही सरकार बिजली के दामों में बढ़ोतरी कर जनता पर बोझ डाल रही है। उन्होंने डीएपी की कमी का भी मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज सरकार पुलिस को लगाकर किसानों को डीएपी बांट रही है और लंबी लाइनें लगाकर किसान डीएपी मिलने की आस में दिनभर खड़े रहते है। दिग्विजय चौटाला ने एचएयू छात्रों द्वारा दो जुलाई को बड़ा आंदोलन करने की घोषणा का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार को वीसी को हटाना होगा और छात्रों की मांगें माननी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि छात्रों से वादा करके मुकरने वाली भाजपा सरकार छात्रों के आंदोलन की परीक्षा न लें क्योंकि छात्रों के पास बड़ी क्रांति लाने की ताकत है और इतिहास इसका गवाह रहा है।

दिग्विजय ने यह भी कहा कि वह छात्रों के इस गंभीर विषय को लेकर सीएम से मुलाकात का समय मांगेंगे और युवाओं की आवाज को उठाएंगे। इसके अलावा आज सरकार सीईटी के आवेदन में पूरी तरह विफल रही है। इसी तरह कोर्ट में लंबित भर्तियों और बार-बार रद्द हो रही भर्तियों से युवा परेशान है।

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी ने सरकार में रहते हुए अनेक बड़ी परियोजनाओं को सिरे चढ़ाकर हर वर्ग और हर क्षेत्र की भलाई के लिए काम करके दिखाया था। उन्होंने कहा कि पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला द्वारा हिसार एलिवेटेड रोड के लिए करीब 750 करोड़ रुपए की मंजूरी दिलवाई गई थी, लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार इस योजना को रोक कर हिसार शहर की तरक्की में रोड़ा बनी बैठी है। दिग्विजय ने कहा कि आज भाजपा सरकार की नीतियों से हर वर्ग दुखी है तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेसियों के अपने-अपने स्वार्थ के चलते कांग्रेस तो विपक्ष की भूमिका से ही पूरी तरह गायब हो चुकी है। हिसार में युवा जोड़ो अभियान के तहत दिग्विजय ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए जेजेपी ही एकमात्र विकल्प है और पार्टी से जुड़े तमाम युवा घर-घर जाकर जेजेपी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करें और युवाओं को जेजेपी से जोड़कर उन्हें एकजुट करें। उन्होंने कहा कि जेजेपी में युवाओं की भूमिका अहम है और आने वाले समय में जेजेपी के युवा संगठन नवनिर्माण में भी युवा ताकत साफ नजर आएगी। विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान दिग्विजय चौटाला की मौजूदगी में अनेक युवाओं ने जेजेपी में शामिल होने की घोषणा की और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

मस्ती-4 के लिए तुरंत हामी भरी

एक्ट्रेस रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं। आईएएनएस ने उनसे पूछा कि जब उन्हें यह फिल्म ऑफर हुई तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे मस्ती 4 का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ ग्रैंड मस्ती देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे। कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

शादी में जरूर आना के सीक्वल में साथ काम करेंगे नितांशी गोयल और अभय वर्मा

बॉलीवुड में एक और मच अवेटेड सीक्वल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ गया है। साल 2017 की सुपरहिट फिल्म शादी में जरूर आना अब एक नए अध्याय के साथ वापसी करने जा रही है और इस बार लीड रोल में हैं दो यंग और टैलेंटेड चेहरे- अभय वर्मा और नितांशी गोयल। जहां पहली फिल्म में राजकुमार राव और कृति खरबंदा की जोड़ी ने दर्शकों का दिल जीता था, वहीं इस बार कहानी को एक नई सोच, नया जमाना और नई जोड़ी देने की कोशिश की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मुंज्या फेम अभय वर्मा और लापता लेडीज की नितांशी गोयल को लेकर निर्देशक रत्ना सिन्हा ने ये भरोसा जताया है कि यह फ्रेश जोड़ी पुराने दर्शकों को भी जोड़े रखेगी और नए दर्शकों को भी अपनी तरफ खींचेगी।

निर्देशन की बागडोर फिर से रत्ना सिन्हा के हाथ में

पहली फिल्म की तरह इसका निर्देशन भी रत्ना सिन्हा ही कर रही हैं और ये फिल्म बनारस मीडिया के बैनर तले तैयार की जा रही है। फिल्म की कहानी, इस बार भी प्यार, सपनों और ज़िम्मेदारियों के बीच उलझी भावनाओं को नए तरीके से दर्शाने का वादा कर रही है।

फैंस की उत्सुकता चरम पर

हालांकि अभी तक फिल्म की रिलीज डेट या कहानी की विशेष जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सोशल मीडिया पर फिल्म के एलान के बाद से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता साफ देखी जा सकती है। फिल्म के पहले भाग ने एक छोटे शहर की सादगी, राजनीति और प्रेम की जटिलताओं को बखूबी दिखाया था, और अब इसके अगले अध्याय से लोगों की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

युवा कलाकार, नया रोमांच

अभय वर्मा जहां द फैमिली मैन 2 और हाल ही में मुंज्या जैसी फिल्मों से एक संवेदनशील और मजबूत कलाकार के रूप में उभरे हैं, वहीं नितांशी गोयल को लापता लेडीज़ में उनके बेहतरीन अभिनय के लिए काफी सराहना मिली थी। दोनों युवा कलाकारों का फिल्म में आना, कहानी को एक नए आयाम की ओर ले जाने का संकेत दे रहा है।

छुट्टियों में निकिता दत्ता को मिला बड़ा सरप्राइज़

अभिनेत्री निकिता दत्ता, जो इन दिनों अपनी छुट्टियों का लुत्फ उठा रही हैं, हाल ही में एक ऐसे पल की गवाह बनीं जो हर सिनेमा प्रेमी का सपना होता है। छुट्टियों के दौरान निकिता की मुलाकात उनके फेवरेट हॉलीवुड एक्टर जूड लॉ से हुई। निकिता ने अपने सोशल मीडिया पर इस खास पल की एक तस्वीर शेयर की, जिसे उन्होंने अपना फैनगर्ल मोमेंट बताया। तस्वीर में निकिता और जूड लॉ की मुस्कुराती हुई झलक ने फैंस का दिल जीत लिया। भले ही निकिता ने कैप्शन में ज्यादा कुछ न लिखा हो, लेकिन उनकी मुस्कान और खुशी ने साफ कर दिया कि अपने फेवरेट स्टार से मिलना हर किसी के लिए एक यादगार पल होता है। हाल ही में निकिता दत्ता, सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के साथ फिल्म ज्वेल थीफ में नजर आई थीं, जिसमें उनके संतुलित और प्रभावशाली अभिनय की खूब सराहना हुई।

सुलझ गया विवाद हेरा फेरी 3 में बाबू भैया बनकर लौट रहे परेश रावल

पिछले कुछ वक्त से हेरा फेरी 3 चर्चा में है। वजह हैं परेश रावल। अचानक खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म से किनारा कर लिया है। इसके बाद खबर आई कि अक्षय कुमार ने अभिनेता को कानूनी नोटिस भेजा है। मगर, अब सारे विवाद सुलझ गए हैं और बाबू भैया फिल्म में वापसी कर रहे हैं। फिल्म हेरा फेरी की तीसरी कड़ी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे है। मगर, अचानक जब खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म छोड़ दी है तो दर्शक मायूस हो गए। फिल्म हेरा फेरी 3 की रौनक आखिर राजू (अक्षय कुमार), श्याम (सुनील शेट्टी) और बाबू राव (परेश रावल) से है। एक भी एक्टर की अनुपस्थिति दर्शक नहीं चाहते। ऐसे में जब खबर आई कि परेश रावल ने फिल्म छोड़ दी है तो दर्शक निराश हो गए। मगर, अब खुशखबरी ये है कि परेश रावल फिल्म में वापसी कर रहे हैं और यह पुष्टि खुद उन्होंने की है।

दर्शकों के लिए जिम्मेदारी बनती है

परेश रावल का कहना है कि वे हेरा फेरी 3 में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने हिमांशु मेहता के पॉडकास्ट में यह खुलासा किया है। एक्टर ने बीते दिनों फिल्म को लेकर चली कंट्रोवर्सी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब सब रिजॉल्व हो गया है। शो में परेश रावल से जब फिल्म को लेकर विवाद के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, कोई विवाद नहीं है। जब कोई चीज इतने लोगों को भाती आती है, तब हमें अतिरिक्त रहना पड़ता है। यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि दर्शकों के लिए। दर्शक बैठे हैं और वे आपको इतना प्यार करते हैं। आप चीजों को हल्के में नहीं ले सकते। मेहनत करके उन्हें देना चाहिए।

वाणी कपूर स्टारर मंडला मर्डर्स की रिलीज डेट से उठा पर्दा

यश राज फिल्म्स और नेटफ्लिक्स की सफल जोड़ी द रेलवे मेन की शानदार सफलता के बाद अब एक्शन थ्रिलर मंडला मर्डर्स आ रहा है। यह सीरीज 25 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

मंडला मर्डर्स की कहानी चरनदासपुर नामक एक रहस्यमयी कस्बे पर आधारित है, जो सैकड़ों साल पुरानी सीक्रेट सोसाइटी और वहां कई हत्याओं से जुड़ी कहानी है। इस सीरीज को यश राज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है और इसे मर्दानी फ्रेंचाइज के मशहूर गोपी पुथरन ने बनाया है। गोपी ने मनन रावत के साथ मिलकर इसका निर्देशन भी किया है। इस माइथोलॉजिकल क्राइम-थ्रिलर में वाणी कपूर लीड रोल में हैं, जबकि वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला और श्रिया पिलगांवकर भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

इरफान खान से मिली तारीफ मेरे लिए किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी

दिग्गज फिल्म निर्माता सुभाष घई ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को याद किया और उन्हें फिल्म इंडस्ट्री का अनमोल रत्न बताया। उन्होंने कहा कि वह फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक थे। उनकी तारीफ किसी भी अवॉर्ड से ज्यादा मायने रखती थी। सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम पर इरफान खान के साथ एक फोटो शेयर की, जो किसी अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान खींची गई थी। तस्वीर में दोनों ब्लैक कलर के सूट और वाइट शर्ट में नजर आ रहे हैं। साथ ही एक-दूसरे से मुस्कुराते हुए मिल रहे हैं। सुभाष घई के हाथ में एक अवॉर्ड है, वहीं इरफान उन्हें प्यार से गले लगाते हुए दिख रहे हैं। कर्ज, राम लखन, और ताल जैसी मशहूर फिल्मों के लिए मशहूर सुभाष घई ने कहा कि फिल्मों में चमक-दमक से ज्यादा कहानी मायने रखती है। वह इरफान के काम और उनकी काबिलियत को बहुत अहमियत देते थे। उनकी तारीफ उनके लिए किसी भी पुरस्कार से ज्यादा खास थी। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा से दिखावटी सितारों की तुलना में अच्छे और महान अभिनेताओं की तारीफ करता रहा हूं। अच्छे अभिनेता कहानी को और बेहतर बनाते हैं, जबकि सितारे सिर्फ फिल्म को चमकाते हैं। मुझे इरफान खान से तारीफ मिलना किसी अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार मिलने से ज्यादा खुशी देता था। इसलिए मैं इस तस्वीर को हमेशा संजोकर रखता हूं। हमें इरफान की बहुत याद आती है। सुभाष घई और इरफान खान ने साथ कई फिल्मों में काम किया है। फिल्म राइट या रॉन्ग में इरफान ने लीड रोल निभाया था। इस फिल्म के निर्देशक सुभाष घई थे। इसके अलावा, सुभाष घई की फिल्म इकबाल में इरफान ने सहायक भूमिका निभाई थी। इरफान खान का निधन 29 अप्रैल 2020 को हुआ था। वह एक गंभीर बीमारी, जिसे न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर कहते हैं, से लंबे समय तक जूझ रहे थे। उन्हें इस बीमारी का पता साल 2018 में चला था। इरफान खान ने खुद अपने ट्विटर पोस्ट के जरिए बीमारी की जानकारी फैंस को दी थी।

सलमान खान से लेकर तापसी पन्नू तक इन स्टार्स के पास हैं खुद की टीमें

बॉलीवुड के कई स्टार्स ऐसे हैं जिन्हें एक्टिंग के अलावा स्पोर्ट्स का शौक है। कुछ लोग तो खुद खेल खेलते हैं और कुछ लोग खेल का कारोबार करते हैं। ऐसे में आज हम आपको उन स्टार्स के बारे में बता रहे हैं जो स्पोर्ट्स टीमों के मालिक हैं।

सलमान खान

सलमान खान ने साल 1988 में फिल्म बीवी हो तो ऐसी से बॉलीवुड में कदम रखा था। तब से अब तक उन्होंने बॉलीवुड में अपनी अदाकारी से कमाल दिखाया है। वह स्पोर्ट्स में भी दिलचस्पी रखते हैं। वह इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग में दिल्ली फ्रेंचाईजी के मालिक हैं।

शाहरुख खान

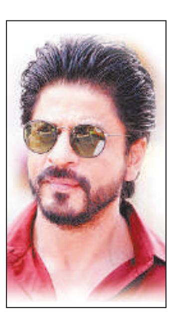

बॉलीवुड के किंग कहे जाने वाले शाहरुख खान ने साल 1992 में फिल्म दीवाना से बॉलीवुड में कदम रखा। अब तक वह बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्में दे चुके हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक हैं।

प्रीति जिंटा

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में शामिल प्रीति जिंटा ने साल 1998 में फिल्म दिल से से बॉलीवुड में कदम रखा था। वह इंडियन प्रीमियर लीग की टीम पंजाब किंग्स की सह-मालकिन हैं। वह अकसर मैदान पर अपनी टीम को चीयर करती नजर आती हैं।

अभिषेक बच्चन

अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन ने बॉलीवुड में साल 2000 में फिल्म रिफ्यूजी से कदम रखा था। इसके बाद से उन्होंने बॉलीवुड को कई हिट फिल्में दी हैं। स्पोर्ट्स में भी उनकी रुचि है। वह प्रो कबड्डी लीग में जयपुर पिंक पैंथर्स के मालिक हैं।

जॉन अब्राहम

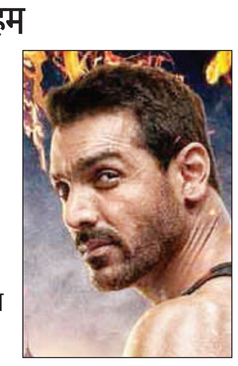

जॉन अब्राहम खुद स्पोर्ट्स बहुत पसंद करते हैं। वह फुटबॉल और बास्केटबॉल पसंद करते हैं। उन्होंने 2003 में फिल्म जिस्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वह इंडियन सुपर लीग की फुटबॉल टीम नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड एफसी के मालिक हैं।

अक्षय कुमार

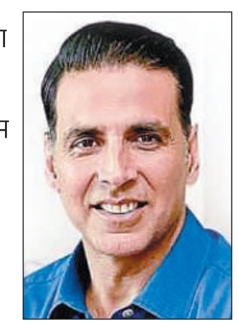

अक्षय कुमार को बॉलीवुड में खिलाड़ी के नाम से जाना जाता है। वह क्रिकेट और मार्शल आर्ट (कराटे) खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने साल 1991 में फिल्म सौगंध से बॉलीवुड में कदम रखा। आज वह इंडस्ट्री के सबसे बड़े अभिनेताओं में शामिल हैं। वह प्रो कबड्डी लीग में बंगाल वॉरियर्स टीम के मालिक हैं।

जूही चावला

जूही चावला को क्रिकेट पसंद है। जूही चावला ने साल 1986 में फिल्म सलतनत से बॉलीवुड में कदम रखा। वह इंडियन प्रीमियर लीग की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स की सह-मालिकिन हैं।

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू भी स्पोर्ट्स से जुड़ी हुई हैं। उन्हें स्क्वैश और फुटबॉल खेलना पसंद है। उन्होंने साल 2013 में फिल्म चश्मे बद्दूर से बॉलीवुड में कदम रखा। वह प्रीमियर बैडमिंटन लीग में 7 एसेस टीम की मालिकिन हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बारिश से 18 की मौत, 57 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मानसून की बारिश ने 11 बच्चों सहित 18 लोगों की जान ले ली, जबकि 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं में 57 लोग घायल हो गए। अब तक मानसूनी बारिश में कुल 45 लोग मारे गए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) पंजाब ने सोमवार को कहा, अधिकांश मौतें जीर्ण शीर्ण इमारतों और उनकी छतें ढहने से हुईं। बारिश से 50 घर क्षतिग्रस्त हो गए। बिजली गिरने से खानेवाल, ओकारा में दो वयस्क और मंडी बहाउद्दीन में दो बच्चों की मौत हो गई।

सिंगापुर में दंगा भड़काने के आरोप में भारतवंशी को जेल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में एक भारतवंशी को दंगा भड़काने के आरोप में दो साल तीन महीने जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही तीन कोड़े मारने की भी सजा सुनाई गई है। कविंद राज कानन और 10 अन्य लोगों ने मोहम्मद इसरत मोहम्मद इस्माइल पर 20 अगस्त 2023 को हमला किया था। हमले में इसरत की मौत हो गई थी। इस मामले में भारतवंशी अश्विन पाचन पिल्लई ने इसरत को चाकू मारा था। पिल्लई पर हत्या का आरोप है और उसके मामले में सुनवाई चल रही है। गैंग के अन्य सदस्यों पर दंगा भड़काने का आरोप है।

सेना ने कैलिफोर्निया में तैनात 200 सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की

लॉस एंजेलिस , एजेंसी। अमेरिकी सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस में चल रहे विरोध प्रदर्शनों में तैनात 200 सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की है। यह मांग इसलिए की गई है ताकि सैनिकों को जंगल में लगी आग को बुझाने के काम में लगाया जा सके। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों ने दी। दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जून की शुरुआत में अवैध प्रवासियों के खिलाफ छापेमारी के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों के जवाब में, गवर्नर गेविन न्यूसम की मर्जी के खिलाफ करीब 4,000 नेशलन गार्ड्स और 800 मरीन सैनिकों को लॉस एंजेलिस में तैनात किया था।

खैबर-पख्तूनख्वा में दो आतंकी घटनाओं में पांच लोगों की मौत

क्वेटा, एजेंसी।उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में दो अलग-अलग आतंकी घटनाओं में पांच लोग मारे गए। दोनों आतंकी घटनाएं खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत लक्की मरवात जिले में हुईं। पहली घटना में, एक गश्ती वाहन को निशाना बनाकर सड़क के किनारे किए गए बम विस्फोट में दो सैनिकों की मौत हो गई। शाहब खेल क्षेत्र में हुई दूसरी घटना में अज्ञात बंदूकधारियों ने तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी।

ट्रंप ने कैबिनेट को क्यूबा के प्रति अमेरिकी नीति की समीक्षा करने का निर्देश दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने शीर्ष कैबिनेट अधिकारियों को क्यूबा पर वर्तमान प्रतिबंधों की जांच करने और 30 दिनों के भीतर उन्हें और कड़ा करने के तरीके सुझाने का आदेश दिया है। स्टेट, राजकोष, वाणिज्य, गृह, कृषि विभागों और लगभग हर दूसरी संघीय एजेंसी को सोमवार को भेजे गए ज्ञापन में ट्रंप ने कहा कि समीक्षा में अमेरिका को द्वीप पर सभी पर्यटन को बंद करने के तरीकों की तलाश करनी चाहिए और साथ ही शैक्षिक पर्यटन को केवल अमेरिकी नागरिकों द्वारा आयोजित और संचालित समूहों तक सीमित करना चाहिए।

2018 में आग से नष्ट हुए राष्ट्रीय संग्रहालय को फिर से खोलेगा ब्राजील

ब्रासीलिया , एजेंसी। ब्राजील दो दिन बाद 2018 में आग से नष्ट हुए राष्ट्रीय संग्रहालय को फिर से खोलेगा। सोमवार को इसके पुनर्निर्मित भवन और संग्रह की एक झलक पेश की गई। ब्राजील के शिक्षा मंत्री कैमिलो सैन्टाना ने बताया कि संग्रहालय का पूर्ण नवीनीकरण 2027 के अंत तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग 95 मिलियन अमरीकी डॉलर का पुनर्निर्माण बजट सार्वजनिक और निजी कंपनियों के बीच विभाजित किया जा रहा है।

जयशंकर का दो टूक संदेश: भारत-अमेरिका रिश्तों को चीन के नजरिए से देखना भूल

न्यूयार्क, एजेंसी।
विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साफ शब्दों में कहा है कि भारत-अमेरिका के रिश्तों को सिर्फ चीन के संदर्भ में देखना न केवल एक सरलीकरण है बल्कि भ्रामक भी हो सकता है। उन्होंने यह टिप्पणी न्यूयॉर्क स्थित 'वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर' में न्यूजवीक के सीईओ देव प्रगाद के साथ संवाद के दौरान की। जयशंकर ने कहा, भारत और अमेरिका के संबंध बहुआयामी हैं इनमें रणनीतिक, व्यापारिक, प्रौद्योगिकी, और सांस्कृतिक जुड़ाव शामिल हैं। केवल चीन के चश्मे से इन संबंधों को देखना एक बड़ी भूल है।उन्होंने बताया कि अमेरिका में भारतीय समुदाय का बड़ा योगदान है, जो द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करता है। यह एक गेम-चेंजर है और इसका चीन से कोई लेना-देना नहीं है।

विदेश मंत्री ने भारत-अमेरिका के व्यापार और तकनीकी सहयोग को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध बहुत मजबूत हैं और ये केवल चीन विरोध पर आधारित नहीं हैं। जयशंकर ने माना कि अमेरिका-चीन संबंध अब पहले जैसे नहीं रहे। दोनों में अब कड़ी प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक असहमतियां हैं। जयशंकर ने कहा किहम अपने हितों की रक्षा करते हुए अमेरिका और चीन दोनों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं। हम चीन के सबसे बड़े पड़ोसी हैं और उसके साथ स्थिरता के पक्ष में हैं, हालांकि व्यापार असंतुलित है। जयशंकर ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला एक आर्थिक युद्ध का कृत्य था, जिसका उद्देश्य कश्मीर में पर्यटन को खत्म करना और सांप्रदायिक तनाव भड़काना था। उन्होंने स्पष्ट किया हम आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर आतंकवादी सीमा पार हैं, तो भी कार्रवाई की जाएगी। परमाणु ब्लैकमेल हमें नहीं रोक सकता। उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिनकी जानकारी सबको है।जब उनसे पूछा गया कि डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता वाले दावे का भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर क्या असर पड़ा, तो जयशंकर ने जवाब दिया व्यापारिक लोग अपना काम जानते हैं। वे पेशेवर हैं और फोकस्ड भी। इससे कोई असर नहीं पड़ा।उन्होंने बताया कि जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी को संभावित पाकिस्तानी हमले की चेतावनी दी थी।

धर्मगुरु दलाई लामा 2 जुलाई को पुनर्जन्म की घोषणा कर सकते हैं

ल्हासा, एजेंसी। तिब्बती समुदाय के धर्मगुरु दलाई लामा का 90वां जन्मदिन सोमवार को धर्मशाला के मैक्लोडगंज स्थित मुख्य तिब्बती मंदिर त्सुग्लाखांग में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के अध्यक्ष सिक्योंग पेंपा त्सेरिंग ने कहा, दलाई लामा 2 जुलाई को 'पुनर्जन्म' पर घोषणा कर सकते हैं। बता दें कि दलाईलामा कह चुके हैं कि इस बार अगले दलाईलामा का चयन उनकी मृत्यु से पहले ही हो सकता है, जो परंपरागत प्रक्रिया से अलग है।

निर्वासित तिब्बती सरकार का मुख्यालय भी मैकलोडगंज में मौजूद है। ऐसे में दलाई लामा के जन्मदिवस का कार्यक्रम 2 जुलाई से ही शुरू होगा, जो तीन दिन तक चलेगा। इस दौरान धर्मशाला में तिब्बती बौद्ध लीडर्स का जमावड़ा देखने को मिलेगा। वैसे तो दलाई लामा का जन्मदिवस 6 जुलाई को है, लेकिन तिब्बती कैलेंडर के अनुसार दलाई लामा कल यानी 1 जुलाई को ही 90 वर्ष के पूरे हो जाएंगे। बता दें कि दलाई लामा ने अपनी किताब वॉयस फॉर वायसलेस में चीन को तगड़ा झटका दिया था। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा था कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर जन्म लेगा और मुमकिन है कि वो देश भारत होगा। दलाई लामा ने अपनी किताब में लिखा- पुनर्जन्म का उद्देश्य पूर्वाधिकार के कार्यों को आगे बढ़ाना है। ऐसे में नया दलाई लामा मुक्त संसार में जन्म ले सकता है, जिससे तिब्बती बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक गुरु के साथ तिब्बती लोंगों की आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने वाले पारंपरिक मिशन को आगे बढ़ाया जा सके। बता दें कि 1959 में तिब्बत में विफल विद्रोह के बाद दलाई लामा भारत आ गए थे। 1989 में दलाई लामा को नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। हालांकि, चीन दलाई लामा को अलगाववादी कहता है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगी सीमा को किया बंद

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान ने सुरक्षा खतरों के कारण अफगानिस्तान से लगने वाली एक प्रमुख सीमा को अगले आदेश तक बंद कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के सीनियर सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले और अफगानिस्तान की सीमा से लगे प्रांत में झड़पों के बाद गुलाम खान सीमा को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा, हमले के बाद उत्तरी वजीरिस्तान में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और सीमा गुलाम खान को अनिश्चित अवधि के लिए बंद कर दिया गया है।

उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले में कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए थे। अंतरिम अफगान सरकार के सीमा बलों के प्रवक्ता अबीदुल्ला फारूकी ने सीमा बंद किए जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस कदम के लिए कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दिया है। फारूकी ने एक बयान में कहा, पाकिस्तानी अधिकारियों ने क्रॉसिंग पर वाहनों को केवल वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने का निर्देश दिया है।

अफगानिस्तान के लोगों पर क्या होगा असर

पाकिस्तान की ओर से गुलाम खान सीमा को बंद करने से अफगानिस्तान के लोगों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। यह सीमा खोस्त प्रांत में स्थित दोनों देशों के बीच व्यापार और आवागमन का अहम मार्ग है। बंदी से खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होगी, जिससे अफगानिस्तान में पहले से मौजूद मानवीय संकट और गहरा सकता है। व्यापारियों और यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों जैसे तोरखम या स्पिन बोल्डक का उपयोग करना पड़ेगा, जो समय और लागत में वृद्धि करेगा। इससे स्थानीय व्यापारियों की आजीविका प्रभावित होगी और वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा, सीमा बंदी से दोनों देशों के बीच तनाव भी बढ़ सकता है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता पर असर पड़ेगा।

50 साल की महिला ने अपने बेटे के क्लास में पढ़ने वाले लड़के से रचाई शादी

बीजिंग, एजेंसी।
प्यार कब, किससे और कैसे हो जाए, इसका कोई नियम नहीं होता - और चीन की एक महिला की यह कहानी इस बात की मिसाल बन गई है। 50 वर्षीय 'सिस्टर जिन' नाम की एक बिजनेसवुमन आजकल इंटरनेट पर छाई हुई हैं, वजह है उनकी चौंकाने वाली प्रेम कहानी और हाल ही में किया गया बड़ा खुलासा। कभी एक सिंगल मदर रही सिस्टर जिन, अब एक बार फिर मां बनने जा रही हैं - लेकिन इस बार हालात कुछ अलग हैं। उन्होंने अपने बेटे के ही क्लासमेट, एक रूसी युवक डेफू से शादी की है। और अब उन्होंने सोशल मीडिया पर यह एलान कर सभी को चौंका दिया कि वो प्रेगनेंट हैं।

यह सब शुरू हुआ था करीब छह साल पहले, जब जिन के बेटे कैकाई ने अपने कुछ इंटरनेशनल दोस्तों के लिए चाइनीज न्यू ईयर पार्टी रखी थी। इन्हीं मेहमानों में डेफू नाम का एक रूसी छात्र भी शामिल था, जो उस समय कैकाई का क्लासमेट था। पार्टी में सिस्टर जिन की मेहमाननवाज़ी और खाना डेफू को इतना पसंद आया कि वो एक रात रुकने आया और फिर पूरे हफ्ते वहीं ठहर गया। सिस्टर जिन ने खुद बताया कि उस वक्त वो काफी एनर्जेटिक और आत्मनिर्भर महिला थीं। डेफू ने उनके साथ संपर्क बनाए रखा, सरप्राइज गिफ्ट भेजे, और धीरे-धीरे दोनों के बीच एक अजीब सा लेकिन मजबूत कनेक्शन बन गया।

हालांकि शुरुआत में सिस्टर जिन को उम्र, संस्कृति और पहली शादी के कड़वे अनुभवों की वजह से इस रिश्ते पर भरोसा नहीं हुआ। लेकिन जब उनके बेटे कैकाई ने इस रिश्ते को सपोर्ट किया, तब उन्होंने डेफू को एक मौका देने का फैसला किया। कुछ सालों तक चले इस रिश्ते के बाद इसी साल दोनों ने शादी कर ली। 8 जून 2025 को, सिस्टर जिन ने एक वीडियो पोस्ट कर यह बताया कि वो मां बनने वाली हैं। इस खबर ने लोगों को हैरान तो किया ही, साथ ही सोशल मीडिया पर बहस का मुद्दा भी बना दिया। कुछ लोगों ने सिस्टर जिन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन को खुद के तरीके से जिया और प्यार को भी नए सिरे से अपनाया। एक यूज़र ने लिखा, उम्र सिर्फ एक नंबर है, उनका आत्मबल प्रेरणादायक है। वहीं कुछ लोगों को यह सब एक स्क्रिप्टेड स्टोरी जैसा लगा - एक यूजर ने सवाल किया, क्या वह डेफू के साथ रूस जाएंगी? वह तो उसके माता-पिता की उम्र की हैं!

बोइंग के सीएफओ ब्रायन वेस्ट देंगे इस्तीफा, कहा- बैलेंस शीट मजबूत, जिम्मेदारी सौंपने का यह सही समय

वॉशिंगटन, एजेंसी।
विमान निर्माता कंपनी बोइंग में शीर्ष स्तर पर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) ब्रायन वेस्ट अपने पद से इस्तीफा देंगे। वे 15 अगस्त को अपना पद छोड़ देंगे। उनकी जगह लॉकहीड मार्टिन कॉर्प के पूर्व कार्यकारी जीसस जे मालवे लेंगे। बोइंग ने कहा सीएफओ वेस्ट इस्तीफे के बाद सीईओ केल ऑर्टबर्ग के सलाहकार बने रहेंगे।

सीएफओ ब्रायन वेस्ट ने अपने पद छोड़ने की पुष्टि की और कहा कि यह जिम्मेदारी सौंपने का सही समय है। इस वक्त बैलेंसशीट बेहद मजबूत है, परिचालन प्रदर्शन बेहतर है। साथ ही संभावनाएं बेहद उत्साहजनक हैं। हम रिकवरी की दिशा में एक अच्छे, स्थिर और पूर्वानुमानित रास्ते पर हैं, जबकि हम बहुत ज्यादा जोर नहीं लगा रहे हैं। यह हमारी उम्मीद से थोड़ा बेहतर निकला है। सीएफओ ब्रायन वेस्ट ने बोइंग को संकट से उबारा है। पिछले साल बोइंग में हड़ताल और विमान हादसे के बाद उत्पादन में गिरावट आ गई थी। इस वक्त वेस्ट ने पूंजी की कमी से निपटने और जंक स्टेट्स में संभावित रेटिंग डाउनग्रेड से कंपनी को बचाया था। वेस्ट ने बोइंग के नकद भंडार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 24 बिलियन डॉलर की इक्विटी बिक्री की थी, जो किसी सार्वजनिक कंपनी के लिए रिकॉर्ड के करीब है। उन्होंने इस साल जेप्पेसेन इकाई और अन्य

डिजिटल परिसंपत्तियों की 10.6 बिलियन डॉलर की नीलामी की देखरेख करके अपने भंडार में इजाफा किया। इसके साथ ही वेस्ट ने ऋण और इक्विटी जुटाकर 44 बिलियन डॉलर से अधिक की बैलेंस शीट तैयार की थी। बोइंग में पिछले साल केली ऑर्टबर्ग ने सीईओ के तौर पर काम संभाला था। नए सीएफओ जीसस जे मालवे पहले भी साथ काम कर चुके हैं। यूनाइटेड टेक्नोलॉजीज कॉर्पोरेशन में ऑर्टबर्ग कोलिन्स एयरोस्पेस डिवीजन का संचालन करते थे। जबकि मालवे यहां पर कैरियर डिवीजन के उपाध्यक्ष और सीएफओ थे।

ट्रंप ने सीरिया से हटाए प्रतिबंध, कार्यकारी आदेश पर किया हस्ताक्षर

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीरिया पर लगे प्रतिबंधों को खत्म करने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। व्हाइट हाउस की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई है। व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट में कहा कि ट्रंप ने देश की स्थिरता और शांति के मार्ग का समर्थन करने के लिए सीरिया प्रतिबंध कार्यक्रम खत्म करने वाले एक ऐतिहासिक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा, यह आदेश सीरिया पर प्रतिबंधों को हटाता है, जबकि बशर अल-असद पर प्रतिबंधों को बनाए रखता है। यह आदेश कुछ वस्तुओं पर एक्सपोर्ट कंट्रोल में रियायत देने और सीरिया को दी जाने वाली कुछ विदेशी सहायता पर लगे प्रतिबंधों को हटाने की अनुमति देता है। इस आदेश के तहत, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को संयुक्त राष्ट्र में सीरिया में स्थिरता का समर्थन करने के लिए प्रतिबंधों में राहत के रास्ते तलाशने का निर्देश दिया गया है। सीरिया को दिसंबर 1979 से अमेरिका ने आतंकवाद को प्रायोजित करने वाला स्टेट घोषित किया था। मई 2004 में कार्यकारी आदेश 13338 जारी कर अतिरिक्त प्रतिबंध और पाबंदियां लगाई गईं, जबकि मई 2011 में अमेरिकी सरकार ने सीरियाई अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को निशाना बनाते हुए और कड़े प्रतिबंध लगाए। 13 मई को सऊदी अरब के रियाद में एक इन्वेस्टमेंट फोरम पर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह सीरिया पर प्रतिबंध हटाने की योजना बना रहे हैं।

राहत केंद्र बना श्मशान ! गाजा में कैफे आए लोगों पर बरसे-बम, गोलियां

गाजा एजेंसी।
गाजा अब युद्ध का मैदान नहीं, बल्कि एक ऐसा क्षेत्र बन चुका है, जहां आम नागरिक हर पल मौत के साए में जी रहे हैं। मोबाइल चार्ज करना, इंटरनेट चलाना या खाना लेना भी यहां जानलेवा बन गया है। गाजा के अल-बाका नामक एक साधारण कैफे पर सोमवार को इजरायली सेना ने हवाई हमला किया। यह हमला उस वक्त हुआ जब वहां लोग मोबाइल चार्ज कर रहे थे और इंटरनेट से जुड़ने की कोशिश कर रहे थे। इस हमले में कम से कम 30 नागरिकों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमला बिना किसी चेतावनी के हुआ। कुछ ही सेकंड में कैफे खून और धुएं से भर गया। चश्मदीद

अली अबू अतैला ने बताया कि, हम लोग मोबाइल चार्ज कर रहे थे, तभी अचानक जोरदार धमाका हुआ और सब कुछ हिल गया।गाजा में सोमवार को अलग-अलग हमलों में कुल 74 नागरिकों की मौत हुई।गाजा की एक सड़क पर हमले में 15, कैफे में 30 और जवायदा शहर में इमारत पर हमले 6 लोगों की मौत हो गई। गाजा के दक्षिणी इलाके में एक राहत केंद्र से खाना लेने गए लोगों पर भी हमला हुआ। इस दौरान 11 नागरिक मारे गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हमला टैंकों से किया गया और सैनिकों ने सीधे भीड़ पर गोली चलाई। एक महीने में 500 से अधिक लोगों की मौत सिर्फ खाना लेने के दौरान हो चुकी है।

इजरायली सेना ने कहा कि वह इन घटनाओं की जांच कर रही है। उनका कहना है कि जब कोई संदिग्ध व्यक्ति सैनिकों के करीब आता है, तो चेतावनी स्वरूप गोली चलाई जाती है। इजरायल और अमेरिका चाहते हैं कि गाजा में मानवीय सहायता संयुक्त राष्ट्र की बजाय दूसरे संगठनों द्वारा दी जाए। उनका आरोप है कि हमास इस सहायता को हथिया लेता है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

थाईलैंड में सियासी भूचाल: एक फोन कॉल और प्रधानमंत्री पैटांगटार्न सस्पेंड

बैंकाक, एजेंसी।
थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने सोमवार को प्रधानमंत्री पैतोंगटर्न शिनावात्रा को उनके पद से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह फैसला एक लीक हुई फोन कॉल को लेकर लिया गया है, जिसमें कथित तौर पर सरकारी शक्तियों के दुरुपयोग का संकेत मिलता है।

शिनावात्रा पर आरोप है कि उन्होंने एक गुप्त फोन कॉल के जरिए संवैधानिक सीमाओं से परे जाकर सरकारी हस्तक्षेप किया। इस कॉल में वे न्यायिक और प्रशासनिक संस्थाओं को प्रभावित करने की बात करती हुई सुनाई दीं। अदालत ने इसे संविधान के अनुच्छेदों के उल्लंघन के रूप में देखा और तत्काल प्रभाव से उन्हें पद से हटाने का आदेश दिया।

प्रधानमंत्री पद से निलंबन के बाद, कार्यवाहक प्रधानमंत्री का काम उप-प्रधानमंत्री को सौंपा गया है। हालांकि, कोर्ट में मामले की अंतिम सुनवाई पूरी होने तक शिनावात्रा अपनी शक्तियों का उपयोग नहीं कर सकेंगी।

शिनावात्रा की पार्टी, फ्यू थाई पार्टी, ने इस फैसले पर निराशा जताई है और कहा है कि यह एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा हो सकता है। पार्टी समर्थकों ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अदालत उन्हें दोषी ठहराती है, तो नई सरकार बनाने या मध्यावधि चुनाव कराने की स्थिति बन सकती है। फिलहाल देश में राजनीतिक अस्थिरता गहराने के संकेत मिल रहे हैं।

सैमसंग ने भारत में नए गैलेक्सी फोल्डेबल फोन्सस के लिए प्री-रिज़र्व बुकिंग शुरू की

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग 9 जुलाई को न्यूयॉर्क में अपनी अगली पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन्स लॉन्च करने जा रहा है। यह नई सीरीज़ एआई-पावर्ड इंटरफेस के साथ आएगी और इसमें एडवांस हार्डवेयर

टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे स्मार्टफोन का अनुभव पहले से कहीं ज़्यादा बेहतर और स्मार्ट हो जाएगा। आधिकारिक लॉन्च से पहले भारत में ग्राहक सिर्फ 2000 रूपए की टोकन राशि देकर इन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को प्री-रिज़र्व कर सकते हैं। प्री-रिज़र्व करने वाले ग्राहकों को डिवाइस की खरीद पर 5999 रूपए तक के विशेष लाभ मिलेंगे और साथ ही उन्हें अर्ली डिलीवरी का भी फायदा मिलेगा। सैमसंग ने इन डिवाइसों को उपयोगकर्ताओं की असल ज़रूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया है—बेहतर परफॉर्मेंस, और भी तेज़ कैमरे और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ। गैलेक्सी एआई सिर्फ डिवाइस की क्षमता तक सीमित नहीं है, यह इस बात पर आधारित है कि लोग टेक्नोलॉजी के साथ कैसे जुड़ते हैं और उसे अपने जीवन का हिस्सा कैसे बनाते हैं।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर मंगलवार को बीएसई में 3 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 435.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। नवरत्न कंपनी के शेयर रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचे हैं। कंपनी को 528 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले हैं, इसी अपडेट के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। कंपनी अपने शेयरधारकों को धड़ाधड़ बोनस शेयर बांटती आ रही है। कंपनी ने पिछले 10 साल में 3 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है।

कंपनी को मिले ऑर्डर के डीटेल्स

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को मिले नए ऑर्डर्स में डिफेंस और स्ट्रैटेजिक इक्विपमेंट

शामिल हैं। इन उपकरणों में रडार, कम्युनिकेशन सिस्टम्स, जैमर्स, शेल्टर्स, कंट्रोल सेंटर्स, स्पेयर्स, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन्स और रिलेटेड सर्विसेज शामिल हैं। इससे पहले, कंपनी को 585 करोड़ रुपये और 537 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले थे। यह ऑर्डर कम्युनिकेशन सिस्टम्स, शिप-बेस्ड कंपोजिट सिस्टम्स, टेस्टिंग इक्विपमेंट्स से जुड़े थे। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 1240 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। नवरत्न कंपनी के शेयर 3 जुलाई 2020 को 32.42 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 1 जुलाई 2025 को 435.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 623 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। वहीं, पिछले 3 साल में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 468 पर्सेंट उछल गए हैं।

चीन के दबदबे को चुनौती

भारत-जापान ईवी सप्लाई चेन में करेंगे क्रांति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और जापान की कंपनियां इस सप्ताह दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक कर रही हैं। इस बैठक का मकसद चीन द्वारा कुछ दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों का सामूहिक रूप से जवाब देना है।इस बैठक में पैनासोनिक, मित्सुबिशी, सुमितोमो और असाही कासेई जैसी बड़ी जापानी कंपनियां शामिल हैं। ये सभी कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बैटरियों और जरूरी खनिजों की आपूर्ति से जुड़ी हुई हैं। ये कंपनियां भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर काम करने की संभावना तलाशने के लिए भारत आई हैं। भारत की तरफ से अमारा राजा और रिलायंस जैसी कंपनियां इन चर्चाओं में हिस्सा ले रही हैं।

क्या होगा बैठक में- इस बैठक में मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक कारों और बिजली भंडारण के लिए इस्तेमाल होने वाली लिथियम-आयन बैटरियों के लिए नई सप्लाई चेन बनाने पर चर्चा होगी। साथ ही, लिथियम और ग्रेफाइट जैसे जरूरी खनिजों की आपूर्ति को भी सुरक्षित करने के तरीकों पर बात होगी। चूंकि चीन इन बाजारों में बहुत मजबूत है (दुनिया की लगभग 80 प्रतिशत लिथियम बैटरियां चीन में बनती हैं), इसलिए भारत और जापान मिलकर चीन के प्रभुत्व को कम करने के लिए नई तकनीक पर साथ काम करने और संयुक्त रिसर्च करने की योजना भी बना सकते हैं।

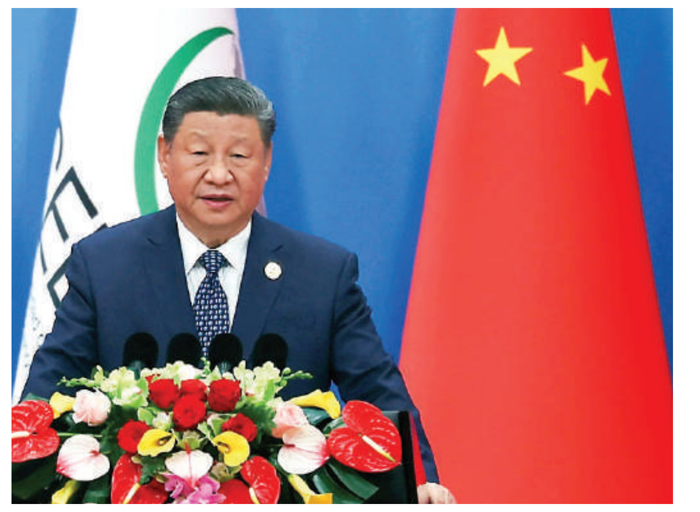

बैठक इसलिए भी जरूरी

भारत के लिए यह बैठक इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि अप्रैल में चीन के प्रतिबंधों के बाद से भारतीय कंपनियों को इन दुर्लभ खनिजों को मंगवाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में, भारत की ईवी कंपनियां अपनी जरूरत की 75 प्रतिशत से भी ज्यादा बैटरियां चीन से खरीदती हैं। बाकी की आपूर्ति दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों से होती है।

भारत सरकार ने 2021 में देश में बैटरी बनाने को बढ़ावा देने के लिए लगभग 18,100 करोड़ रुपये की एक बड़ी योजना (पीएलआई) भी शुरू की थी। ओला इलेक्ट्रिक, रिलायंस और राजेश एक्सपोर्ट्स जैसी कंपनियों को बड़े पैमाने पर बैटरी फैक्ट्रियां (गीगाफैक्ट्री) लगाने की मंजूरी मिली थी। हालांकि, अभी तक इनमें से कोई भी कंपनी इस योजना के तहत तय किए गए लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाई है और सभी अपनी उत्पादन शुरू करने की तारीख से पीछे चल रही हैं।

1000 रुपये के ऊपर लिस्टिंग, फिर 5 प्रतिशत और चढ़ गया रेमंड ग्रुप का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रेमंड रियल्टी के शेयर मंगलवार को बीएसई में 1005 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। लिस्टिंग के ठीक बाद रेमंड रियल्टी के शेयर बीएसई में 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 1055.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। बीएसई पर कंपनी के शेयरों का डिस्कवर्ड प्राइस 1031.30 रुपये था। वहीं, एनएसइ पर कंपनी के शेयर 1000 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। एनएसई पर रेमंड रियल्टी के शेयरों का डिस्कवर्ड प्राइस 1039.30 रुपये था। रेमंड लिमिटेड से डीमर्जर के बाद रेमंड रियल्टी के शेयरों की लिस्टिंग हुई है। रेमंड लिमिटेड के शेयरों में भी मंगलवार को अच्छी तेजी देखने को मिल रही है।

रेमंड लिमिटेड के शेयरधारकों को 1 पर 1 शेयर- डीमर्जर की शर्तों के तहत रेमंड लिमिटेड के शेयरधारकों को प्रत्येक शेयर पर रेमंड रियल्टी का 1 शेयर मिला है, इससे निवेशकों का ग्रुप के रियल एस्टेट बिजनेस में सीधा एक्सपोजर हो गया है। रेमंड रियल्टी का 1 मई 2025 को रेमंड लिमिटेड से डीमर्जर हुआ था। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का इबिट्डा और रेवेन्यू क्रमशः 194 करोड़ रुपये और 766 करोड़ रुपये रहा। वहीं, वित्त वर्ष 2025 में कंपनी के रेवेन्यू और इबिट्डा में सालाना आधार पर 45 पर्सेंट और 37 पर्सेंट की ग्रोथ देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी का रेवेन्यू और इबिट्डा क्रमशः 2313 करोड़ रुपये और 507 करोड़ रुपये रहा है। रेमंड रियल्टी वित्त वर्ष 2026 में 3000 करोड़ रुपये की सेल्स बुकिंग वैल्यू टारगेट कर रही है।

रेमंड लिमिटेड के शेयरों में 7 प्रतिशत से अधिक की तेजी- रेमंड लिमिटेड के शेयर मंगलवार को बीएसई में 7 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 771.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले पांच दिन में रेमंड लिमिटेड के शेयर 27 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 599.85 रुपये से बढ़कर 770 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। रेमंड लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1243.51 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 431.10 रुपये है।

लिस्टिंग पर आईपीओ ने करा दिया तगड़ा मुनाफा, 90 पर आया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सिविल कंस्ट्रक्शन और इंफ्रा डेवलपमेंट कंपनी ग्लोब सिविल प्रोजेक्ट्स के आईपीओ आज मंगलवार, 1 जुलाई को शेयर बाजार में लिस्ट हो गया। कंपनी के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग हुई। बीएसई पर यह शेयर 71 रुपये के आईपीओ प्राइस के मुकाबले करीबन 29 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 91.10 रुपये पर लिस्ट हुआ। वहीं, एनएसई पर कंपनी के शेयर 26 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 90 रुपये पर लिस्ट हुए। बता दें कि इस इश्यू को निवेशकों द्वारा जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। बोली के तीसरे दिन इश्यू को 86.03 गुना सब्सक्राइब किया गया था।

गैब्रियल इंडिया ने की विलय की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटो कम्पोनेंट निर्माता गैब्रियल इंडिया लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार, 1 जुलाई को 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कंपनी के शेयर 842.90 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। इससे पहले बीते सोमवार को इसकी कीमत 702.45 रुपये थी। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने एन्चेमको इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एशिया इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड में विलय और उसके बाद कंपनी के ऑटोमोटिव वेंचर्स के विभाजन के लिए एक योजना की घोषणा की है।

क्या है डिटेल- कंपनी ने कहा कि यह कदम समूह के 2030 तक 50,000 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य का हिस्सा है। गेब्रियल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वह उन कंपनियों में व्यवस्था की योजना के जरिए संभावित अधिग्रहणों पर विचार कर रहा है, जहां गेब्रियल के प्रमोटरों की हिस्सेदारी है। इस योजना के हिस्से के रूप में, ब्रेक फ्लूइड, रेडिएटर कूलेंट, डीजल एग्जॉस्ट फ्लूइड जैसे ऑटोमोबाइल उत्पादों के विनिर्माण और बिक्री में शामिल इकाई, एन्चेमको का एशिया इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड में विलय किया जाएगा। इसके बाद, एशिया इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बिजनेस वेंचर (जिसमें एन्चेमको शामिल है) दाना आनंद, हेनकेल आनंद और एसीवाईएम जैसी अन्य संस्थाओं में निवेश के साथ-साथ, बाद में गैब्रियल इंडिया में विलय कर दिया जाएगा। एशिया इन्वेस्टमेंट के पास अन्य व्यवसायों के साथ-साथ अन्य गैर-ऑटो व्यवसाय भी हैं, जो विभाजन के बाद उनके पास रहेंगे। गैब्रियल इंडिया एआईपीएल के प्रमोटरों को उनके स्वामित्व वाले प्रत्येक 1,000 शेयरों के लिए कंपनी के 1,158 शेयर जारी करेगा। यह सौदा वित्तीय वर्ष 2025 के एंटरप्राइज वैल्यू से ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन (ईबीआईटीडीए) से पहले की आय के 8 गुना के गुणक पर किया जा रहा है। यह सौदा कंपनी के बोर्ड, लेनदारों, स्टॉक एक्सचेंजों, एनसीएलटी और कंपनी के शेयरधारकों से अनुमोदन के अधीन है और अगले 10-12 महीनों के भीतर प्रभावी होने की संभावना है, बशर्ते कि इस समय सीमा के भीतर अनुमोदन प्राप्त हो जाए।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने खरीफ 2025 के लिए '9वें फसल बीमा सप्ताह' जागरूकता अभियान की घोषणा की

खरीफ 2025 से पहले किसानों को जानकारी देने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में उनका नाम लिखवाने को बढ़ावा देने के लिए एक हफ्ते की पहल

मुंबई, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने खरीफ 2025 सीजन के लिए योजना लागू करने वाले राज्यों में अपना 'फसल बीमा सप्ताह' जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। यह एक हफ्ते तक चलने वाली पहल है, जिसका मकसद किसानों को फसल बीमा के फायदे समझाना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में ज्यादा से ज्यादा किसानों को शामिल करना है।

किसानों को मौसम से होने वाले नुकसान से बचाने में फसल बीमा की अहमियत को ध्यान में रखते हुए, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने 1 जुलाई से 7 जुलाई 2025 तक इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन और कम्युनिकेशन से जुड़ी कई गतिविधियां शुरू की हैं। ये कोशिशें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, असम, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे छह बड़े राज्यों के शहरों और गांवों में की जाएंगी, जिनमें लोगों तक पहुंच और असर को बढ़ाने के लिए पुराने और नए तरीकों के मेल से प्रचार किया जाएगा।

अभियान के हिस्से के रूप में, फसल बीमा पाठशालाएं लगेंगी, किसानों के लिए बड़े स्तर की कार्यशालाएं होंगी और लोगों में जागरूकता और बातचीत को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग तरह की एक्टिविटी की जाएंगी। इसके अलावा महिला किसानों के लिए खास सेशंस रखे जाएंगे और अगली पीढ़ी के कृषि नेताओं को जागरूक करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में युवा-केंद्रित वर्कशॉप भी करवाई जाएंगी। इस पहल के बारे में बात करते हुए, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ श्री नवीन चंद्र झा ने कहा, पीएमएफबीवाय जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अनिश्चितताओं से किसानों को बचाने में बड़ी भूमिका निभा रही है। एसबीआई जनरल में हमारा मकसद सिर्फ सुरक्षा देना नहीं है, बल्कि किसानों को जानकारी देकर उन्हें आत्मविश्वास से मजबूत बनाना भी है। इस खास जागरूकता अभियान के जरिए हम जानकारी की कमी को खत्म करना चाहते हैं और योजना में ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़ना चाहते हैं। जानकारी रखने वाला किसान ही एक सुरक्षित किसान होता है।

इस अभियान का मकसद सिर्फ पीएमएफबीवाय के बारे में जागरूकता फैलाना नहीं है, बल्कि लोगों को अपनी भाषा और समझ के मुताबिक समझाने के लिए नुक्कड़ नाटक, बाइक रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे इवेंट आयोजित किए जाएंगे।

नेटफ्लिक्स और वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के 'मंडला मर्डर्स' का प्रसारण 25 जुलाई को

मुंबई, एजेंसी। चरणदासपुर के सन्नाटे में एक अनसुना, डरावना अपराध पनप रहा है। सदियों पुरानी सीक्रेट सोसायटी से जुड़ी बलियों ने किस्मत की लिखी साजिश का एक मंच तैयार कर दिया है। नेटफ्लिक्स पर 25 जुलाई को अनोखा क्राइम थ्रिलर मंडला मर्डर्स का प्रसारण होगा, जो दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाएगा, जहाँ हर सुराग लंबे समय से दफन भविष्यवाणी की ओर ले जाता है। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और मर्दानी फ्रेंचाइज़ी के लिए मशहूर गोपी पुथरन द्वारा रचित, जिन्होंने मनन रावत के साथ मिलकर इस सीरीज़ का सह-निर्देशन भी किया है, मंडला मर्डर्स एक जॉनर-बेंडिंग शो है जिसमें रहस्य, अपराध, मिथक और सस्पेंस का अनोखा मिश्रण है। अजीबोगरीब तरीके से हो रही हत्याओं की जाँच करते हुए रिया थॉमस (वाणी कपूर) और विक्रम सिंह (वैभव राज गुप्ता) अनेक रहस्यों के जाल में उलझ जाते हैं। जिसके बाद मंडला की पेचीदा परतें ऐसे खुलती हैं, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। रहस्यमयी प्रतीकों और खुफिया इरादों की गुत्थियाँ सुलझाते हुए उनका सामना एक गुप्त सोसायटी से होता है, जिसने विश्वास और दीवानगी के बीच की लकीर मिटा दी है। मंडला मर्डर्स में मुख्य भूमिका वाणी कपूर ने निभाई है। वो एक सशक्त नए किरदार में सामने आई हैं। उनके साथ वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला और श्रिया पिलगांवकर ने भी अपने दमदार अभिनय से इस सनसनीखेज रहस्य को और अधिक दिलचस्प बना दिया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने युवाओं के लिए लॉन्च किया मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट

- सिर्फ 1,000 रुपए की मासिक प्रीमियम से शुरू होने वाला किफ़ायती प्रोडक्ट

भोपाल। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस लॉन्च किया है। यह एक मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहकों को दीर्घकालिक रूप से संपत्ति बनाने में मदद करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस प्रोडक्ट को सिर्फ 1000 रुपए की मासिक प्रीमियम पर खरीदा जा सकता है। इससे युवा ग्राहक आसानी से नियमित निवेश कर सकते हैं और अपने लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इसमें जीवन बीमा का लाभ भी शामिल है, जिससे ग्राहक के न रहने पर उसके परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिलती है।

श्री अमित पालटा, चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस, ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और मॉर्गन स्टेनली के अनुसार 2028 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। देश की इस विकास यात्रा की कमान युवाओं के हाथ में है, जो कि कुल जनसंख्या का लगभग 65त्न हिस्सा हैं। यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान्स (यूलिप) संपत्ति निर्माण का एक प्रभावशाली माध्यम हैं। युवा वर्ग को जल्दी निवेश शुरू करने और लंबे समय तक जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से हमने आईसीआईसीआई प्रू स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस लॉन्च किया है।

सैमसंग ने भारत में अपने 2025 बीस्पोक एआई एप्लायंसेज को लॉन्च किया

नए बीस्पोक एआई लॉन्ड्री कॉम्बो को भी पेश किया

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने अपनी 2025 बीस्पोक एआई एप्लायंसेज रेंज को लॉन्च किया है। इस रेंज में चार मुख्य लाभ मिलते हैं। इसे इस्तेमाल करना व देखभाल करना बेहद आसान है, ये बचत करने के साथ ही पूरी तरह सुरक्षित हैं। ये उपकरण सैमसंग के नए एआई होम स्क्रीन, बिक्सबी वॉयस असिस्टेंट के साथ बातचीत, सैमसंग नॉक्स सुरक्षा, और स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी से चलते हैं। ये आधुनिक भारतीय घरों के लिए व्यक्तिगत, बिजली की बचत करने वाले, और सुरक्षित स्मार्ट होम समाधान देते हैं।

जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने कहा, हमें भारत में 2025 बीस्पोक एआई डिजिटल एप्लायंस रेंज लाने पर गर्व है, जहां नए-नए आविष्कारों का मिलन इरादों से होता है। ये केवल स्मार्ट एप्लायंसेज नहीं हैं; ये भारतीय घरों के लिए बनाए गए शानदार साथी हैं।

घुफरान आलम, वाइस प्रेसिडेंट, डिजिटल एप्लायंसेज बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, हमें पूरा भरोसा है कि हमारे बीस्पोक एआई उपकरण आधुनिक भारतीय घरों में क्रांति लाएंगे और उपभोक्ताओं को ज स्मार्ट होम में रहने का शानदार अनुभव मिलेगा।

इस नए लॉन्च की सबसे बड़ी खासियत है इसका बेस्पोक एआई लॉन्ड्री कॉम्बो ऑल-इन-वन। यह एक ऐसी वाशिंग मशीन है जो जगह बचाती है और धुलाई व सुखाने का काम एक ही मशीन में करती है। इससे कपड़े एक मशीन से दूसरी में डालने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे समय बचता है और कपड़ों में धुलाई के बाद गंध नहीं रहती।यह मशीन एआई वॉश एंड ड्राईतकनीक से चलती है, जो कपड़ों का वजन, कपड़े का प्रकार और गंदगी का स्तर समझकर पानी, डिटर्जेंट, धुलाई का समय और सुखाने की सेटिंग को अपने आप एडजस्ट करती है। इससे बिना किसी अनुमान के कपड़े अच्छे से साफ होते हैं और आपको हर बार बेहतरीन लॉन्ड्री अनुभव मिलता है।

बीस्पोक एआई लॉन्ड्री कॉम्बो में उन्नत हीट पंप ड्राइंग टेक्नोलॉजी है जो कम तापमान पर कपड़ों को धीरे और बहुत बढ़िया ढंग से सुखाती है। हीट पंप सिस्टम उष्मा के स्थानांतरण को अनुकूलित करता है और सुखाने का समय 60 प्रतिशत तक और बिजली की खपत 75 प्रतिशत तक कम होती है, साथ ही कपड़ों की सिकुड़न और क्षति को कम करता है। सुपर स्पीड साइकिल के साथ, उपयोगकर्ता केवल 98 मिनट में कपड़े धोकर सुखा सकते हैं।

मध्य प्रदेश में एमएसएमई क्षेत्र के ऋण मार्च 2025 तक 1 करोड़ तक की क्रेडिट सीमा वाले उधारकर्ता वर्ग में 5 वर्षों में 15 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़े

मुंबई, एजेंसी। हाल ही में देश में मनाए गए एमएसएमई दिवस के अवसर पर, ट्रांसयूनियन सिबिल ने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में मध्य प्रदेश की बढ़ती और मजबूत भागीदारी को रेखांकित किया है। क्रेडिट संस्थाओं द्वारा ट्रांसयूनियन सिबिल को दी गई जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के एमएसएमई न केवल अपने आकार में बल्कि वित्तीय परिपक्वता में भी वृद्धि कर रहे हैं। मार्च 2020 से मार्च 2025 के बीच, 1 करोड़ तक के क्रेडिट एक्सपोजर वाले उधारकर्ताओं के वर्ग में पोर्टफोलियो बैलेंस में 15 प्रतिशत की मजबूत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई है। मार्च 2025 तक इस वर्ग में राष्ट्रीय पोर्टफोलियो में राज्य की हिस्सेदारी 4.9 प्रतिशत रही। इसी अवधि में, बकाया स्तर पर डिफॉल्ट दर 3.3 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 3.1 प्रतिशत के करीब है और दर्शाता है कि ऋण चुकाने की प्रवृत्ति स्थिर बनी हुई है।

मध्य प्रदेश के एमएसएमई एकाग्रता और निरंतरता के साथ बढ़ रहे हैं। राज्य ने छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय पहुंच, विस्तार और क्रेडिट प्रबंधन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। पिछले पांच वर्षों में दिखाई गई प्रगति इस क्षेत्र में भविष्य की व्यापारिक वृद्धि के लिए मजबूत आधार को इंगित करती है।

बुमराह आउट कुलदीप IN...

इंडिया-इंग्लैंड दूसरे टेस्ट में होंगे ये बड़े बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ का दूसरा मुकाबला बुधवार, 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा. इससे पहले मंगलवार को भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने टीम इंडिया की संभावित रणनीति और बदलावों को लेकर अहम जानकारी दी. रयान टेन डोशेट ने साफ कहा कि दूसरे टेस्ट में कम से कम दो बदलाव होंगे. टीम बर्मिंघम टेस्ट में नए कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकती है.

बुमराह को आराम, लॉर्ड्स टेस्ट में वापसी संभव

रयान टेन डोशेट ने बताया कि भारत के स्टार तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को बर्मिंघम टेस्ट में आराम दिया जा रहा है. वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत उन्हें यह ब्रेक दिया गया है और वह तीसरे टेस्ट (लॉर्ड्स में) वापसी के लिए उपलब्ध रहेंगे.बुमराह ने पहले टेस्ट में पांच विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया था, लेकिन लगातार क्रिकेट को देखते हुए उन्हें ब्रेक देना ज़रूरी समझा गया.

जायसवाल स्लिप फील्डिंग से बाहर, लगातार कैच ड्रॉप्स पड़े भारी

पहले टेस्ट में युवा सलामी बल्लेबाज़ यशस्वी जैसवाल ने चार कैच छोड़े थे, जिससे इंग्लैंड को बड़े रन बनाने में मदद मिली. अब टीम मैनेजमेंट ने फैसला किया है कि जायसवाल को स्लिप कॉर्डन से हटा दिया गया है और उन्हें फिलहाल आउटफील्ड में लगाया जाएगा. जायसवाल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक ज़रूर लगाया था, लेकिन फिल्डिंग में उनकी गलती टीम पर भारी पड़ी.

शार्दुल ठाकुर की जगह नीतीश कुमार रेड्डी की एंट्री तय

पिछले मैच में शार्दुल ठाकुर गेंद और बल्ले दोनों से खास प्रभाव नहीं डाल सके. अब उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा रहा है और उनकी जगह आंध्र प्रदेश के युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में शामिल किया जा सकता है.

वहीं, बर्मिंघम की पिच पर इस बार गर्म मौसम और सूखी सतह को देखते हुए भारत दो स्पिन गेंदबाज़ों को प्लेइंग इलेवन में शामिल कर सकता है. रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर- इन तीनों में से दो को मौका मिलने की संभावना है. पहले टेस्ट में रवींद्र जडेजा को अकेले स्पिनर के रूप में खिलाया गया था, लेकिन अब बदलाव की तैयारी है. रायन टेन डोशाटे ने कुलदीप यादव की नेट बॉलिंग की तारीफ की और कहा कि वो शानदार लय में हैं और विकेट लेने की भूख के साथ मैदान पर उतरने को तैयार हैं. भारत को पहले टेस्ट में 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था.

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा की

आर्चर टीम में नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए सोमवार 30 जून को अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा की, जो बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में शुरू होगा। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने जीत दर्ज करते हुए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बढ़त बनाई थी। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम में दूसरे मैच के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उंगली की चोट से उबरने के बाद इंग्लैंड की टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को शुरुआती लाइनअप में शामिल नहीं किया गया है। आर्चर परिवार में इमरजेंसी के कारण एजबेस्टन में सोमवार के अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं बन पाए। वहीं जोश टंग, ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे। दूसरी तरफ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच के लिए आराम दिए जाने की उम्मीद है जिससे भारत की लाइनअप में बदलाव देखने को मिल सकता है। बुमराह के अलावा भारतीय टीम में स्पिनर कुदलीप यादव को भी शामिल करने की बात सामने आ रही है जो लंदन में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

हॉकीः

यूरोप दौरे पर इंडिया-ए की कमान संभालेंगे संजय

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को यूरोप के आगामी दौरे के लिए इंडिया-ए पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 8 से 20 जुलाई तक चलेगा। भारत के इस यूरोप दौरे में कुछ शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच खेले जाएंगे, जिसका उद्देश्य उभरते और अनुभवी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है। इंडिया-ए टीम आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि उसे इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मुकाबला खेलना है। 20 सदस्यीय टीम में अनुभवी और होनहार युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सर्किट में प्रभावित किया है। इंडिया-ए टीम की कप्तानी संजय करेंगे, जबकि मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह उप-कप्तान होंगे। भारत की टीम में गोलकीपर पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार और डिफेंडर प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, प्रमोद और संजय शामिल हैं। मिडफील्डर्स में पूवन्ना चंदुरा बॉबी, मोहम्मद राहील मौसीन, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह मौजूद हैं, जबकि फॉरवर्ड लाइन-अप में अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लालगे, सेल्वम कार्ति और उत्तम सिंह हैं। स्टैंडबाय खिलाड़ियों की लिस्ट में गोलकीपर अंकित मलिक, डिफेंडर सुनील जोजो और फॉरवर्ड सुदीप चिरमाको शामिल हैं। यूरोप के दौरे पर टीम को शिवेंद्र सिंह ट्रेनिंग देंगे, जो पुरुष टीम के असिस्टेंट कोच भी हैं। शिवेंद्र सिंह बेहद अनुभवी हैं। वह आक्रामक खेल पर खासा ध्यान देते हैं। यह दौरा हॉकी इंडिया के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय हॉकी सितारों की अगली पीढ़ी को अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका देना है।

यूरोप दौरे के लिए भारत-ए की टीमः

गोलकीपरः पवन, मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार।

डिफेंडरः प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, संजय (कप्तान) और प्रमोद।

मिडफील्डरः पूवन्ना चंदूरा बॉबीमोहम्मद राहील मौसीन, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह (उप-कप्तान), विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह।

फॉरवर्डः अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लालगे, सेल्वम कार्ति और उत्तम सिंह।

स्टैंडबायः अंकित मलिक (गोलकीपर), सुनील जोजो (डिफेंडर) और सुदीप चिरमाको (फॉरवर्ड)।

वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप 2025:

इंग्लैंड का क्लीन स्वीप, मार्क गुडलिफ बने पहले विश्व विजेता

लंदन, एजेंसी। लंदन के प्रतिष्ठित नेहरू सेंटर में आयोजित पहले वर्ल्ड क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड चैम्पियनशिप में शब्दों की चतुराई और मानसिक तीव्रता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां टीम इंग्लैंड ने शीर्ष तीनों स्थानों पर कब्जा करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 13 बार टाइम्स क्रॉसवर्ड चैंपियनशिप जीत चुके मार्क गुडलिफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए WCCC 2025 विश्व कप विजेता का खिताब अपने नाम किया। कॉलिन थॉमस को प्रथम उपविजेता घोषित किया गया, जबकि जॉन हेंडरसन ने तीसरा स्थान प्राप्त कर इंग्लैंड की प्रभुत्वता को और मजबूत किया। प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित हुई।

विंबलडन 2025:

विंबलडन के पहले दौर में उलटफेर का शिकार हुए मेदवेदेव, बेंजामिन बोंजी ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। मेदवेदेव इससे पहले 2017 में लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे थे। वह उस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हुए थे। नौवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव सोमवार को विंबलडन के शुरुआती दौर में 64वीं रैंकिंग वाले बेंजामिन बोंजी से 7-6 (2), 3-6, 7-6 (3), 6-2 से हार के साथ उलटफेर का शिकार बने। पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले मेदवेदेव लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। रूस के यह खिलाड़ी इससे पहले फ्रेंच ओपन में भी पहले दौर से बाहर हो गए था। उन्हें साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दूसरे दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

2017 में भी लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे

मेदवेदेव इससे पहले 2017 में लगातार दो ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हारे थे। वह उस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हुए थे। मेदवेदेव इस साल पेरिस में कैमरून नॉरी से पांच सेट के मैच में हार गए थे। वह 2023 में फ्रेंच ओपन की पहली बाधा पार करने में नाकाम रहे थे। उस समय दूसरी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव को पहले दौर में क्वालिफायर थियागो सेबॉथ वाइल्ड ने हराया था। वाइल्ड की उस समय विश्व रैंकिंग 172 थी।

क्लब विश्व कपः

मैनचेस्टर सिटी को हराकर क्वार्टर फाइनल में अल हिलाल

ऑरलैंडो (अमेरिका), एजेंसी। मार्कोस लियोनार्डो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अल हिलाल को मैनचेस्टर सिटी पर 4-3 से जीत दिलाई। इसी के साथ टीम ने फीफा क्लब विश्व कप क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। बर्नार्डो सिल्वा ने नौवें मिनट में ही गोल दागा। इसके बाद दोनों टीमों ने लगातार कोशिशें कीं, लेकिन कोई और गोल इस हाफ में नहीं आया। दूसरे हाफ में मार्कोस लियोनार्डो (46) और मैल्कम (52) ने गोल दागकर अल-हिलाल को 2-1 से आगे कर दिया, लेकिन तीन मिनट बाद ही एरलिंग हैलैंड (55) ने गोल दागकर जल्दी ही मैनचेस्टर सिटी को बराबरी पर ला दिया।

अल-हिलाल ने अतिरिक्त समय में कलिडौ कौलीबाली (94) की मदद से फिर से बढ़त हासिल की, लेकिन फिल फोडेन के 100वें सिटी गोल ने सिटी को बराबरी पर ला दिया। लियोनार्डो अल-हिलाल के लिए मैच विजेता साबित हुए। लियोनार्डो ने 112वें मिनट में गोल दागकर अल-हिलाल को 4-3 से आगे कर दिया। मैच के बाद कलिडौ कौलीबाली ने कहा, हम जानते थे कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ एक कठिन खेल था। हम अपने विचारों, अपनी प्रतिभा, अपनी ताकत को दिखाना चाहते थे। मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छा खेल खेला। रक्षात्मक रूप से हम बहुत मजबूत थे।

आक्रामक रूप से हमने सभी मौकों का फायदा उठाया, इसलिए हम खुश हो सकते हैं। अल हिलाल अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में फ्लुमिनेंस एफसी से भिड़ेगा। यह मुकाबला ऑरलैंडो के कैम्पिंग वर्ल्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। फ्लुमिनेंस एफसी की टीम इंटर के खिलाफ 2-0 से मुकाबला जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबलों को देखें, तो पाल्मेरास की चेल्सी से भिड़ंत होगी, जबकि पीएसजी की टीम बेयर्न के खिलाफ सेमीफाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेगी। सेमीफाइनल मुकाबले नौ और दस जुलाई को खेले जाने हैं। खिताबी मैच 14 जुलाई को होगा।

असाधारण प्रदर्शन करने के लिए सचिन तेंदुलकर से प्रेरणा लेता हूंः नीरज चोपड़ा

बेंगलुरू, एजेंसी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना करने के बावजूद असाधारण प्रदर्शन करने की भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे।

हाल ही में पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट जीतने वाले नीरज, नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के उद्घाटन संस्करण के साथ इतिहास रच रहे हैं, जो विश्व एथलेटिक्स 'ए' श्रेणी की प्रतियोगिता है, जो भारत में होने वाली अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में किया जाएगा।` बात करते हुए, जब उनसे पूछा गया कि भाला फेंकने के लिए वह किस क्रिकेटर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे, तो मौजूदा विश्व चैंपियन ने तेंदुलकर का नाम लिया। चोपड़ा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने सालों तक हमारे देश का बहुत अच्छा प्रतिनिधित्व किया और हमारे लिए कई रिकॉर्ड बनाए। जिस तरह से उन्होंने कई महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना किया और फिर भी असाधारण प्रदर्शन किया - मैं भी वैसा ही करना चाहूंगा।

इससे मुझे शांत मानसिकता के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी। 27 वर्षीय भाला फेंक स्टार ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ब्रेट ली, जो क्रिकेट में अपना नाम बनाने से पहले भाला फेंकते थे, और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भाला फेंकने में सक्षम होंगे। मैंने सुना है कि ब्रेट ली एक भाला फेंकने वाले थे। मुझे लगता है कि वह भाला अच्छी तरह से फेंक सकते थे, खासकर जब वह अपने चरम वर्षों में थे। मैं जसप्रीत बुमराह के साथ भी भाला फेंकना

चाहूंगा और उम्मीद करता हूं कि वह मुझे कुछ गेंदबाजी कौशल सिखाएंगे। हालांकि गेंदबाजी और भाला फेंकना दोनों ही अलग-अलग हैं। मैं बुमराह से सीखना चाहूंगा। चोपड़ा ने कहा कि भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का मशहूर हेलीकॉप्टर शॉट शक्ति और तकनीक के मामले में भाला फेंकने जैसा है।

खेल के दौरान अंधविश्वासी होने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं अपने इवेंट के दिन शांत रहने की कोशिश करता हूं। मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देने पर ध्यान केंद्रित करता हूं। मैं शांत रहने, अच्छा खाना खाने और अच्छी तरह आराम करने की कोशिश करता हूं।

भाला फेंकने वाले इस दिग्गज ने मैदान पर और मैदान के बाहर मिली सबसे अच्छी सलाह साझा करते हुए कहा, यह सलाह मेरे कोच जान जेलेजनी से मिली, जिन्होंने 98.48 मीटर की दूरी से भाला फेंकने में विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है। जब भी मैं भाला फेंकता हूं, मैं बहुत ऊर्जावान रहता हूं, लेकिन वह मुझसे कहते हैं कि मुझे प्रवाह में दौड़ना चाहिए।

यह तंग महसूस नहीं होना चाहिए - मुझे बिना किसी तनाव के 18 साल के बच्चे की तरह दौड़ना चाहिए। मैं धीरे-धीरे प्रवाह की अवधारणा को समझ रहा हूं। मुझे लगता है कि किसी भी खेल में प्रवाह बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, रोजर फेडरर - वह इतनी शालीनता और लय के साथ खेलते थे कि ऐसा कभी नहीं लगा कि वह बहुत ज्यादा प्रयास कर रहे हैं। मैं इसे अपने प्रशिक्षण में लाने की कोशिश कर रहा हूं। नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 जेवलिन थ्रो इवेंट को 5 जुलाई को शाम 7 बजे से स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क (एसएस 1 हिंदी और एसएस 2) और जियोहॉटस्टार पर देखें।

कृष्णायन

बुधवार 2 जुलाई 2025 स्वराज खबर

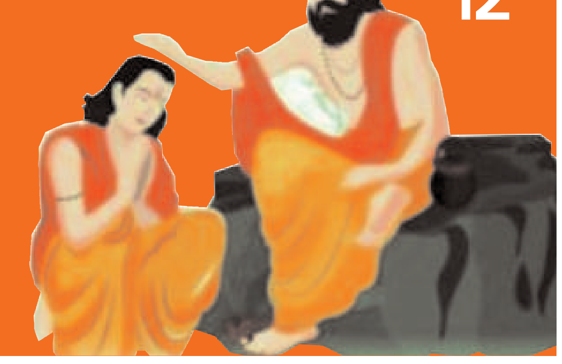

बांस का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं, खुल जाएंगे भाग्य के सारे बंद दरवाजे

बांस का पौधा घर और ऑफिस में लगाना शुभ माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, इसे सही दिशा में लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और नकारात्मक ऊर्जा का नाश होने लगता है। साथ ही, इससे घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। लेकिन इसके लिए बांस का पौधा लगाते वक्त वास्तु के महत्वपूर्ण नियमों का ख्याल रखना बेहद आवश्यक माना जाता है। बांस का पौधा आपने कई लोगों के घरों और ऑफिस में भी लगा हुआ देखा होगा। अपने आसपास के माहौल को खूबसूरत और खुशनुमा बनाने के लिए हम इस पौधे का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तुशास्त्र में बांस के इस पौधे की विशेष मान्यता होती है। कहा जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से आसपास के वातावरण से नकारात्मकता खत्म होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। लेकिन वास्तु के अनुसार, बांस का पौधा सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। इसे गलत स्थान पर लगाने से आपको शुभ की बजाए अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि बांस का पौधा घर की किस दिशा में लगाने से धन-संपत्ति में वृद्धि होती है। साथ ही, इससे जुड़े कुछ जरूरी वास्तु नियम...

बांस का पौधा घर में इस स्थान पर रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, बांस का पौधा घर में सही दिशा में लगाना बहुत फलदायी होता है। माना जाता है कि इसे घर में ड्राइंग रूम या लिविंग रूम में रखा जा सकता है। ऐसा करने से परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम बना रहता है और गृह क्लेश से भी निजात मिलती है। अगर आप सही स्थान पर बांस का पौधा रखते हैं, तो इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। यह पौधा आपके भाग्य को भी बदल सकता है और परिवार के सदस्यों के जीवन में खुशहाली दस्तक देने लगती है।

बांस का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं

माना जाता है कि बांस के पौधे को हमेशा सही दिशा में ही लगाना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को घर की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, बांस का पौधा घर या ऑफिस में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम होता है। इसके अलावा, आप उत्तर दिशा में भी बांस का पौधा लगा सकते हैं। अगर आप लंबे समय से पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो एक बार बांस का पौधा घर पर जरूर लगाकर देखें। ऐसा करने से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और धन-संपत्ति में वृद्धि होने लगती है।

बांस का पौधा लगाने के वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, गलती से भी बांस के पौधे को बाथरूम या टॉयलेट के पास नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा, किचन में भी इस प्लांट को लगाने की मनाही होती है। बांस का पौधा कभी भी गंदे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है। साथ ही, पौधे के पानी को समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। मान्यता है कि घर या ऑफिस में लाल रिबन से बंधा हुआ बांस का पौधा रखने से जीवन में उन्नति के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

पौधा घर में लगाने के लाभ

माना जाता है कि घर में वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर बांस का पौधा लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और फिजूलखर्ची से भी निजात मिल सकती है। यह प्लांट परिवार के सदस्यों के बंद किस्मत के सारे दरवाजे खोल सकता है। सही दिशा में बांस का पौधा लगाने से कारोबार में उन्नति के नए मार्ग खुलने लगते हैं और जीवन में सफलता प्राप्त होती है। इससे घर का माहौल हमेशा खुशनुमा बना रहता है। बांस के पौधे को सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में इसे घर में लगाने से सौभाग्य का आगमन होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आने लगती है।

भगवान शिव के माथे पर अर्द्धचंद्र का क्या है महत्व, जानिए इससे जुड़ी कहानियां और मान्यताएं

जब ब्रह्मांड में उथल-पुथल होती है, तो भगवान शिव ही विनाश और निर्माण को संभालते हैं। उनके माथे पर चंद्रमा सिर्फ एक गहना नहीं है, बल्कि यह ब्रह्मांड के संतुलन का प्रतीक है। भगवान शिव का रूप रहस्यमय है। उनके हर आभूषण का गहरा अर्थ है, उनके गले में सांप, शरीर पर भस्म, तीसरा नेत्र और माथे पर अर्धचंद्र है। ये सभी गहरे रहस्यों के प्रतीक हैं, अर्द्धचंद्र सिर्फ एक आभूषण नहीं है। यह ब्रह्मांड, जीवन और समय से जुड़े आध्यात्मिक और वैज्ञानिक तथ्यों को दिखाता है। मान्?यता है कि काल के प्रवाह को जिसने अपने मस्तक पर धारण कर लिया, वह ही महाकाल कहलाता है। इसका मतलब है कि जिसने समय की धारा को अपने माथे पर धारण कर लिया, वही महाकाल है। चंद्रमा समय का प्रतीक है और यह शिव के माथे पर है। यह दिखाता है कि वे समय से परे है और उसे अपने वश में रखते हैं। अर्द्धचंद्र ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक है, जब ब्रह्मांड में शक्तियां असंतुलित होती हैं, तो भगवान शिव ही संतुलन बनाते हैं। वे विनाश और सृजन दोनों करते हैं। भगवान शिव के माथे पर अर्द्धचंद्र कई गहरे अर्थों को दर्शाता है। यह समय, ब्रह्मांड और जीवन के बारे में बताता है। यह उनके स्वरूप को और भी रहस्यमय बनाता है। इसे समझना जरूरी है।

समुद्र मंथन और चंद्रमा का संबंध

पुराणों में समुद्र मंथन की कहानी है। इसमें भगवान शिव और चंद्रमा का गहरा संबंध बताया गया है। देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत निकालने के लिए समुद्र मंथन किया। इस दौरान कालकूट नाम का विष निकला, जो पूरी सृष्टि को नष्ट कर सकता था। भगवान शिव ने उस विष को पीकर अपने कंठ में रख लिया, जिससे उनका नाम नीलकंठ पड़ा। विष की गर्मी को शांत करने के लिए देवताओं ने चंद्रमा को उनके मस्तक पर स्थापित किया। चंद्रमा की शीतलता से शिव का शरीर शांत हुआ और सृष्टि बच गई। दक्ष प्रजापति के शाप से चंद्रमा क्षीण होने लगे, तब उन्होंने शिव की शरण ली। शिव ने उन्हें अपने मस्तक पर धारण किया और वरदान दिया कि वे घटेंगे और बढ़ेंगे। इस तरह चंद्रमा का घटना-बढ़ना शिव की कृपा का प्रतीक बन गया।

ज्योतिष और अध्यात्म में चंद्रमा

शिव ने चंद्रमा को धारण करके मन और भावनाओं पर नियंत्रण का संदेश दिया है। चंद्रमा शीतलता और संतुलन का भी प्रतीक है। शिव के मस्तक पर चंद्रमा यह दर्शाता है कि संहारक भी संतुलन बनाए रख सकता है। चंद्रमा समय और अनतंता का भी प्रतीक है। शिव का इसे धारण करना यह दर्शाता है कि वे समय से परे हैं। चंद्रमा अमृत और सोमरस का भी प्रतीक है। शिव संहारक होते हुए भी अमृतस्वरूप हैं, विज्ञान के अनुसार, चंद्रमा पृथ्वी पर कई प्रभाव डालता है। यह समुद्र में ज्वार-भाटा लाता है और पृथ्वी की धुरी को स्थिर रखने में मदद करता है। चंद्रमा मानव मन और भावनाओं को भी प्रभावित करता है। शिव का चंद्रमा हमें मन को शांत और संतुलित रखने का संदेश देता है।

दक्ष प्रजापति और चंद्रमा का संबंध

पुराणों में एक और कहानी है। इसके अनुसार, चंद्रदेव ने अपनी 27 पत्नियों में से सिर्फ रोहिणी को ज्यादा प्यार दिया। इससे दक्ष प्रजापति गुस्सा हो गए और उन्होंने चंद्रमा को क्षय होने का शाप दे दिया। चंद्रमा धीरे-धीरे कमजोर होने लगे, तो उन्होंने भगवान शिव से मदद मांगी। भगवान शिव ने उन्हें अपने माथे पर जगह दी और वरदान दिया कि वे कृष्ण पक्ष में घटेंगे और शुक्ल पक्ष में फिर से बढ़ेंगे। इस तरह, चंद्रमा का घटना-बढ़ना शिव की कृपा का प्रतीक बन गया, इसलिए उन्हें सोमनाथ के रूप में पूजा जाता है।

अर्द्धचंद्र का आध्यात्मिक अर्थ

ज्योतिष और अध्यात्म में चंद्रमा को मन का मालिक माना जाता है। मन बहुत चंचल होता है और विचारों में अस्थिरता होती है, जिसे नियंत्रित करना मुश्किल है। भगवान शिव हमेशा शांत और संयमित रहते हैं। उन्होंने चंद्रमा को अपने माथे पर रखकर यह दिखाया है कि उन्होंने अपने मन और भावनाओं को पूरी तरह से काबू में कर लिया है। यह हमें सिखाता है कि अगर हम संयम और ध्यान से अपने मन को स्थिर कर लें, तो हम भी जीवन की मुश्किलों से परेशान हुए बिना शिव की तरह बन सकते हैं। भगवान शिव को रुद्र कहा जाता है, जो विनाश के देवता हैं। जब उनका तीसरा नेत्र खुलता है, तो प्रलय आ जाती है, लेकिन उनके माथे पर चंद्रमा यह दिखाता है कि विनाश करने वाला भी संतुलन बनाए रख सकता है। जीवन में गुस्सा और धैर्य, क्रोध और दया, दोनों का संतुलन जरूरी है।

चंद्रमा काल का प्रतीक

चंद्रमा को समय का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि इसकी कलाएं हमेशा बदलती रहती है। शिव का इसे धारण करना यह दिखाता है कि वे समय से भी आगे हैं और उसे नियंत्रित कर सकते हैं। शिव को महाकाल कहा जाता है, जिसका मतलब है जो समय से परे हैं, यह हमें यह समझने में मदद करता है कि जिसने ज्ञान प्राप्त कर लिया है, उसके लिए समय का कोई बंधन नहीं होता।

चंद्रमा और सोमरस का संबंध

चंद्रमा को अमृत और सोमरस का प्रतीक भी माना जाता है। यह भगवान शिव से इसलिए भी जुड़ा है, क्योंकि वे विनाश के देवता होते हुए भी अमृत के समान हैं। शिव विनाश करते हैं, लेकिन साथ ही फिर से निर्माण भी करते हैं। उनका चंद्रमा हमें यह सिखाता है कि विनाश के बाद भी पुनर्जन्म संभव है, और जीवन का चक्र हमेशा चलता रहता है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए मौज–मस्ती से भरा रहने वाला है। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। लेनदेन से संबंधित मामले में आप अपने आंख और कान खुले रखें। आपका कोई काम यदि लंबे समय से लटका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको अपने पिताजी की सलाह पर चलना बेहतर रहेगा। आपको अपने बिजनेस को लेकर भाई–बहनों से सलाह लेनी पड़ सकती है।

वृषभ आज का दिन आपके लिए कला कौशल में निखार लेकर आएगा। आप अपने हुनर को तराशेंगे, जो आपकी आय के सोर्स को बढ़ाएगा। आप अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान दें, नहीं तो किसी गलत काम की ओर अग्रसर हो सकते हैं। आप किसी नए बिजनेस की शुरुआत करने के लिए जल्दबाजी बिल्कुल ना करें, नहीं तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा हो सकता है। आपको अपने जरूरी कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है।

मिथुन आज आप किसी काम को लेकर कोई जोखिम न उठाएं। बिजनेस में भी आप थोड़ा सोच समझकर ही धन लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा, क्योंकि आपको कोई नुकसान होने की संभावना है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप परिवार के सदस्यों के साथ मिल बैठकर कुछ पारिवारिक समस्याओं को लेकर बातचीत करेंगे। आपका किसी नए घर को खरीदने का सपना पूरा हो सकता है, जिसके लिए आप कोई लोन भी अप्लाई कर सकते हैं।

कर्क आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी भाई बहनों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकते हैं। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से भी थोड़ा सतर्क रहना होगा। आपको यदि कोई जिम्मेदारी मिले, तो कार्यक्षेत्र में उसे पूरा करने के लिए आपका सहयोगी आपकी मदद कर सकते हैं। आप किसी यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

सिंह आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा और आप अपने कामों को आज किसी दूसरे के भरोसे नहीं छोड़ेंगे। आपको अपनी मेहनत में तेजी लाने की आवश्यकता है, लेकिन आप इनकम के हिसाब से खर्च करें, तो ही आपके लिए बेहतर रहेगा। आप अपने घर का रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आप कुछ प्रेम भरे पल व्यतीत करेंगे।

कन्या आज का दिन आपके लिए मान–सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने परिवार में अपनी जिम्मेदारियां से बिल्कुल पीछे ना हटें। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपसे काम को लेकर कोई बातचीत कर सकते हैं। आप अपनी पारिवारिक समस्याओं को लेकर थोड़ा टेंशन में रहेंगे। आपको अपने खर्चो पर थोड़ा ध्यान देना होगा। संतान से किए हुए वादे को भी आप समय रहते पूरा करने की कोशिश करेंगे।

तुला आज का दिन आपके लिए सेहत पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आपका कोई पुराना रोग उभर सकता है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपकी संतान के मन में चल रही उलझनों को जानने की कोशिश करेंगे। जीवनसाथी की सलाह आपके बिजनेस के लिए कारगर सिद्ध होगी। आप अपने खाने में बदलाव लाएं, जिससे कि आपकी सेहत भी ठीक होगी, लेकिन ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल–मिलाप करने आ सकता है।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको अपने किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। माता–पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आप कार्यक्षेत्र में कोई जरूरी जानकारी किसी दूसरे से शेयर ना करें। आपको अपनी आंख और कान खुले रखकर काम करने की आवश्यकता है।

धनु आज का दिन नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, क्योंकि उन्हें कोई अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें। आप अपने बिजनेस में पार्टनरशिप यदि करें, तो उसमें पूरी लिखा पढ़ी करके करें, नहीं तो आपको धोखा मिल सकता है। आपका डूबा हुआ धन आपको मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपने कुछ पुराने कर्ज को भी उतारने की कोशिश में लगे रहेंगे।

मकर आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने के लिए रहेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें अच्छी सफलता मिलेगी, लेकिन किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। आपको अपनी सेहत को लेकर भी लापरवाही बरतने से बचना होगा। परिवार में किसी मांगलिक उत्सव की तैयारी शुरू हो सकती हैं।

कुंभ आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने कामों पर पूरा ध्यान देंगे और किसी जरूरी कामों को लेकर आप कहीं यात्रा पर भी जा सकते हैं। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी के साथ–साथ कोई पुरस्कार भी मिलने की संभावना है। आप किसी दूसरे के मामले में पड़ने से बचें। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप अपने रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी।

मीन आज का दिन आपके लिए अपने जरूरी कामों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। सरकारी मामलों में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से निपटना बेहतर रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी सकती है। माताजी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी होने की संभावना है। बिजनेस में आपको कुछ उतार चढ़ावों का सामना करना पड़ेगा।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, संपादक- **विजयेन्द्र कुमार सिंह** द्वारा समग ट्रयू इंटरप्राइजेज प्रा.लि., ए-157, सेक्टर-80, फैज-1, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा 227 पटपड़गंज गांव , मेन रोड , मयूर विहार फेज 1 दिल्ली - 110091 से प्रकाशित। **सलाहकार संपादक –निविड़ शिवपुत्र***
दूरभाष- 7503976650 (पत्र से संबंधित सभी विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र नई दिल्ली होगा)